अधिकतम तापमान 17.00* >> न्यूनतम तापमान 7.00* >> सूर्योदय 7:10 >> सूर्यास्त 17:53 >> डॉलर 72.93 >> यूरो 88.46 >>

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

झांसी | वर्ष-72, अंक-75 | शनिवार 30 जनवरी 2021 | कुल पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रुपये

dainikbhaskarup.com

छोटीबड़ीबात

आज ही के दिन 1948 में नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या की थी।

लगाई आग फिर घी डाला पेज 06 >

प्रभास संग फिल्म बनाएंगे सिद्धार्थ पेज 07 >

सारसुर्खियां

बंगाल में आज फिर गरजेंगे अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर पश्चिम बंगाल में गरजेंगे। शाह शनिवार और रविवार को पश्चिम बंगाल में दो रैलियों को संबोधित करेंगे। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर वह और भी कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शाह शनिवार से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। सबसे पहले वह शनिवार को मायापुर में इस्कॉन मंदिर जाएंगे और वहां पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद ठाकुरनगर क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे।

विदेशी मुद्रा का भंडार 1.09 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.09 अरब डॉलर बढ़कर 585.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 15 जनवरी को समाप्त सप्ताह में यह 1.84 अरब डॉलर घटकर 584.24 अरब डॉलर पर रहा था। 22 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 68.5 करोड़ डॉलर की बढ़त से 542.19 अरब डॉलर पर पहुंच गई। स्वर्ण भंडार में 398 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, यह 36.46 अरब डॉलर हो गया।

विधान परिषद सदस्य बने शाहनवाज हुसैन

पटना। बिहार विधान परिषद में विधानसभा कोटे की दो सीटों के उप चुनाव में निर्विरोध चुने गए भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन और वीआईपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने शुक्रवार को परिषद की सदस्यता की शपथ ली। विधानसभा के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विधान परिषद के उपभवन में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। हुसैन ने उर्दू में, वहीं सहनी में हिंदी में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए।

पन्ना में बनेगा डायमंड म्यूजियम

पन्ना। हीरा खदानों के लिए प्रसिद्ध मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में एशिया का पहला डायमंड म्यूजियम बनेगा। कलेक्टर संजय मिश्र ने बताया कि हीरा उत्पादक जिले के नाम से पन्ना को पूरी दुनिया में जाना जाता है। हीरे के इतिहास, महत्व, उत्खनन, तरासने, आभूषणों में जडने तक की जानकारी के साथ बुन्देलखण्ड के इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, मदिरों आदि की जानकारी एक साथ एक जगह उपलब्ध कराने के लिए यह म्यूजियम बनाया जा रहा है।

नए कृषि सुधार कानून सही, किसानों का भ्रम दूर करेगी सरकार: कोविंद

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि सुधार कानूनों को सही ठहराते हुए कहा कि कानून पर किसानों के भ्रम को सरकार दूर करेगी। इन कानूनों में किसानों के अधिकारों का पूरा ध्यान रखा गया है तथा इन्हें लेकर फैलाये जा रहे भ्रमों को दूर करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। वहीं, कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने अभिभाषण का बहिष्कार किया।

कोविंद ने शुक्रवार को बजट सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार इन कानूनों के बारे में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का सम्मान करेगी। सरकार यह स्पष्ट करना चाहती है कि तीन नए कृषि कानून बनने से पहले, पुरानी व्यवस्थाओं के तहत जो अधिकार थे तथा जो सुविधाएं थीं, उनमें कहीं कोई कमी नहीं की गई है। बल्कि इन कृषि सुधारों के जरिए सरकार ने किसानों को नई सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ नए अधिकार भी दिए हैं। डिजिटल लेन-देन की प्रक्रिया की सराहना कर कहा कि जनधन खातों, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति से 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं।

कृषि कानून को लेकर फैलाया जा रहा है भ्रम

तिरंगे-गणतंत्र दिवस का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण

कोविंद ने ट्रैक्टर रैली के दौरान ऐतिहासिक लाल किले में तोड़फोड़ और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि जो संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार देता है, वही संविधान हमें सिखाता है कि कानून और नियम का भी उतनी ही गंभीरता से पालन करना चाहिए।

सेना ने नाकाम किये चीन के मंसूबे

कोविंद ने कहा कि चीन ने द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन कर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति बदलने का प्रयास किया, लेकिन सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब देकर उसके मंसूबों को विफल कर दिया। हमारे जांबाजों ने जिस संयम, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया, उसकी जितनी भी सराहना की जाए कम है।

10 करोड़ छोटे किसानों को मिल रहा लाभ

कोविंद ने कहा कि कृषि सुधार, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य विधेयक, कृषि कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक तथा आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयकों का सबसे बड़ा लाभ 10 करोड़ से अधिक छोटे किसानों को तुरंत मिलना शुरू हो गया है।

अर्थव्यवस्था की क्षति से उबर रहा देश

कोविंद ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को जो क्षति पहुंची थी, उससे देश उबरने लगा है। यह अनेक संकेतकों के माध्यम से स्पष्ट हो रहा है। इस मुश्किल समय में भी भारत दुनिया के निवेशकों के लिए आकर्षक स्थान बनकर उभरा है। अप्रैल से अगस्त 2020 के बीच लगभग 36 अरब डॉलर का रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत में हुआ है।

'वोकल फॉर लोकल' जन-आंदोलन

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' आज जन-आंदोलन बन चुका है। सरकार देश में बने सामान के उपयोग के लिए जन-भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है। सरकार अर्थव्यवस्था से जुड़े हर क्षेत्र में ऐसे सुधार कर रही है। श्रमिकों के लिये श्रम कानूनों को कम करके चार श्रम संहितायें बनाई हैं। इन सुधारों से श्रम कल्याण का दायरा बढ़ेगा, श्रमिकों को समय पर पैसे मिलेंगे और रोजगार के ज्यादा अवसर तैयार होंगे।

'स्वर्णिम विजय' से गूंजा विजय चौक

पाकिस्तान से 1971 की जंग में जीत पर विशेष रूप से तैयार की गई 'स्वर्णिम विजय' धुन

गणतंत्र दिवस समारोह का किया गया समापन

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ 1971 की लड़ाई में जीत के उपलक्ष में विशेष रूप से तैयार की गई 'स्वर्णिम विजय' धुन की स्वर लहरी शुक्रवार शाम को ऐतिहासिक विजय चौक पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह का मुख्य आकर्षण रही।

सूर्यास्त होते ही समूचा विजय चौक और आसपास की सभी इमारतें आजादी के जश्न की भावना से ओत-प्रोत रोशनी में नहा गईं। बीटिंग रिट्रीट के साथ ही चार दिन से चले आ रहे गणतंत्र दिवस समारोह का समापन हो गया।

समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगमन से हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सहयोगियों तथा तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

गणतंत्र दिवस की तरह ही बीटिंग रिट्रीट पर भी कोरोना महामारी का साया दिखाई दिया। कोरोना के कारण दर्शकों और विशिष्ट अतिथियों के बैठने के लिए विशेष इंतजाम किये गए थे।

बीटिंग रिट्रीट के दौरान सामाजिक दूरी बनाये रखने के लिए विशेष ऐहतियात बरता गया था। दर्शकों की संख्या हर बार की तुलना में काफी कम रही। स्वर्णिम विजय धुन पाकिस्तान पर 1971 की लड़ाई में विजय के पचास वर्ष पूरे होने के मौके पर विशेष रूप से तैयार की गई है। बीटिंग रिट्रीट में सशस्त्र सेनाओं और सुरक्षा बलों तथा पुलिस बलों के 15 ड्रम बैंडों ने परंपरागत धुनों तथा संगीतमय कार्यक्रमों से वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सारे जहां से अच्छा की सदाबाहर धुन के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का समापन हो गया।

गणतंत्र दिवस समारोह के समापन पर आयोजित बीटिंग स्ट्रीट के दौरान विजय चौक का मनमोहक दृश्य। एजेंसी

सदियों पुरानी है यह सैन्य परंपरा

समापन समारोह सदियों पुरानी उन दिनों की सैन्य परंपरा है, जब सूर्यास्त होने पर सेना युद्ध बंद कर देती थी। जैसे ही बिगुल वादक समापन की धुन बजाते थे, सैनिक युद्ध बंद कर देते थे और अपने शस्त्रास्त्र समेटकर युद्धस्थल से लौट पड़ते थे। यही कारण है कि समापन धुन बजने के दौरान अविचल खडे रहने की परंपरा आज तक कायम है। समापन पर ध्वज और पताकाएं खोलकर रख दी जाती हैं और झंडे उतार दिये जाते हैं। ड्रम वादन उन दिनों की यादगार है, जब कस्बों और शहरों में तैनात सैनिकों को सायंकाल एक निर्धारित समय पर उनके सैन्य शिविरों में बुला लिया जाता था। हजारों लोग बीटिंग रिट्रीट को देखने के लिये भी आते हैं।

दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास धमाका

महज डेढ़ किमी दूर हो रही थी बीटिंग रिट्रीट

नई दिल्ली। दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास शुक्रवार शाम जोरदार धमाका हुआ। हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन नजदीक खड़े तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने धमाके की जांच शुरू कर दी है। किसी आतंकी घटना होने से इंकार नहीं किया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक पांच एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग पर जिंदल हाउस के निकट फुटपाथ पर शाम पांच बजकर पांच मिनट पर धमाका हुआ। यह विस्फोट अत्याधुनिक उपकरण के जरिए किया गया बहुत कम तीव्रता का धमाका था। प्रारंभिक जांच में यह से ऐसा लगता है कि यह विस्फोट सनसनी पैदा करने का शरारती प्रयास था। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और बम निरोधक दस्ते ने भी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच की। धमाके के समय महज डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर बीटिंग रिट्रीट चल रही थी। बीटिंग रिट्रीट में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज मौजूद थे। ऐसे में इस धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता को और बढ़ा दिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

कार सवारों ने किया आईईडी ब्लास्ट

सूत्रों की माने तो यह ब्लास्ट आईईडी से किया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी में एक कार में सवार तीन लोग एक पैकेट को फेंकते हुए देखे गए थे। दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन हुई हिंसा के बाद इस धमाके से सनसनी फैल गई है। फिलहाल इलाके को सील कर खुफिया विभाग और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।

बजट सत्र का भरपूर उपयोग करें सांसद: मोदी

मंथन से जरूर प्राप्त होगा उत्तम अमृत

मर्यादा के साथ करें पवित्र स्थान का प्रयोग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करते हुए संसद के बजट सत्र का भरपूर उपयोग करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद की बजट सत्र की शुरुआत के पहले संसद भवन परिसर में कहा कि देश के लोगों ने जिस आशा और अपेक्षा से जन प्रतिनिधियों को संसद भेजा है, वे लोकतंत्र की मार्यादाओं का पालन करते हुए इस पवित्र स्थान का भरपूर उपयोग करें।

उन्होंने सभी सांसदों से संसद के इस सत्र को उत्तम बनाने का अनुरोध किया। यह दशक भारत के उज्ज्वल भविष्य का है। आजादी के दीवानों ने जो सपने देखे थे उसे तेज गति से सिद्ध करने का यह स्वर्णिम अवसर है। संसद सत्र के दौरान सभी विषयों पर भरपूर चर्चा की जानी चाहिये और इस दौरान सभी विचारों की प्रस्तुति होनी चाहिये। उन्होंने विश्वास जताया कि मंथन से उत्तम अमृत जरूर प्राप्त होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की जनता ने सासंदों को चुन कर संसद तक पहुंचाया है। जिससे उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। उनकी आवश्यक्ताओं की पूर्ति हो सके। इस विश्वास को हम सब मिलकर कायम रखने का प्रयास करें।

ऐतिहासिक होगा बजट सत्र

मोदी ने कहा कि संसद का यह बजट सत्र भी ऐतिहासिक होगा। वर्ष 2020 में वित्त मंत्री को एक नहीं कई अलग-अलग पैकेजों की घोषणा करनी पड़ी थी। इस दौरान चार-पांच 'मिनी बजट' प्रस्तुत किये गए। वर्ष 2020 में एक प्रकार से 'मिनी बजट' का सिलसिला चलता रहा। आगामी बजट को भी उसी श्रृंखला की कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये।

संसद भवन परिसर में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में अन्य वरिष्ठ मंत्री। एजेंसी

त्राल में ढेर किये तीन आतंकवादी

श्रीनगर। अवंतीपोरा जिले के मंडुरा इलाके में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षण विजय कुमार ने मुठभेड़ में तीन आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की है। मारे गए आतंकी किस आतंकवादी संगठन से ताल्लुक रखते हैं, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। सुरक्षाबलों से घिरने के बाद आतंकवादियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई की। घंटों तक चली मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मौके से हथियार बरामद किये गए हैं।

अगले वर्ष वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 11 प्रतिशत और सांकेतिक जीडीपी वृद्धि दर 15 .4 प्रतिशत होने की उम्मीद

जीडीपी वृद्धि दर में 7.7 प्रतिशत गिरावट का अनुमान

आर्थिक समीक्षा

बजट सत्र के पहले दिन विपक्षी दलों का हंगामा

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में 2020-21 वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 7.7 प्रतिशत गिरावट का अनुमान व्यक्त करते हुए कहा गया है कि इससे अगले वित्त वर्ष 2021-22 में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 11 प्रतिशत और सांकेतिक जीडीपी वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत रहेगी, जो देश की आजादी के बाद सर्वाधिक है। वहीं, बजट सत्र के पहले दिन ही कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने किसानों के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को संसद में आर्थिक समीक्षा 2020-21 पेश करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत ऋणात्मक रहने का अनुमान है। प्रथम छमाही में जीडीपी में 15.7 प्रतिशत की तेज गिरावट और दूसरी छमाही में 0.1 प्रतिशत की अत्यंत कम गिरावट को देखते हुए ही यह अनुमान लगाया गया है। कृषि क्षेत्र अब भी आशा की किरण है, जबकि लोगों के आपसी संपर्क वाली सेवाओं, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए थे। जिनमें सुधार देखा जा रहा हैं। सरकारी उपभोग और शुद्ध निर्यात के बल पर ही आर्थिक विकास में और ज्यादा गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। लॉकडाउन के कारण प्रथम तिमाही में जीडीपी में 23.9 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, बाद में 'वी' आकार में वृद्धि यानी निरंतर अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

उन्होंने कहा कि महामारी के प्रकोप के बाद बढ़ती गतिशीलता पर ध्यान देने पर यह पता चलता है कि विभिन्न संकेतक जैसे कि ई-वे बिल, रेल माल भाड़ा, जीएसटी संग्रह और बिजली की मांग बढ़कर न केवल महामारी पूर्व स्तरों पर पहुंच गई है, बल्कि पिछले वर्ष के स्तरों को भी पार कर गई है। राज्य के भीतर और एक राज्य से दूसरे राज्य में आवाजाही को फिर से चालू कर देने और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए मासिक जीएसटी संग्रह से यह पता चलता है कि देश में औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों को उनमुक्त कर दिया गया है।

देश के बुनियादी आर्थिक तत्व मजबूत

वित्तमंत्री ने कहा कि देश के बुनियादी आर्थिक तत्व अब भी मजबूत हैं, क्योंकि लॉकडाउन को क्रमिक रूप से हटाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत मिशन के जरिए दी जा रही आवश्यक सहायता के बल पर अर्थव्यवस्था बड़ी मजबूती के साथ बेहतरी के मार्ग पर अग्रसर हो गई है। आईएमएफ के अनुसार भारत अगले दो वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जारी रखा जाएगा आंदोलन: टिकैत

मुजफ्फरनगर। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत कहा है कि किसानों का आंदोलन जारी रहेगा और जिसे ग़ाज़ीपुर बॉर्डर जाना है, वह जा सकता है।

किसान महापंचायत में शुक्रवार को पूरा विपक्ष एकजुट होकर शामिल हुआ। रालोद उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद जयन्त चौधरी ने कहा कि यह संकट की घड़ी है और इस घड़ी में हम सबको एकजुटता का परिचय देना होगा। यदि किसान मायूस होगा तो देश तबाह हो जाएगा। उधर, राकेश टिकैत के आह्वान के बाद गाजीपुर बार्डर पर शुक्रवार सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान जुट गए। किसान नेताओं का कहना है कि सरकार से अब आर या पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

सिंघु बॉर्डर में थाना प्रभारी पर तलवार से हमला

आंदोलनरत किसान व स्थानीय लोगों में झड़प

नई दिल्ली। कृषि कानूनों को वापस करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों और सिंघु बॉर्डर से धरना हटाने की मांग कर रहे स्थानीय लोगों में शुक्रवार को झड़प हो गई। दोनों तरफ से पथराव हुआ। कुछ लोगों ने तलवार से बीच-बचाव करा रही टीम पर हमला किया। जिसमें थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बार्डर पर बीते दो माह से प्रदर्शन चल रहा है। जिससे नाराज होकर दोपहर के समय कुछ स्थानीय लोग वहां पहुंचे और धरना खत्म कर सड़क खाली करने को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन कर रहे किसानों और स्थानीय लोगों में कहासुनी के बाद दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। हालात को काबू करने के लिये पुलिस ने लाठी चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान पुलिस की टीम पर कुछ लोगों ने तलवार व लाठियों से हमला कर दिया। जिसमें अलीपुर के थाना प्रभारी प्रदीप पालीवाल समेत पांच पुलिसकर्मी व कुछ अन्य लोग घायल हो गए। प्रदीप पालीवाल ने बताया कि तलवार से हमला किसानों के प्रदर्शन में शामिल एक शख्स ने किया था। जिसे हिरासत में ले लिया गया है।

उत्तम पुरुषों की संपत्ति का मुख्य प्रयोजन यही है कि औरों की विपत्ति का नाश हो।
- रहीम

लूट के बाद हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

0 हत्यारोपियों ने चालक की हत्या करने के बाद लूटी थी कार
0 जीपीएस की मदद से आरोपियों के गिरेबान तक पहुंची पुलिस

बांदा। कार लूटने के बाद चालक की हत्या कर नदी में शव फेंकने के बाद फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस ने दबोचते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के निशानदेही पर आला कत्ल कुल्हाड़ी को भी बरामद किया है। जिसकी मदद से हत्यारोपियों ने चालक की हत्या करने के बाद शव को नदी में फेंक दिया था। शव को ठिकाने लगाने के बाद आरोपी कार लूटकर फरार हो गए थे।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश एवं पुलिस महानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र के सत्यनारायण मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना के निर्देशन में अपराध तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी बबेरू आनंद कुमार पांडेय के पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बबेरू भास्कर मिश्र व

खुलासा कर जानकारी देते एएसपी

उनकी टीम द्वारा थाना हाजा में पंजीकृत मुकदमा से संबंधित कार चालक योगेंद्र सिंह उर्फ मदन यादव पुत्र राजेंद्र निवासी बकसेडा थाना बहरिया मनगढ़ जनपद प्रयागराज का वर्ष 2019 में गाड़ी लूटने तथा अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चैहान ने बताया कि विगत वर्ष 2019 में योगेंद्र सिंह उर्फ मदन यादव अपनी कार से महोबा से प्रयागराज जा रहा था कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के क्योटरा चैराहे पर मौजूद अभियुक्त विपिन तिवारी पुत्र रामकरन तिवारी निवासी क्योटरा चैराहा कोतवाली नगर, संजय दुबे पुत्र स्व. मन्नीराम द्विवेदी निवासी ग्राम घूरी थाना बिसंडा दोनों मौजूद थे। तभी योगेंद्र ने उनसे रास्ता पूछा तो दोनों अपराधी यह कहकर गाड़ी में बैठ गए कि हमें भी वहीं जाना है। हम आपकों रास्ता बता देंगे। जीपीएस सिस्टम के डाटा का अवलोकन करने पर पाया गया कि दोनों अभियुक्तों द्वारा क्योटरा चैराहे से चलकर चमरौड़ी चैराहे में लगभग एक घंटे रुकाया तथा तिंदवारी थाना क्षेत्र के भुजौली गांव पहुंचे। भुजौली गांव में करीब 21 मिनट रुक कर अभियुक्त अपने रिश्तेदारों से मिलकर फुंफूदी गांव पहुंचे वहां 12 मिनट रुक वहां से अभियुक्त शीलू उर्फ शैलेंद्र कुमार पुत्र स्व. प्रेमचंद्र तिवारी निवासी ग्राम फुंफूदी थाना बबेरू को लेकर बबेरू तिंदवारी होते हुए बेंदाघाट से पहले छापर ढाबे पर रुके तथा वहां से चलकर बेंदाघाट पुल से पहले तीनों अभियुक्तों ने मिलकर चालक की रस्सी से गला दबाते हुए कल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी तथा उसके पैसे भी लूट लिए। हत्या के बाद अभियुक्तों ने चालक के शव को बेंदाघाट पुल के बीचों-बीच ललौली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुल के नीचे नदी में शव को फेंक कर गाड़ी लेकर वापस चले आए।

वापस आ ही रहे थे कि सिमौनी चैकी अंतर्गत लूटी गई कार पलट गई। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो तीनों अभियुक्त मौके से भाग निकले थे। सभी कड़ियों को जोड़ कर शव की बरामदगी की गई तथा बबेरू पर पंजीकृत अभियोग की विवेचना के क्रम में विवेचना की गई तथा आला कत्ल हथियार बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक भास्कर मिश्रा, उपनिरीक्षक राधामोहन द्विवेदी, आरक्षी धीरेंद्र सिंह, राहुल यादव, धर्मेंद्र सिंह शामिल रहे।

तमंचे के साथ पकड़ा गया युवक

0 गश्त के दौरान बिसंडा पुलिस को मिली सफलता

बांदा। गश्त के दौरान बिसंडा पुलिस ने एक युवक को तमंचा व कारतूस के साथ पकड़ा है। मुकदमा दर्ज करने बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना के निर्देशन पर व अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चैहान के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी अतर्रा सत्यप्रकाश शर्मा के पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष नरेंद्र प्रताप सिंह व उनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गश्त पर थी। तभी मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त संतराम उर्फ बाबू पुत्र देवीदीन राजपूत निवासी ग्राम नाहर पुरवा मजरा अमवां थाना बिसंडा को धर दबोचा। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक अवैध अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद अवैध जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हरिश्चंद्र शर्मा, आरक्षी प्रतीक सिंह, अंकित यादव, आलोक यादव, दीपक आर्या व बाबूलाल शामिल रहे।

सार सुर्खियां

महिला ने फांसी लगाकर जान दी

गुरसराँय। गुरसराँय थाना अंतर्गत ग्राम वंकापहाड़ी में एक महिला ने घर पर ही फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता पति दौलत लगभग उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम वंकापहाड़ी और घटना 28 जनवरी की शाम लगभग 5:00 बजे की है। जब घटना के बारे में गुरसराँय पुलिस से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उसका पति व दो लड़का मजदूरी करने बाहर गए हैं और व छोटा लड़का ग्राम वंकापहाड़ी में रहता है। और घटना की सूचना बाहर रह रहे परिवार जनों को दे दी है। गुरसराँय पुलिस घटना की तलाश में जुटी हुई है।

दर्ज किए गए मुकदमा वापस लेने की मांग

गुरसरांय। बुंदेलखंड किसान यूनियन की एक बैठक सुरेन्द्र सिंह पप्पू पुरैनिया की अध्यक्षता में सम्पन हुई जिसमें तत्वाधान में 30 जनबरी को पूरे बुंदेलखंड के सभी जिला मुख्यालयों पर किसान नेताओं के खिलाफ दिल्ली में पुलिस द्वारा दर्ज कराए गए फर्जी मुकदमें वापस लिए जाने के संबंध व राकेश टिकैत के समर्थन में सत्याग्रह आंदोलन पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में हीरा पुरी गोस्वामी गुलारा राधारमण बाजपेई राकेश साहू पुष्पेंद्र पटेल गिरीश चंद्र खरे विलाठी दीपक जैन सुधीर पटेल राघवेंद्र पटेल अज्जू पटेल प्रशांत नायक देवेंद्र सिंह घोष सुरजीत सिंह घोष मोहित सिंह घोष आदि उपस्थित रहे।

अजय यादव बने क्षेत्रीय बन अधिकारी

गुरसराय। नगर के श्री कल्याण बाल विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय के पूर्व छात्र अजय कुमार यादव ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आरएफओ सहायक वनरक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी परीक्षा 2018 के अंतिम परिणाम में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय की प्रबंध समिति एवं प्रधानाचार्य सहित स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया तथा सम्मानित करने का निर्णय लिया। जिसमें कृष्ण चंद पालीवाल अध्यक्ष सनत कुमार सनत कुमार जैन गोपाल भाई पालीवाल सुंदर लाल गर्ग सत्य प्रकाश दुबे प्रधानाचार्य हरिकांत नायक हरी बाबू शर्मा प्रमोद सिंह श्यामसुंदर रिछारिया बलवंत सिंह पटेल सरोज अर्जरिया सुनीता शर्मा प्रत्यूष पालीवाल चंद्रभान नायक रमाकांत त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

स्मार्ट कक्षा का हुआ शुभारंभ

गुरसरांय। विकासखंड गुरसराय के प्राथमिक विद्यालय बसारी में जन सहयोग से स्थापित स्मार्ट क्लास का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी गुरसराय नरेश रावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर ए आर पी नरेंद्र कुमार शर्मा राजेश सेन धर्मेश साहू उमाशंकर शर्मा श्याम सोनी रविंद्र लक्षकार मान सिंह पटेल दिलीप शर्मा बृजेश खरे कैलाश चंद्र स्वामी तथा अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

समेकित शिक्षा कार्यक्रम सम्पन

गुरसरांय। समेकित शिक्षा के अंतर्गत विकासखंड गुरसराय के परिषदीय विद्यालयों में नामित नोडल टीचर का समर्थ कार्यक्रम पर ऑनलाइन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक जी एस राजपूत एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार द्वारा किया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी गुरसराय नरेश रावत द्वारा दिव्यांग बच्चों के चिन्हाकन एवं नामांकन के बारे में बताया गया । जिला समन्वयक रत्नेश त्रिपाठी एवं स्पेशल एजुकेटर घनश्याम भारती द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण का संचालन किया गया। प्रशिक्षण में ए आर पी नरेंद्र कुमार शर्मा राजेश सेन धर्मेश साहू आलोक द्विवेदी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

जिला मजिस्ट्रेट ने पंचायत उद्योग केंद्र श्रीनगर का किया निरीक्षण

महोबा। जिला मजिस्ट्रेट सत्येन्द्र कुमार ने पंचायत उद्योग केंद्र श्रीनगर का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने पंचायत उद्योग केंद्र में सेनेटरी नैपकिन व फिनायल आदि निर्माण कार्य पिछले लगभग दो साल से बन्द पाए जाने पर नाराजगी जताई और उद्योग केंद्र के प्रभारी आलोक द्विवेदी को कड़े निर्देश दिए कि केंद्र का जैम पोर्टल पर दो दिन के अंदर रजिस्ट्रेशन कर संचालित कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने सीडीओ डॉ हरिचरन सिंह को निर्देशित करते हुए कहा कि जो महिलाएं यहां पर पहले से कार्य कर रही थीं, उनका स्वयं सहायता समूह तत्काल गठित कर उनके खाते में रिवोल्विंग फंड उपलब्ध करायें ताकि केंद्र में उत्पादन कार्य शुरू किया जा सके।यह भी कहा कि जैम पोर्टल पर केंद्र का रजिस्ट्रेशन होने से यहां पर निर्मित उत्पादों की सरकारी सप्लाई संभव हो सकेगी।उन्होंने केंद्र प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि केंद्र को संचालित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायें तथा पूर्व से निर्मित माल की सप्लाई स्वयं सहायता समूह के जरिए गांव-गांव में वितरण कर सुनिश्चित करायी जाए।उन्होंने कहा कि इस केंद्र को अचार व पापड़ तथा सिलाई-कढ़ाई आदि के कार्य से भी जोड़ा जाए ताकि इसका विस्तार हो सके और ज्यादा से ज्यादा लोग रोजगार पा सकें।

इस दौरान डीएम ने श्यामा प्रसाद रूर्बन मिशन के अंतर्गत 18 लाख रुपये की लागत से ग्राम बिलरही में निर्माणाधीन बहुउद्देश्यीय सभागार का निरीक्षण किया।मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था के जेई मनीष कुमार को सख्त निर्देश दिए कि निर्धारित बजट से ही 10*10 का एक अतिरिक्त कमरा तैयार किया जाए और निर्माण कार्य में समय और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

पुलिस महानिरीक्षक ने किया थाना कबरई का औचक निरीक्षण

महोबा। शुक्रवार के रोज पुलिस महानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा के0 सत्यनाराणाण द्वारा थाना कबरई का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । कबरई थाने के औचक निरीक्षण के दौरान आई जी द्वारा कोविड केयर डेस्क और साथ ही महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया तथा देखा कि थाना स्तर पर जो भी शिकायतें आई हैं उनको रिकॉर्ड किया जा रहा है, मिशनशक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं की सहायता के लिये महिला हेल्प डेस्क काम कर रहे हैं, जिसमें महिलाओं से संबंधित जो भी समस्या है उनका निराकरण किया जा रहा है । पुलिस महानिरीक्षक द्वारा थाना कबरई में आज क्राइम की समीक्षा की गई है जिसमें दहेज हत्या बलात्कार के कुछ मामलों में वांछित जो प्रीवेंटिव कार्रवाई हैं उसको बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा गया है । सीसीटीएनएस कार्यालय में जाकर रिकॉर्ड को अप टू डेट रखने के निर्देश दिये गये जिसमें आईजीआरएस सन्दर्भ में जो भी शिकायते प्राप्त हों उनका शत-प्रतिशत निस्तारण समय से किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

तत्पश्चात थाना कार्यालय के अभिलेखो का अवलोकन किया गया । जिसमें रजि0नं0-4 व 8 तथा फ्लाई शीट, भूमि-विवाद रजि0, महिला

उत्पीडन रजि0, एससी/एसटी उत्पीड़न रजि0, माल रजि0 सहित आदि रजिस्टरो को चेक किया गया तथा माल निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने थाना परिसर व कार्यालय की साफ-सफाई का जायजा लिया तथा लम्बित वाहनों का रख-रखाव तथा थानें में लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम में किसान आन्दोलन व आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक थाना कबरई को ग्राम प्रहरियों से लगातार संवाद बनाये रखने को निर्देशित किया गया जिससे असामाजिक गतिविधियों पैनी नजर रख समय रहते रोंका जा सके। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर कालू सिंह, प्रभारी निरीक्षक कबरई दीपक कुमार पाण्डेय, व0उ0नि0 देवेन्द्र मिश्रा व अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

नगर की समस्याओं को लेकर सपाइयों ने किया प्रदर्शन

कालपी । किसानो द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन को सरकार द्वारा साजिश के तहत खत्म कराये जाने के विरोध स्वरूप एवं कालपी की मुख्य बाजार की जर्ज़र पड़ी सडक को बनवाये जाने व कालपी ओवरब्रिज के सर्विस लेन का निर्माण कराये जाने को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने मुख्य बाजार से जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया तथा उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी जयेन्द्र कुमार को सौपा

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्पेंद्र सिंह सेंगर एवं वार्ड सभासद अरविन्द यादव के नितृत्व मे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने मुख्य बाजार से एक जुलूस निकालकर सरकार विरोधी नारे लगाते हुये तहसील पहुंचे जहाँ जिलाधिकारी को सम्बोधित एक ज्ञापन देकर मांग कि किसानो के ऊपर सडयंत्र रचकर सरकार उनके खिलाफ झूठे मुक़दमे लिखा कर

उनका आंदोलन समाप्त कराना चाहती है जिसे समाजवादी पार्टी किसी भी हालत मे बर्दाश्त नहीं करेंगी ज्ञापन मे कालपी के मुख्य बाजार की सडक जिसकी हालत बहुत ही जर्ज़र है उसको अभिलम्ब बनाये जाने की एवं नेशनल हाईवे पर बनवाये गये ओवरब्रिज की सर्विस लेन को भी तुरंत बनवाये जाने की मांग की।

ज्ञापन देने वालो ने पुष्पेंद्र सिंह सेंगर, अरविन्द यादव सभासद, अमित तिवारी पूर्व अध्यक्ष छात्र संघ, सिद्धार्थ यादव, शिवम् यादव तिरही, विकास ओमरे, ज्ञान सिंह, शिवेंद्र सिंह, आशीष यादव, जीतू सिंह, विकास यादव, सनी पाल, सोभित ठाकुर, शिवेंद्र चौहान, शेफ रज़ा, विशाल पाल, मुसर्रफ पठान, आयुष विशनोई, अमन विशनोई, ऋषभ चौरसिया, शिवम् यादव, समी तिवारी, धर्मेंद्र दोहरे, नितिन कुमार, वीरू चौधरी, सुमित सिसोधियाँ, शादाब, राहत सहित पचासो कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपाइयों द्वारा किये गये इस प्रदर्शन को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा।

शिविर मे 11 महिलाओ के हुये नशबंदी ऑपरेशन

कालपी । परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी मे चिकित्साधीक्षक डॉ समीर प्रधान की अध्यक्षता मे निशुल्क महिला नशबंदी शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 11 महिलाओ के सफल नशबंदी ऑपरेशन कराये गये। चिकित्साधीक्षक डॉ सुंदर सिंह ने बताया कि शिविर मे 13 महिलाओ का परिक्षण किया गया था। जिनमे से चयनित 11 महिलाओ का उरई से आये सर्जन आर. के. राजपूत की टीम के द्वारा नशबंदी ऑपरेशन किये गये। शिविर मे पुष्पेंद्र सिंह, सत्यवती पाल, हरचरण सिंह, उपासना सिंह आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

जुआ खेल रहे तीन लोग गिरफ्तार

कालपी। शुक्रवार को इलाकाई पुलिस ने कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम काशीखेड़ा के सार्वजानिक स्थान मे छापा मारकर हारजीत की बाज़ी लगाते हुये तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है। विदित हो कि उक्त गांव मे जुआ होने की सूचना मिलने पर ज्ञान भारती चौकी इंचार्ज अमित प्रताप के नेतृत्व मे पुलिस टीम ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

महोबकंठ पुलिस ने अवैध तमंचा के साथ अभियुक्त दबोचा

महोबा। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव के आदेश के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक आर0के0 गौतम व क्षेत्राधिकारी कुलपहाड रामप्रवेश राय के निकट पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस द्वारा चालाये जा रहे वाछिंत अपराधी गिरफ्तारी अभियान के तहत थानाध्यक्ष महोबकंठ दिनेश सिह द्वारा गठित टीम जिसमें उ0नि0 सचिन कुमार मय हमराह का0 शिवनारायन द्वारा हाईवे से सौरा जाने वाली सड़क के पास से अभियुक्त गोटीराम अहिरवार पुत्र स्व0 सुखलाल उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से एक अदद तमंचा 12 बोर मय 01 अदद जिंदा कारतूस 12 बोर नाजायज बरामद किया गया । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 11/2021 धारा 3/25 A Act में पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही सम्पादित की गयी।

खन्ना पुलिस ने जिलाबदर अपराधी को किया गिरफ्तार

कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद

महोबा। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में शातिर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक आर0के0 गौतम व क्षेत्राधिकारी नगर कालू सिंह के निकट पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक शिवआसरे थाना खन्ना की देखरेख में चलाये जा रहे अभियान जिला बदर अपराधियो के सत्यापन व गिरफ्तारी के क्रम में गठित टीम जिसमें उ.नि.त्रिभुवन सिंह मय उ.नि.बाबू सिंह मय हमराह हे0का. शिवसिंह व कां0 कौशल प्रताप के प्रयास से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुये जिला बदर अपराधी अभियुक्त सुरेश पुत्र जहरिया उम्र लगभग 38 वर्ष निवासी ग्राम सिरसीकला थाना खन्ना जनपद महोबा को सिरसीकला रोड पर 1 किलो 100 ग्राम अवैध सूखा गांजा के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 12/2021 धारा 10 यूपी गुण्डा एक्ट व मु0अ0स0 13/2021 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत करते हुये अभियुक्त उपरोक्त को आवश्यक कार्यवाही कर जेल भेजा गया ।

व्यस्ततम इलाकों में न करें वाहनों की पार्किंग-मधुसूदन

0 आयोजित कार्यक्रम में यातायात प्रभारी ने रोडवेज चालकों को दी सलाह
0 शराब पीकर वाहन न चलाने तथा मोबाइल से बात न करने की दिलाई गई शपथ

बांदा। सार्वजनिक तथा व्यस्ततम इलाकों में वाहनों की पार्किंग बिल्कुल न करें। जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो सके। वाहन चलाते समय शराब का सेवन कदापि न करें तथा गाड़ी चलाने के दौरान मोबाइल से बात न करें। उपरोक्त विचार यातायात प्रभारी ने

कार्यक्रम को संबोधित करते पदाधिकारी

आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को रोडवेज परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें परिवहन विभाग के पीटीओ शिवकुमार मिश्र ने शराब पीकर वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने संबंधी सलाह दी। राम सुमेर यादव ने रोडवेज कर्मचारियों को वाहन चलाते समय अपनी लाइन में ही सुरक्षित चलने की सलाह दी। वहीं यातायात प्रभारी मधुसूदन शुक्ला ने व्यस्ततम तिराहों एवं चैराहों पर गाड़ी न खड़ी करके उन्हें सही जगह खड़ी करने की सलाह दी। मास्टर टेनर सड़क सुरक्षा डॉ. पीयूष मिश्र ने सुरक्षित वाहन चलाने के साथ ही अपने बच्चों के लिए एक मिसाल साबित होने की बात कही साथ ही उन्होंने 'आप सुरक्षित तो आपका परिवार सुरक्षित' का सुझाव दिया। अंत में एआरएम परमानंद ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने चालक एवं परिचालकों को सुधार लाने के प्रति आश्वस्त किया। इस अवसर पर सभी को सड़क सुरक्षा संबंधी शपथ भी दिलाई गई।

एस. डी. एम ने कुपोषित बच्चो के घूम घूम कर जाने हाल

परवरिस करने की बनाई योजना

कालपी । शुक्रवार को उपजिलाधिकारी ने घूम घूम कर कुपोषित बच्चो के हालात को देखकर उनके भरण पोषण के लिये रणनीति तैयार की है। ताकि उनका भविष्य उचित ढंग से सवर जाये। तहसीलदार शशिविद द्विवेदी के साथ उपजिलाधिकारी जयेन्द्र कुमार (आई. ए. एस) कालपी नगर के मोहल्ला गणेशगंज स्थित घर मे पहुंचे। घर मे पांच बच्चे मिले ग्रहस्वामी यानी बच्चो के पिता का काफ़ी समय से पता नहीं है जबकि उनकी मां कुछ मंदबुद्धि है। इसी तारतरम मे उपजिलाधिकारी काशीराम शहरी आवासीय कॉलोनी पहुंचे एक ही परिवार के पांच बच्चे निराश्रित हालात मे मिले। बच्चो के परवरिश के लिये दो हज़ार रुपए दिये गये। उपजिलाधिकारी ने उक्त बच्चो के मामलो को जिला प्रोवेशन अधिकारी के संज्ञान मे पहुंचाया है। एस. डी. एम. ने बताया कि बच्चो के लिये अलग अलग ज़िम्मेदार नोडल अधिकारी बनाये जायेंगे। ताकि बच्चो की परवरिश के लिये सही निगरानी हो सके। इसके लिये नगर पालिका परिषद तथा राजस्व विभाग के अधिकारी तथा आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य को परवरिश की निगरानी के लिये ज़िम्मेदारी सौंपी जायेंगी। उक्त बच्चो की परवरिश के लिये जिला बाल संरक्षण अधिकारी की समिति बनी है। समिति के सदस्य भी कालपी आकर बच्चो का हाल जानेंगे तथा समिति बच्चो के संरक्षण के लिये नियमनुसार शासकीय बजट मुहैया कराएंगी।

मंगरोल गांव मे नई पुलिस चौकी की स्थापना पर विचार

कालपी । स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बीहड़ एवं दुर्गम गांवो मे आपराधिक घटनाओ को तत्परता से अंकुश लगाने एवं शांति व्यवस्था के लिये मगरोल गांव मे पुलिस चौकी की स्थापना के लिये कवायत तेज़ कर दी है। सर्किल कालपी के पुलिस उपाधीक्षक आर. पी. सिंह ने बताया कि शेखपुरगुढ़ा, गुढ़ा खास, मैनूपुर, धर्मपुर, कीरतपुर, हीरापुर, बसानताल, पड़री, नरहान आदि ग्राम यमुना के बीहड़ मे बसें हुये है। उक्त क्षेत्र मे होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये क्षेत्रिये ग्रामीण पुलिस चौकी के स्थापना करने की मांग करते रहते है। उन्होंने बताया कि उक्त ग्रामो से कालपी कोतवाली काफ़ी दूर भी है। इसलिए उक्त क्षेत्र मे पुलिस चौकी की स्थापना होना जरुरी है। चूकि मगरोल काफ़ी बड़ा गांव है तथा कई प्रकार की सुविधाएं है। गांव मे पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज भी है। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य मे पुलिस प्रशासन के द्वारा मगरोल गांव मे पुलिस चौकी की स्थापना के लिये प्रस्ताव तैयार कराया जायेंगा।

जहर से बिगड़ी हालात

मऊरानीपुर। जहरीले पदार्थ के सेवन से एक युवक की हालत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार विशाल गुप्ता पुत्र मोहन लाल निवासी कस्बा रानीपुर को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया। बताया गया कि जहरीले पदार्थ के सेवन से हालत बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज झांसी भेज दिया।

टीके को लेकर भय और संशय भी समाप्त होगा: डीआरएम

झाँसी मंडल में हुई कोविड टीकाकरण की शुरुवात

झाँसी। मंडल रेल प्रशासन चिकित्सा विभाग द्वारा मंडल रेल चिकित्सालय, झाँसी सहित मंडल के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में कोविड टीकाकरण की शुरुआत की गयी । टीकाकरण कार्यक्रम का प्रारंभ मंडल रेल प्रबंधक संदीप माथुर की उपस्थिति में किया गया। मंडल रेल चिकित्सालय , झाँसी में कोरोना योद्धाओं एवं अन्य स्वस्थ्य कर्मियों को कोविड के विरूद्ध प्रतिरोधात्मक क्षमता विकसित करने हेतु रेलवे चिकित्सालय मे कार्यरत 241 स्वास्थ्य कर्मी में से 120 कर्मियों को पहले चरण में टीकाकरण के लिए शामिल किया गया है । डॉ. आभा जैन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने पहला टीका लगवाकर अन्य कर्मचारियों को संदेश दिया कि टीका पूरी तरह सुरक्षित है ।

मंडल रेल प्रबंधक संदीप माथुर ने कहा कि कोरोना काल मे रेलवे के स्वास्थ्य कर्मियो ने अपने अथक और समर्पण भाव के साथ मेहनत किया जिसके फलस्वरूप हम लोगो ने काफी हद तक कोरोना को नियंत्रण रखने में कामयाबी पाई गयी । अतः यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण के द्वारा स्वस्थ और सुरक्षित रखे । इससे रेलवे के अन्य कर्मचारियों मे टीके को लेकर भय और संशय भी समाप्त होगा ।

मंडल रेल चिकित्सालय, झाँसी में टीकाकरण दो चरणों मे होना प्रस्तावित है, टीके का अगला चरण

फरवरी मे होना संभावित है । जिन लोगो को आज टीका लगाया गया है, उनको टीके का अगला डोज 26 फरवरी को लगाया जाएगा । आज पहले चरण मे कुल 96 चिकित्सको और स्वास्थ्य कर्मियो को टीका लगाया गया । टीका लगाए गए किसी भी व्यक्ति मे किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पाया गया । इसके अलावा झाँसी मंडल के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों ललितपुर, ग्वालियर, सिथौली, उरई, जूही, बाँदा और महोबा मे भी टीकाकरण कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर अमित सेंगर अपर मंडल रेल प्रबंधक, डॉ.आभा जैन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे चिकित्सालय झाँसी, डॉ. उमेश चन्द्रा नोडल अधिकारी कोविड-19 सह वरि . मंडल चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ . महेन्द्र सिंह यादव, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ . सुरेन्द्र नाथ सहित चिकित्सालय के अन्य चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी भी मौजद रहे। उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी के रोकथाम एवं इलाज मे झाँसी मंडल के रेलवे चिकित्सालयों का महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । मंडल रेल चिकित्सालय झाँसी मे 100 बैड का लेबल-2 कोविड आईसोलेशन वार्ड संचालित किया जा रहा है । जिसमे एक हजार से अधिक मरीजो का इलाज किया जा चुका है । आईसोलेशन वार्ड के लिए रेलवे द्वारा सभी मूलभूत सुविधाएँ एवं संसाधन मुहैया कराये गए । जिनके संयोजन व रखरखाव आदि में रेलवे चिकित्सालय के कोरोना योद्वाओ का विशेष योगदान रहा है।

38 रेल कर्मचारी सेवानिवृत्त

उत्तर मध्य रेल, झाँसी मंडल से 38 रेल कर्मचारी सेवा निवृत होंगे। वर्तमान में कोविड-19 की परिस्थितियों के कारण कार्यालय में सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित नहीं किया गया। सेवानिवृत्ति होने वाले संबंधित समस्त कर्मचारियों को मंडल कार्यालय में बिना बुलाये हुये समस्त प्रपत्रों को तैयार कर अन्तिम भुगतान रू. 15,26,54,328/- का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया जा रहा है एवं पी.पी.ओ की प्रति सहित समस्त प्रपत्र संबंधित कल्याण निरीक्षकों के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उपलब्ध कराये जा रहे हैं। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश अनुसार 29 जनवरी 2021 को वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी के सभाकक्ष में रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह पर माननीय रेल मंत्री का संबोधन मंडल के सेवानिवृत्त सीमित कर्मचारियों को यूट्यूब के माध्यम से दिखाया गया। उपस्थित कर्मचारियों का आभार मंडल कार्मिक अधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा प्रकट किया गया।

सार सुर्खियां

ननि में निकाला गया मशाल जुलूस

झाँसी। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ वा जिला शाखा झाँसी के तत्वाधान जिलाध्यक्ष अशोक प्याल के नेतृत्व और संयोजन में सफाई कर्मियों की विभिन्न समस्याओं, संविदा सफाई कर्मियों आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियों को नियमित करने आदि मांगों को लेकर नगर निगम परिसर में विराट मशाल जुलूस निकाला।

मशाल जुलूस नगर निगम से साईं काल लगभग 6:00 बजे प्रारंभ हुआ। मशाल जुलूस में सैकड़ों महिलाएं पुरुष सफाई कर्मचारी अपनी अपनी मांगों की तख्तियां ले बैनर आदि लिए हुए थे। जुलूस नगर निगम से इलाइट चौराहा होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और अपनी मांगों से अनुरोध पत्र ज्ञापन मुख्यमंत्री को जिला प्रशासन के माध्यम से प्रेषित किया। जुलूस में प्रांतीय उपाध्यक्ष कुंदन लाल, महानगर अध्यक्ष सुरेश ठेकेदार, मुन्नालाल क्रोशिया, कैलाश ड्रेसर, हरिशंकर नाहर, सुभाष माते, संजय पहलवान, ओमप्रकाश, सलीम हवलदार, कुलदीप पहलवान उषा बाई आदि मौजूद रहे। जोशीले नारेबाजी कर क्षेत्र की सड़कों पर सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। सभा में पूर्व पार्षद अरुण द्विवेदी, बरुआसागर, चिरगांव, मऊरानीपुर, बड़ा गांव आदि क्षेत्रों के मजदूर संघ के अध्यक्ष मौजूद रहे। सभा का संचालन अशोक प्याल ने किया। बाद में सभी का आभार जिला महामंत्री मायादास करोसिया ने किया।

ढाई लाख रुपयों की लूट के मामले में नहीं मिली जमानत

झाँसी। दिन -दहाडे बाईक सवार तीन बदमाशो द्वारा करीब ढाई लाख रुपए लूटने के मामले में जिला कारागार में बंद दो बदमाशो की जमानत अर्जी विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्षे0अधि0) / अपर सत्र न्यायाधीश ममता गुप्ता के न्यायालय में निरस्त कर दी गई। विशेष अधिवक्ता विपिन कुमार मिश्रा के अनुसार विगत 15 सितंबर 2020 को फर्म संतोष कुमार अरविन्द कुमार साझीदार फर्म के मुनीम नितिन साहू पुत्र विनोद साहू, निवासी- तिलयानी बजरिया चौराहा एवं रिंकू साहू पुत्र हरदयाल साहू, निवासी- नैनागढ़ नगरा को फर्म का उधारी का पैसा वसूलने के लिये पृथ्वीपुर, निवाड़ी एवं बरूआसागर भेजा गया था। यह दोनों मुनीम पैसा वसूलने के बाद झासी के लिये वापिस आ रहे थे कि बनगुवा पौधशाला के पास एक बाईक जिस पर तीन बदमाश सवार थे जिन्होंने मुनीमों की मोटरसाईकिल को रोक लिया और उधारी का लगभग ढाई लाख रूपया कट्टे से धमकाकर बैग छीन कर झासी की ओर भाग गये। प्रथम सूचना रिपोर्ट 16 सितंबर 2020 को थाना बरूआसागर पर पंजीकृत करायी गयी थी। उक्त मामले में जिला कारागार में बंद आरोपी/ अभियुक्तगण राजाबाबू चौहान पुत्र बृजभान सिंह, निवासी- देवगढ़, पिछोर,जिला- शिवपुरी म0प्र0 व राजदीप चौहान उर्फ कल्लू पुत्र छोटेराजा,निवासी- ग्राम- विरौली,पिछोर, जिला- शिवपुरी म0प्र0 की ओर से प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान विशेष अधिवक्ता द्वारा विरोध किए जाने पर न्यायालय ने भी जमानत का पर्याप्त आधार नहीं मानते हुए प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

हत्यारोपी ने किया आत्मसमर्पण, भेजा गया जेल

झाँसी। करीब तीन साल पहले हत्या के मामले में फरार आरोपी ने न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना चिरगाव पर तहरीर देते हुए भरतपुरा निवासी छोटेलाल पुत्र पार सिह ने बताया था कि 15 अप्रैल 2018 को रात 10 बजे उसके घर पर करन पुत्र चन्ने, विन्दावन पुत्र चन्ने पाल, राजकुमार पुत्र करन व भगवान सिंह पुत्र सुन्नू लाल लोधी ,सुरेन्द पुत्र मुलायम पाल आये और उसके भतीजे महेन्द पुत्र रघुवीर यादव को घर से बुलाकर अपने साथ ले गये ।करीब दो घण्टे बाद उसके भाई अतर सिह अपने खेत से घर आ रहे थे तभी रास्ते में बेरी के पेड के नीचे करन, विन्दावन पुत्र गण चन्ने पाल , भगवान सिंह.राजकुमार व सुरेन्द को खडा देखा। उसने सोचा कि भूसा भरने या किसी काम से खडे होंगे । यही सोचकर अतर सिंह अपने घर चला आया । जब सुबह घर से बाहर छोटे लाल शौच हेतु गया तो बेरी के पेड पर महेन्द को लटका देखा। भगवान सिह व विन्दावन से एक माह पहले लकडी काटने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद होने पर भगवान सिंह व विन्दावन ने महेंद्र को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसको अंजाम देते हुए उक्त पांचों ने महेन्द्र को पेड़ से लटकाकर मार डाला। जिससे महेन्द की मृत्यु हो गयी । उक्त मामले में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुशील कुमार चतुर्थ द्वारा वादी मुकदमा छोटेलाल की याचिका स्वीकार करते हुए विगत 24 अक्टूबर 2018 को अभियुक्त करन,विन्दावन, राजकुमार, भगवान सिंह व सुरेन्द्र को धारा -147,149,364,302 भादंसं के तहत तलब किया गया था। उक्त मामले में फरार आरोपी भगवान सिंह ने गुरुवार को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

झाँसी में 12 कोरोना पाजिटिव मरीज मिले

झाँसी। शुक्रवार 29 जनवरी को झाँसी में 12 कोरोना पाजिटिव मरीज पाये गये, वहीं 7 संक्रमण मुक्त हो गये। जिला प्रशासन द्वारा जारी कोरोना बुलेटिन के अनुसार शुक्रवार को 2718 कोरोना सैम्पल जांचे गये जिसमें 1134 आरटी-पीसीआर,35 ट्रूनैट एवं 1549 एंटीजन टैस्ट किये गये। इसमें 12 कोरोना पाजिटिव मरीज पाये गये। वहीं झांसी में अभी तक कोरोना मृतकों की संख्या 174 पर स्थिर है। झांसी में अब तक कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 10410 हो चुकी है। वहीं अभी तक 10170 कोरोना मरीज डिस्चार्ज किये जा चुके हैं। इसमें विभिन्न स्वास्थ केन्द्रों में भर्ती 8370 कोरोना मरीज डिस्चार्ज किये गये । वहीं होम आइशोलेशन पूर्ण होने पर अभी तक 1800 कोरोना मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया जिसमें 7 शुक्रवार को स्वस्थ घोषित किये गये। इस प्रकार झाँसी में अब 66 एक्टिव कोरोना पाजिटिव मरीज हैं जिसमें 2 की हालत गंभीर है। झाँसी में कोरोना रिकवरी रेट 97.69 प्रतिशत है । वहीं सी.एफ.आर.1.6 है।

माँ, बेटा और बेटी ने कराया टीकाकरण

झाँसी। देश के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के पहले चरण के चौथे दौर में एक परिवार ऐसा भी रहा जिसके परिवार के लगभग सभी सदस्य स्वास्थ्य विभाग में ही कार्यरत है और सभी ने टीकाकरण भी कराया। जनपद के शहरी क्षेत्र में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत स्टाफ नर्स प्रीति सिंह ने कोविड टीकाकरण कराया। उनके परिवार में उनकी माँ जो कि जिला अस्पताल में कार्यरत है टीका करवा चुकी है, और उनका भाई वाराणसी में कार्यरत है। उसको भी गत 22 जनवरी को टीका लगा था। प्रीति बताती है कि माँ, भाई और भी परिवारी रिश्तेदारों को टीका लगने के बाद मुझे अपनी बारी का इंतजार था, और यह सौभाग्य मुझे मिल गया।

प्रीति कहती है कि जिस तरह कोविड के समय में स्वास्थ्य कर्मचारियों के कंधों पर सारा दारोमदार आ गया था। ऐसे में यह बहुत ही गर्व का समय है कि जब सरकार ने सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मचारियों को ही टीकाकरण के लिए चुना।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ॰ जी के निगम ने बताया कि जनपद में आज 15 केंद्रों पर 25 सत्रों के माध्यम से टीकाकरण किया गया। टीके लगने के बाद सभी कर्मी आधा घंटा आब्जर्वेशन में रहने के बाद अपनी ड्यूटी पर वापस लौट गए। सीएमओ ने बताया कि आज निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने टीकाकरण में बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया है। उन्होने अपील भी की, कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। वैक्सीनेशन करा चुके सभी स्वास्थ्य कर्मी पूरी तरह स्वस्थ हैं। कोई भी स्वास्थ्य कर्मी टीकाकरण से अछूता नहीं रहना चाहिए। अपनी बारी आने पर टीका अवश्य लगवाएँ।

तीन टीमों ने जीते मैच

झाँसी। विनोद खण्डकर झाँसी हॉकी लीग के अंतर्गत खेले आज के पहले मैच के मुख्य अतिथि डा. जीएस अर्गल आई सर्जन ने झाँसी हॉकी एकादश एवं बैद्यनाथ एकादश के खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त कर उनको आशीर्वाद दिया एवं खेल को खेल की भावना से खेलना यह प्रेरणा दी।

झाँसी हॉकी एकादश एवं बैद्यनाथ एकादश के मध्य खेले गये मैच में कड़े मुकाबले में झाँसी हॉकी एकादश 2-1 से जीत कर पूर्ण तीन अंक प्राप्त किये। खेल के 11वें मिनट में झाँसी हॉकी एकादश के कमल कुशवाहा ने पेनाल्टी कार्नर द्वारा गोलकर 1-0 की बढ़त बना ली। अंतिम क्षणों में स्कोर 2-1 रहा। इस मैच के मैन ऑफ द मैच सुवर्ण खण्डकर जो कि टीम के कप्तान रहे। उनके खाते में गया। इस मैच के मुख्य अतिथि डा.जीएस अर्गल ने विजेता टीम को झांसी

हॉकी एकादश को 2100 नगद पुरूस्कार दिया। दूसरे मैच में रानी लक्ष्मीबाई एकादश 3-0 से विजयी रही। तीसरा मैच बालक वर्ग में जिसमें एलवीएम हॉकी एकेडमी ने 6-2 से जीता।

इस मैच के मुख्य अतिथि नौबत सिंह राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं सुशील सूरी राष्ट्रीय खिलाड़ी ने खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर अशोक ओझा, सलीम उद्दीन, राजेश भण्डारिया, राजेश चौबे, पीके उपाध्याय, हिकमत उल्ला खां, सुरेश भगौरिया, दिनेश आदि उपस्थित रहे। अम्पायर की भूमिका जावेद खान, रूपेन्द्र कुमार, सैयद एहतशाम अली, फराज खान एवं सतीश चन्द्र रहे। टेक्निकल टेबल पर सुनीता तिवारी, ज्ञान प्रकाश एवं विनम्र खण्डकर रहे। अंत में सुबोध खण्डकर सचिव झाँसी हॉकी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्री राम दरबार का पूजन अर्चन किया

झाँसी। आज प्रातः रामलीला मंच बड़ाबाजार प्रांगण में अयोध्या जी में बन रहे भगवान श्रीराम मंदिर हेतु जन जागरण तथा निधि संग्रह अभियान हेतु श्री रामभक्तों द्वारा प्रारम्भ की गई शोभायात्रा का पं. दीनदयाल जी उपाध्याय विचार अभियान मंच उप्र तथा महाराजधिराज झांसी राज्य श्रीमंत गंगाधर राव स्मृति समारोह समिति के सदस्यों ने अध्यक्ष पं. अरूण द्विवेदी पूर्व पार्षद के नेतृत्व में भव्य स्वागत और पुष्प वर्षा कर श्री राम दरबार का पूजन अर्चन किया। अरूण द्विवेदी, राधे राय ने विधायक पं. रवि शर्मा, मुकेश मिश्रा, सुबोध गुबरेले, प्रदीप सरावगी, रोहित गोठनकर, संजीव अग्रवाल, जुगल शिवहरे, अभिषेक जैन, बृजेश मिश्रा, कल्लू पुरी, हर्षल गोलवलकर आदि का माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पीके उपाध्याय, अनुज द्विवेदी, कमलेश चौबे, राजू तिवारी, नेहरू तिवारी, येशु उपाध्याय, गोलू बरसैया, वंदना पाठक, नीता अवस्थी, आदि मौजूद रहे।

मुकदमे वापस लेने के निर्णय का किया स्वागत

झाँसी। झाँसी व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश की एक बैठक प्रांतीय अध्यक्ष संतोष साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें लॉकडाउन में छोटी-छोटी लापरवाही की वजह से व्यापारियों पर लिखें गए मुकदमे का सर दर्द झेल रहे प्रदेश भर के व्यापारियों के लिए राहत भरे निर्णय का स्वागत किया गया। योगी सरकार व कानून मंत्री बृजेश पाठक को धन्यवाद ज्ञापित किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए संतोष साहू ने कहा कि योगी सरकार ने व्यापारियों के मान सम्मान स्वाभिमान का ध्यान रखते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल एवं झांसी व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश की मांग को मानते हुए व्यापारी हित की यह कार्रवाई अमल में लाई है।

बैठक में चेयरमैन संजय अग्रवाल, संयोजक राघव वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश गुप्ता राजू रक्सा, उपाध्यक्ष अविनाश माते, महेंद्र साहू, संजय गुप्ता, प्रभु दयाल साहू, शशिकांत कारलेकर, बृजेंद्र साहू , उदय सोनी, सुजीत अग्रवाल, बलवीर सिंह सलूजा, नाटी भुसारी, विवेक जैन, सुरेश शर्मा मोटे, आदि उपस्थित रहे बैठक का संचालन महामंत्री नीरज स्वामी एवं अंत में सभी का आभार कोषाध्यक्ष चौधरी फिरोज ने व्यक्त किया।

रेलवे एससी-एसटी संवर्ग के कर्मियों की अब गृह जिला में करेगी पोस्टिंग

झाँसी। रेलवे में नौकरी करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के रेलकर्मियों को अब उनके गृह जिले में पोस्टिंग होगी। अगर किसी कारणवश यह संभव नहीं हो पाता है, तो रेल प्रशासन की यह कोशिश होगी कि यथासंभव उनके गृह जिले के आसपास ही पोस्टिंग जरूर हो। रेल प्रशासन ने यह फैसला लिया है कि एससी-एसटी रेलकर्मियों को उनके गृह जिले में पोस्टिंग की सुविधा दी जाएगी। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध मे सभी जोन और मंडल को इसे पालन करने का आदेश दिया है। रेलवे बोर्ड ने यह भी कहा कि अगर किसी कारणवश एससी-एसटी रेलकर्मियों को उनके गृह जिले में पोस्टिंग नहीं होती है, तो ऐसी स्थिति में उनके कार्यस्थल के पास आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहा कि इस फैसले से मंडल भर के एससी-एसटी रेलकर्मियों को फायदा मिलेगा।

उचित दर की रिक्त दुकानों के आवंटन हेतु खुली बैठकें होंगी

झाँसी। जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने अवगत कराया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत रिक्त उचित दर दुकानों के आवंटन में स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता प्रदान करते हुये आवंटन पूर्ण कराने के निर्देश आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा

दिये गये थे एवं जहां स्वयं सहायता समूह के आवेदन प्राप्त नही होते है वहां तिथियां निर्धारित कर ग्राम सभा की खुली बैठक में उचित दर विक्रेता के चयन हेतु प्रस्ताव पारित कराकर उचित दर दुकानों की नियमानुसार नियुक्ति सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये है। जिसके क्रम में ग्राम्य विकास विभाग के अन्तर्गत कार्यरत स्वयं सहायता समूहों को रिक्त उचित दर दुकानों के आवंटन में प्राथमिकता प्रदान करने के निर्देश दिये।

उपरोक्त के क्रम में उचित दर विक्रेता के चयन हेतु ग्राम सभा की खुली बैठक कराने हेतु नोडल अधिकारी के रुप में तहसीलदार, जिला कार्यक्रम अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी को नामित किया गया है। उन्होने बताया कि 08 फरवरी को तहसील मऊरानीपुर विकास खण्ड बंगरा के ग्राम पंचायत देवरीसिंहपुरा, लुहरगांव एवं विकास खण्ड मऊरानीपुर के ग्राम बेरबई, बरौरी तथा 09 फरवरी को विकास खण्ड बंगरा के नवादा, लारौन तथा विकास खण्ड मऊरानीपुर के कोटरा में खुली बैठक आयोजित होगी।

तहसील झाँसी के विकास खण्ड बड़ागांव की ग्राम पंचायत परसर, तालरमन्ना तथा विकास खण्ड बबीना में बरुआगागोनी, सिमरावारी-2 तथा विकास खण्ड बबीना में 09 फरवरी को मठरनपुरा, बसईबदनपुर व 10 फरवरी को विकास खण्ड बबीना के ग्राम पंचायत राजापुर में खुली बैठक का आयोजन होगा।

08 फरवरी को तहसील व विकास खण्ड मोंठ की ग्राम पंचायत सारन, चितगुवां में व विकास खण्ड चिरगांव की ग्राम पंचायत कुमरिया, गदुका तथा 09 फरवरी को विकास खण्ड मोंठ की ग्राम पंचायत लड़ावरा, भुजौंद व विकास खण्ड चिरगांव की ग्राम पंचायत बिरहटा, धवरा तथा 10 फरवरी को सिकरीबुजुर्ग तथा विकास खण्ड मोंठ की ग्राम पंचायत कड़ोर, बहादुरपुर व 11 फरवरी को विकास खण्ड मोंठ की ग्राम पंचायत पुलिया, पाण्डोरी तथा 12 फरवरी को ग्राम पंचायत बरौदा में खुली बैठक होगी।

तहसील टहरौली विकास खण्ड गुरसराय की ग्राम पंचायत गढीकरगांय, टहरौली खास, तथा विकास खण्ड बामौर की ग्राम पंचायत इंदी, पुरेनियां में 08 को तथा ग्राम पंचायत जखौरा, खरवांध में 09 फरवरी को खुली बैठके होगी।

उन्होने समस्त नामित नोडल/पर्यवेक्षक अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासनादेश में निहित प्राविधान/निर्धारित आरक्षण के अनुसार सम्बन्धी ग्राम में डुग्गी एवं मुनादी कराकर निर्धारित तिथि में उपस्थित होकर सार्वजनिक स्थल पर नियमानुसार ग्राम सभा की खुली बैठक कराये तथा खुली बैठक की वीडियाग्राफी कराते हुये उचित दर विक्रेता का चष्न किया जाये। जहां एक ही तिथि में दो ग्राम सभाओ की बैठक निर्धारित की गयी है, वहां क्रमशः पूर्वान्ह एवं अपरान्ह में बैठक करायी जाये।

पत्रकारों का सम्मान एवं कंबल वितरण किया

झाँसी। नगर पंचायत कटेरा मैन बाजार में पूर्व भारत सरकार मंत्री प्रदीप जैन आदित्य द्वारा वरिष्ठ पत्रकार अंकेश गुप्ता सहित कई पत्रकारों का सम्मान एवं गरीबों को कंबल वितरण किया। कांग्रेस कार्यकर्ता मीना आर्य और कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भगवानदास कोरी द्वारा असहाय बाग गरीब बुजुर्ग महिलाओं और बुजुर्ग पुरुषों इस कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए लगभग 60 कंबल वितरित किए गए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नगर अध्यक्ष विवेक कुमार जैन, हरिश चंद्र पांडे, वीरू राजपूतस दाऊ प्रजापतिस रामस्वरूप, इदरीश खान, जानकी राजपूत, प्रमोद साहू, मंगल सिंह चौहान, अंकेश गुप्ता अरविन्द. आर्य मौजूद रहें।

दतिया में निकाली जाएगी बाइक रैली

झाँसी। बुन्देलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय ने विज्ञप्ति में बताया कि हर माह प्रधानमंत्री को वादा याद दिलवाने के लिए ज्ञापन भेंट किया जाता है। इस माह 30 जनवरी को ज्ञापन दतिया में दिया जाएगा जिसके लिए मोटर साईकल रैली द्वारा दतिया जाया जाएगा।

30 जनवरी को 11 बजे गांधी पार्क झाँसी से बुन्देली योद्धा अपनी अपनी मोटर साईकिलो से काली माई, कपूर टेकरी, क़ुरैश नगर, ओरछा गेट, गंज, गांधी रोड़, बड़ा बाजार, मालिनो तिराहा, मानिक चौक, सराफा बाजार, गंधिगर का टापरा, उन्नाव गेट, होते हुए 11.30 बजे ग्राम बूढा से भोजला, ईसागढ़, कोट-बेटा से 12 बजे उन्नाव बालाजी पहुंचेगे, जहां से परासरी, ललउआ, सेरसा, राजापुर, खेरी से बाई पास रोड पर नई कचहरी होते हुए कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी दतिया के माध्यम से दिया जाएगा।

ट्रेनों में अब प्राइवेट कंपनियों की मदद से परोसा जाएगा खाना

अब रेलवे के बेस किचन का भी निजीकरण करने की तैयारी

झाँसी। रेलवे की ओर से जल्द ही ट्रेनों में रेडी टू ईट योजना की शुरुआत की जा रही है। इसके तहत ट्रेनों में यात्रियों को सिर्फ पैक फूड या थाली ही मिलेगी। इस खाने को यात्री ऑनलाइन बुक करा सकते हैं।

कोरोना काल में रेलवे में बंद हुई कैटरिंग सेवा के लिए रेलवे ने हाल ही में एक बड़ा फैसला किया है। अब अनलॉक के बाद पहली बार लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों को भोजन उपलब्ध होगा। ये खाना 'रेडी टू ईट' योजना के तहत मिलेगा। इसका मतलब है यात्री को केवल पैक फूड या थाली ही मिलेगी। इस खाने को यात्री ऑनलाइन बुक करा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि कोविड-19 के बाद ट्रेनों में केवल रेडी टू ईट मील यानी तैयार खाने ही दिए जाएंगे। इसका मतलब है यात्रियों को ब्रांडेड पैकेज फूड दिए जाएंगे, जो सील बंद होंगे, प्रीमियम ट्रेनों में इस तरह का खाना दिया जाता था। इस तरह के पैकेट को परोसने से पहले ओवन में गरम किया जाता है और खाना तैयार हो जाता है। रेडी टू ईट वाले खाने के लिए कई ब्रांडेड कम्पनियां दावेदार हैं। आईआरसीटीसी द्वारा चुनिंदा कंपनियों को रेडी टू ईट भोजन के लिए अनुमति दी जा रही है।

फरवरी से होगी शुरुआत

फरवरी से देशभर की चुनिंदा ट्रेनों में आईआरसीटीसी खाना बुकिंग की सुविधा शुरू करने जा रही है। लॉकडाउन से पहले ई-कैटरिंग के जरिए रोजाना करीब 20,000 ऑर्डर की बुकिंग करती थी। पिछले साल 22 मार्च से ये सुविधा बंद कर दी गई थी। अब फरवरी में चरणबद्ध तरीके से इस सुविधा की शुरुआत होने जा रही है। पहले 30 बड़े स्टेशनों पर ये सर्विस दी जाएगी। इससे लगभग 250 ट्रेनों के यात्रियों को सर्विस मिल सकेगी। यात्रियों से जो प्रतिसाद मिलेगा, उसके आधार पर धीरे धीरे सभी ट्रेनों में इसकी शुरुआत होगी। यात्रियों को एमटीआर, आईटीसी, डंकन, बाघ बकरी, आरके कैटरर, हल्दीराम समेत कई नामी कंपनियों का रेडी टू ईट फूड मिलेगा।

कैसे कराएं बुकिंग

ई कैटरिंग की सुविधा लेने के लिए यात्री आईआरटीसीटी की वेबसाइट पर विजिट कर सकता है। इसके अलावा आईआरटीसीटी की food on track मोबाइल ऐप के जरिए भी बुकिंग की जा सकती है। बुकिंग करने वाले यात्री को अपने पीएनआर नंबर और कुछ अन्य जानकारी देनी होगी। यात्रा के दौरान सीट पर ही खाना उपलब्ध कर दिया जाएगा। यात्री ऑनलाइन या कैश ऑन डिलीवरी विकल्प चुन सकता है।

स्टेशनों पर बने किचन फिलहाल बंद

रेलवे के बड़े स्टेशनों पर बेस किचन बनाए गए थे। इन किचन में लंबी दूरी की प्रीमियम ट्रेनों का खाना तैयार होता था। राजधानी, शताब्दी, और दुरंतो जैसे ट्रेनों में भोजन की सप्लाई इन्हीं बेस किचन से होती थी। फिलहाल, बेस किचन बंद हैं और हाइजीन को ध्यान में रखते हुए केवल रेडी टू ईट भोजन परोसा जाएगा।

बेस किचन का निजीकरण!

रेलवे सूत्रों का कहना है कि आईआरसीटीसी से रेलवे बेस किचन लेकर इसका निजीकरण करने के मूड में है। रेडी टू ईट खाने से बड़े प्राइवेट प्लेयर्स को रेलवे में लाया जा रहा है। आईआरसीटी रेलवे की पीएसयू है, जिसमें रेलवे अपना 51 प्रतिशत हिस्सा रखने के बाद बाकी से शेयर कॉरपोरेट कंपनियों को बेचना चाहती है। अब तक लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा बेचा जा चुका है। इसके अलावा रेलवे ट्रेनों से पेंट्री कार भी चरणबद्ध तरीके से हटाने जा रही है।

संपदा को जोड़-जोड़ कर रखने वाले को भला क्या पता कि दान में कितनी मिठास है।
- आचार्य श्रीराम शर्मा

लापता मासूम की पत्थर से कुचलकर की नृंशस हत्या, खेत में बोरी में बंद पड़ा मिला शव

थाना जाखलौन के ग्राम दावनी में खेत समय छह वर्षीय मासूम गुरूवार को हुआ था गायब
सूचना पाकर एसपी सहित पुलिस पहुंची मौके पर, फॉरेंसिक टीम सहित पुलिस जुटी जांच में
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

ललितपुर। पुष्पेद्र पटेल हत्याकांड का कई महीनों बाद भी पर्दाफास हुआ ही नही था कि जनपद के जाखलौन थाना के गांव दावनी में एक मासूम की बेरहमी से हुयी हत्या ने पुलिस की कार्यशैली की पोल खोल कर रख दी है। ग्राम दावनी में बीते रोज लापता हुये एक 6 वर्षीय बालक का शव आलू के खेत मे खून से लथपथ में हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। शव देख कर प्रतीत हो रहा था कि मासूम की हत्या हत्यारोपी ने बड़े ही निर्मम तरीके से की है। मासूम हत्या आपसी रंजिश की ओर ईशारा कर रही है। शव मिलने की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने पुलिस बल के साथ मौके पर जाकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने शक के आधार पर गांव के ही कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पुछताछ शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के गुरुवार को ग्राम दवानी निवासी 6 वर्षीय अंश पुत्र जगत राजपूत सुबह करीब 9 बजे अपने घर के बाहर खेल रहा था तभी वह अचानक गायब हो गया। परिजनों ने देखा तो वह अपनी जगह पर नही था। परिजनों ने अपने पुत्र की काफी खोजबीन की परन्तु उसका कहीं पता नही चल सका। परिजनों ने द्वारा मासूम अंश के गुम होने की सूचना पुलिस को दी। शुक्रवार सुबह जब परिजन गांव के बाहर अपने खेत पर गए तो वहां पर घासफूस पत्तों से ढका हुआ खून से लथपथ अवस्था में मासूम के शव को पड़ा देख उनके होश उड़ गये। गांव में अंश की हत्या की खबर फैलते ही क्षेत्र में कोहराम मच गया। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया। आशंका जताई जा रही है मासूम अंश की हत्या आपशी रंजिश के चलते की गयी। उक्त अज्ञात हत्यारोपियों द्वारा अंश की धारदार हथियार से निमर्म तरीके से हत्याकर शव का आलू के खेत में छिपा दिया गया। तो वहीं पुलिस ने शक के आधार पर गांव के ही कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गयी है। मृतक अंश अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

ललितपुर। मृतक मासूम अंश राजपूत की फाइल फोटो, पुलिस बल के साथ घटना स्थल की जांच करते पुलिस अधीक्षक

कान कटा होने से बलि की आशंका हुयी प्रबल

बतातें चलें कि गुरूवार सुबह अपने घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हुए अंश का देर रात तक कोई सुराग नही लग पाया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीने करने के बावजूद भी कोई जानकारी नही हुयी, तो वहीं सुबह मासूम का रक्त रंजित शव आलू के खेत में मिला, इतना ही नही सिर में चोट के साथ ही उसका एक कान कटा हुआ पाया गया था, यह देखकर हत्या अंधविश्वास के चलते होने की गांव में चर्चा फैल गयी। वहीं पुलिस भी कई पहलूओं से हत्याओं की खोजबीन करने में जुटी हुयी है। हत्या में प्रयुक्त हथियार हुये बरामद घटना स्थल के पास ही खेत में हत्या करने में प्रयोग किये हुये हथियार हसिया पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम ने बरामद किया। वहीं बारीकी से जांच करते हुये मासूम के घर के बगल से खून के निशान एवं जिसमें शव बरामद हुआ वह बोरी व खून से सना हुआ पत्थर भी बरामद किया है। अब पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम गहनता से छानबीन कर रही है।

एसपी ने मृत मासूम के पिता को दिया न्याय का भरोसा

जैसे ही पुलिस को मामले की जानकारी हुयी, वैसे ही पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता दिखायी और वह तत्काल ही घटना स्थल ग्राम दावनी पहुंचे और अधिनस्थों को कड़े निर्देश दिये, तो वहीं पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित परिवार के आंसू पौंछे और जल्द ही न्याय दिलाने व हर संभव मदद का भरोसा दिया। कहा कि अपराधी बचेगा नही।

ब्लाक प्रमुख कैलाश यादव को मातृशोक, सांत्वना देने पहुंचे लोग

ललितपुर। श्रृद्धांजलि सभा में संबोधित करते सपा जिलाध्यक्ष व मंचासीन लोग

मृत्युभोज के स्थान पर श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

ललितपुर। जखौरा ब्लाक प्रमुख कैलाश यादव की पूज्यनीय माताजी श्रीमती कुन्तीबाई यादव के निधन उपरान्त शुक्रवार को मृत्युभोज (तेरहवीं) के स्थान पर श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में जिले के राजनेता, व्यापारी, समाजसेवी संस्थाओं के अलावा भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। सभा में आये लोगों ने सर्वप्रथम कीर्तिशेष कुन्तीबाई यादव के चित्र सम्मुख पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। संचालन शिक्षक राजपाल फौजी ने किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र नारायण शर्मा ने कहा कि मृत्युभोज समाज के लिए अभिशाप है। पुराने समय में किसी परिवार में सदस्य की मृत्यु होने पर दूर-दराज से आने वाले लोगों को सामूहिक भोज कराया जाता था, तब से यह प्रथा प्रचलन में आयी। जिसके चलते अब गरीब तबके के लोगों द्वारा मृत्युभोज का आयोजन करना काफी कठिन है। उन्होंने कहा कि मृत्युभोज के स्थान पर कोई सामाजिक कार्य करना चाहिए। डा.पूरनचंद्र निरंजन ने कहा कि दाहसंस्कार को ही अंतिम संस्कार कहा गया है(सभा में जिला बार एसोशियेशन अध्यक्ष ओमप्रकाश घोष, पत्रकार रवीन्द्र दिवाकर, प्रदीप चौबे, पत्रकार राहुल जैन नवभारत, अजय बरया, रतीराम पटेल, जमुना प्रसाद नामदेव, बालकृष्ण नायक, पूर्व विधायक रमेश कुशवाहा, पूर्व विधायक फेरनलाल अहिरवार व मनमोहन जडिय़ा ने भी संबोधित किया। सभा में चन्द्रशेखर पंथ, जे.पी.यादव, पर्वतलाल साहू, जगदीश सिंह लोधी, गीता मिश्रा, सुनील शर्मा, घनश्यामदास सेन, राजेंद्र श्रीवास, नेपाल सिंह, मोहन सैनी, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, तुलसीराम कुशवाहा, ध्यान सिंह, रतीराम यादव, कृष्ण पाल सिंह आदि मौजूद रहे। सभा के अंत में ब्लाक प्रमुख कैलाश यादव ने परिवार सहित उपस्थित लोगों का आभार जताया।

नगर भ्रमण पर निकले मण्डलायुक्त, लोगों से जाना हाल

ललितपुर। नगर भ्रमण के दौरान लोगों से हाल जानते मण्डलायुक्त

रैन बसेरा, सब्जी मंडी का किया निरीक्षण, दुकानदारों सहित लोगों की सुनी समस्याएं
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

ललितपुर। मण्डलायुक्त झांसी सुभाषचन्द्र शर्मा ने रात्रि में नगर भ्रमण किया। इस दौरान मण्डलायुक्त ने घण्टाघर के पास सड़क किनारे सब्जी की दुकान लगाने वाले लोगों से बातचीत की। उन्होंने सब्जी वालों से पूछा कि उनसे किसी प्रकार का कोई शुल्क तो नहीं लिया जाता, साथ ही सब्जियों के दाम भी पूछे गए। इसके अलावा सब्जी विक्रेताओं की आजीविका के बारे में भी जानकारी ली। मौके पर मूंगफली ढेले वाले से भी चर्चा कर उसका हालचाल जाना। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिये कि सड़क किनारे रेड़ी, पटरी, सब्जी, फल व मूंगफली विक्रेताओं को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें, जिससे वे अपनी जीविका का संचालन करते रहें। इसके उपरान्त उन्होंने होटल कपिल का निरीक्षण किया, यहां पर मैनेजर द्वारा बताया गया कि इस होटल में 10 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। यहां पर 10 सी.सी.टी.वी. कैमरे निगरानी हेतु लगाये गए हैं। होटल में ठहरने वाले लोगों से पहचान के रुप में उनका आधार कार्ड या वोटर कार्ड जमा कराया जाता है। मौके पर मण्डलायुक्त ने होटल का गेस्ट रजिस्टर भी चेक किया। निरीक्षण के दौरान होटल में फस्ट एड बॉक्स नहीं पाया गया, जिस पर फस्ट एड बॉक्स रखवाये जाने के निर्देश दिये गए। इसके उपरान्त मण्डलायुक्त रेलवे स्टेशन पहुंचे, यहां प्रवेश द्वार पर उपस्थित कर्मचारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिन यात्रियों का रिजर्वेशन क्लियर होता है, उन्हीं को आने-जाने दिया जाता है। स्टेशन पर सभी जगह कैमरे लगे हुये हैं। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने यात्रियों से चर्चा कर उनका हालचाल जाना, जरुरतमंद यात्रियों को रैनबसेरा में ठहरने की सलाह दी, साथ ही एक यात्री अमान को रैनबसेरा तक पहुंचाया तथा जरुरतमंद यात्रियों को कम्बल भी वितरित किये। रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के उपरान्त मण्डलायुक्त ने सदर कोतवाली के समीप स्थित रैनबसेरा का भी निरीक्षण किया। यहां पर ठहरने वाले यात्रियों के लिए विद्युत, पेयजल, गद्दे आदि की व्यवस्था पर्याप्त थी, मौके पर यात्रियों से वार्ता करने पर उनके द्वारा रैनबसेरा की व्यवस्थाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया गया। मौके पर जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार, पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वि./रा. अनिल कुमार मिश्र के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी ने बानपुर में पत्रकारों का किया सम्मान

समाजवादी पार्टी पत्रकारों के सहयोग हेतु तत्पर - फेरनलाल
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

बानपुर । ललितपुर समाजवादी पार्टी की एक बैठक संपन्न हुई बैठक में समाजवादी पार्टी के नेता एवं महरौनी क्षेत्र के पूर्व विधायक फ़ेरन लाल अहिरवार मुख्य अतिथि रहे व विशिष्ट अतिथि विधानसभा अध्यक्ष अमर सिंह यादव एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख रामविलास रजक, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामजीवन सिंह यादव दद्दा एवं दशरथ सिंह यादव लंबरदार रहे बैठक में मुख्य वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे।

इस दौरान उन्हौनें कहा कि समाजवादी पार्टी ही मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी जाति धर्म के लोगों को सम्मान देती है किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है वही कहा गया कि समाजवादी पार्टी युवाओं का भविष्य सुरक्षित है समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार दिए जाएंगे किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा बुजुर्गों को लिए समाजवादी पेंशन योजना चलाई जाएगी वही वक्ताओं ने कहा कि आज केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के लिए आंदोलन करने के लिए मजबूर कर रही है किसान हम सबका पालनहार है किसानों की समस्या के निराकरण के लिए समाजवादी पार्टी का हर एक कार्यकर्ता किसान के साथ खड़ा है वही कहा गया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशन पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता समस्याओं के निराकरण के लिए हर समय तैयार हैं आज लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की आवाज को दबाया जा रहा है ।

बैठक में युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आने वाले समय में देश व प्रदेश का युवा एवं किसान समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा है।

ललितपुर। पत्रकार बंधुओं का सम्मान करते सपाई

वही बैठक में समाजवादी पार्टी के द्वारा बानपुर क्षेत्र के प्रमुख पत्रकार भाइयों का सम्मान किया गया जिसमें दैनिक जागरण से प्रांशु जैन दैनिक भास्कर व दैनिक जनप्रिय से आमिर खाँन मंसूरी दैनिक सत्ता सरकार से ललित नामदेव एवं पत्रकार मातादीन यादव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया वही कार्यक्रम में मुख्य रूप से जयपाल सिंह सूरी, अभिलाख यादव ,रामकिशन यादव नेताजी, रतन सिंह यादव चकौरा, खिलान सिंह यादव, हरिचरण नामदेव, बसंत लाल साहू,अशफाक खान, असलम खान बाबा उदया, वृंदावन, सोबरन सिंह ,जयराम साहू ,हरचरन,बिलाल खान मंसूरी, अंचल साहू, खेत सिंह, प्राण सिंह, तिलक सिंह बड़ोखरा सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया बैठक का संचालन अशोक साहू जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग ने किया ।

समाजबादी पार्टी की बैठक संपन्न, किया गया पत्रकारों का सम्मान

चौथे स्तंभ की भूमिका जनहित में महत्वपूर्ण-फेरनलाल
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

मड़ावरा समाजबादी पार्टी की बैठक का आयोजन विधानसभा अध्यक्ष अमर सिंह यादव की अध्यक्षता व पूर्व विधायक फेरनलाल अहिरवार के मुख्य आतिथ्य व समाजबादी व्यापार सभा के जिला महासचिव अभिषेक जैन(डिम्पल)के विशिष्ठ आतिथ्य में मड़ावरा में आहूत की गयी इस दौरान क्षेत्र में अपनी समसामयिक खबरों से शासन प्रशासन को अवगत कराने वाले पत्रकारों का स्वागत सम्मान किया गया बैठक का संचालन पुष्पेंद्र यादव शिक्षक द्वारा किया गया।

वैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्तिथ पूर्व विधायक फेरन लाल अहिरवार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाजबादी पार्टी हमेशा ही देश के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार बंधुओ का सम्मान करती है और हमारे नेता अखिलेश यादव जी के निर्देश पर हम मड़ावरा क्षेत्र के पत्रकार बन्धुओं का सम्मान कर रहे हैं पत्रकार बन्धुओं के माध्यम से ही क्षेत्रीय समस्याओं से शासन प्रशासन व आम नागरिक रूबरू हो पाते हैं उन्होंने कहा किसान आंदोलन पर बोलते हुए कहा कि हमारा फर्ज बनता है कि पहले हमारा देश सुरक्षित रहे हमारा किसान सुरक्षित रहे किसान का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा तो किसान के हित की बात करेगा,भाजपा केवल बड़े पूंजीपतियों की पार्टी बनके रह गयी है वह आम आदमी व किसानों के हित की बात भूलकर केवल अपने मन की बात मनमाने में लगी है एम एस पी पर किसान चाहते हैं कि कानून बने मूल्य का निर्धारण हो जब बाजार में हर वस्तु का मूल्य निर्धारण है तो किसान के माल की बोली क्यों उसका माल भी निर्धारित मूल्य पर खरीदा जाना चाहिए बैठक के अंत में समाजबादी पार्टी व्यापार सभा जिला महासचिव अभिषेक जैन(डिम्पल सिंघई) के सौजन्य से सभी को सहभोज कराया गया इस दौरान विधान सभा महासचिव कैलाश कुशवाहा,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष शेर सिंह तोमर,ब्लाक अध्यक्ष प्रकाश पाल,राजेश गन्धर्व,सुखसिंह यादव,करन पटेल,शीतल यादव,देवी यादव,राहुल यादव आदि पार्टी कार्यकर्ता व क्षेत्रीय पत्रकार बंधू उपस्तिथ रहे।

ललितपुर। पत्रकारों को सम्मानित करते समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी

कोरोना वैक्सीन की जानकारी लेने पहुंचे राज्यमंत्री

(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

ललितपुर। डब्ल्यू.एच.ओ.कार्यालय में पहुंचे राज्यमंत्री

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय स्थित डब्ल्यू. एच. ओ.कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने के एस.एम.ओ. डा.सुमित बघेल से कोरोना वैक्सीन को लेकर चल रहीं तैयारियां की जानकारी ली। इस दौरान हुयी चर्चा के दौरान राज्यमंत्री ने कोरोना वैक्सीन के विषय में पूछा कि किन व्यक्तियों को लगाई जाना है। कब से कब लगाई जाना है एवं यह वैक्सीन कितनी प्रभावी है, जिस पर राज्यमंत्री को बताया गया कि ललितपुर जनपद में कोवीशील्ड वैक्सीन लगाई जा रही है जो कि प्रथम चरण में हेल्थ केयर वर्करों को लगाई जा रही है। इसकी 28 दिन के अंतर पर दो डोज लगाई जाना है एवं यह वैक्सीन पूर्णतया सुरक्षित है एवं प्रभावी है। टीकाकरण के बाद भी हम सभी को 2 गज की दूरी हाथ धोने के नियम सहित तमाम सावधानियों का प्रयोग करना है। इस दौरान एस.आर.टी.एल. डा.मुनिन्दर शर्मा से भी राज्यमंत्री ने टीकाकरण को लेकर चर्चा की। तो वहीं सीएमओ डा.डी.के.गर्ग ने भी राज्यमंत्री को स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जानकारी दी।

कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा सुनने का बड़ा महत्व - डा. दीपक पस्तोर

श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से कटते हैं सारे पाप - कमलेशानंद महाराज
मोहल्ला सुभाषपुरा में राज्यमंत्री ने फीता काटकर किया श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ
(दैनिक भास्कर ब्यूरो)

ललितपुर। श्री नैना देवी मंदिर सुभाषपुरा में श्री मद्भागवत कथा के पावन अवसर के मौके पर विशाल कलश यात्रा निकाली गयी। जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलओं ने अपने सिर पर कलश रख कर नगर में भ्रमण किया। जहां भगवान श्री कृष्ण जी को रथ पर विराजमान किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शहर के मोहल्ला सुभाषपुरा स्थित नैना देवी मंदिर में आयोजित सप्त दिवसीय श्री मद् भागवत कथा के दौरान मुख्य यजमान पूर्व पार्षद गुड्डू नायक मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। कथा का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोहर लाल पंथ मन्नू कोरी ने फीता काटकर किया। वहीं कथा के पहले दिन कथा वाचक कमलेशानंद जी महाराज ने श्रद्वालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कलयुग में भगवान का नाम लेने का बहुत बड़ा महत्व है। कथा श्रवण करने से सारे पाप कट जाते हैं। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से सारे कष्ट भगवान स्वयं हर लेते हैं। पहले दिन पूरा पांडाल भक्तिमय रहा। भगवान के जयकारों से नगर गुंजायमान हुआ। वहीं डा. दीपक पस्तोर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना अमूल्य समय निकालकर धर्म कर्म में लगे रहना चाहिए। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से व्यक्ति के जन्म जंमान्तर के पाप कटते हैं। कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने का बहुत महत्व है। कथा के दौरान भगवान स्वयं वहां उपस्थित रहते हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्य यजमान पूर्व पार्षद गुड्डू नायक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर शिवांगी नायक, डिम्पल नायक, डॉली राजे बुन्देला, डा. दीपक पस्तोर, दिनेश पाण्डे गोल्डी, नीलेश राठौर, अमित चौबे, अमित पंथ, रामसेवक गुप्ता, शुभम् पस्तोर सहित अनेक बजरंग सेना के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

ललितपुर। कार्यक्रम के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि राज्यमंत्री व बजरंग सेना के पदाधिकारी

इन्टैक संस्था का स्थापना दिवस मनाया

बुन्देली लोक महोत्सव देश-विदेश में मशहूर : रामरतन कुशवाहा

ललितपुर। विरासत संरक्षण की दिशा में काम करने वाली विश्व की सबसे बड़ी संस्था इन्टैक के स्थापना दिवस के अवसर पर इन्टैक ललितपुर चैप्टर द्वारा आयोजित बुन्देली लोक महोत्सव का शुभारम्भ राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ एवं विधायक रामरतन कुशवाहा ने संयुक्त रुप से किया। महोत्सव में बुन्देलखण्ड के जाने माने कलाकारों ने राई, सैरा, चांचर, बधाई नृत्य, ढिमरयाई नृत्यों की मनोहर प्रस्तुति दी तथा देश के जाने-माने कॉमेडियन राजू राजेश शुक्ला, राकेश उपाध्याय, बृजेश तिवारी, सुदामा रायकवार एवं अर्चना राजपूत द्वारा बुन्देलखण्डी भाषा में प्रस्तुत की गयी। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और धरोहरों के बलबूते हमारा देश विश्वगुरू हुआ करता था और हमारी संस्कृति हमारा जीवन दर्शन हुआ करती थी। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि इन्टैक द्वारा बुन्देली लोक महोत्सव के आयोजन से न केवल स्थानीय कलाकारों को आगे आने हेतु मंच मिलता है, बल्कि इसके माध्यम से लोक कला, संस्कृति एवं विरासत बुन्देलखण्ड से बाहर के देश-विदेश के लोग भी परिचित होते हैं। इन्टैक संयोजक सन्तोष कुमार शर्मा ने कहा कि इन्टैक जनपद की प्राचीन धरोहरों एवं पर्यटन विकास के लिए सजगता से कार्य कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेंगे। समारोह में रनगांव की नचनारियों ने प्रभु गन्धर्व, रामदेवी के निर्देशन में राई व अन्य बुन्देली नृत्यों, छिल्ला के कलाकारों ने महेन्द्र सिंह राजपूत के निर्देशन में चांचर, सैरा, मोनिया नृत्य, ढिमरयाई नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं बुन्देलखण्ड के जाने माने कामेडियन राजू राजेश शुक्ला, एवं उनके साथियों राकेश उपाध्याय एवं रंगकर्मी ब्रजेश तिवारी की कामेडी ने लोगों का दिल जीत लिया। सुदामा रायकवार एवं अर्चना राजपूत की टीम ने भौजी की पंचायत एवं शानदार बुन्देली भाषा में रचा-बसा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। खराब मौसम भी लोगों के उत्साह में व्यवधान नहीं बन सका तथा मौजूद भारी जनसमूह ने कार्यक्रम का लुफ्त उठाते हुये कलाकारों का उत्साहवद्र्धन किया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष, वुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू, आशाराम तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, मनमोहन जडिय़ा, रमाकांत तिवारी, डा.दीपक चौबे, विनोद त्रिपाठी, फिरोज इकबाल, सोहनलाल विश्वकर्मा, रवि शंकर तिवारी, रमन शर्मा, सरदार मंजीत सिंह, अजय बरया, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, कन्हैया नामदेव, अनुराग चतुर्वेदी, पुष्पेन्द्र सिंह एड., रामसेवक गुप्ता, गोपीचंद डोडवानी, सोन प्रकाश चौबे, ब्रजकिशोर सिंह एड., विनीत चतुर्वेदी, सुनील चौबे, कुन्दन पाल, अशोक गोस्वामी, सौरभ गोस्वामी, केतन दुबे, रिजवान, मनोज वैद्य, राहुल चौबे, भगवान सिंह, रविन्द्र सेन बाबा, काशीराम केवट, राहुल जैन, रशीद खान आदि सैकडों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

निशा बनी एक दिन के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी नायिका

ललितपुर। प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति अभियान का संचालन किया जा रहा हैं। मिशन शक्ति के तहत, नायिका मेगा इवेन्ट बी.ए.तृतीय वर्ष नेहरू महाविद्यालय डिग्री कॉलेज की छात्रा निशा रजक द्वारा जिला प्रोबेषन अधिकारी के पद पर एक दिन के लिए कार्यभार संभाला गया। सांकेतिक अधिकारी निशा रजक द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली गयी तत्पश्चात समस्त योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी तथा कार्यालय में प्राप्त पत्रों पर संबन्धित पटल को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिया गया तथा समस्त योजनाओं के प्रचार-प्रसार में तेजी लाते हुए वंचित पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किये जाने का निर्देष दिया गया। इसके उपरान्त दूरदराज से आये हुये लाभार्थियों को निराश्रित महिला पेंशन एवं कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दी गयी। इस दौरान महिला कल्याण विभाग के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कारागार में हुआ लोक अदालत का आयोजन

ललितपुर। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहम्मद रियाज निर्देशानुसार प्रभारी सचिव डा.सुनील कुमार सिंह द्वारा जिला कारागार में जेल लोक अदालत् का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि कुमार गुप्त द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। जेल लोक अदालत में 09 वाद नियत किये गये थे जिसमें 05 वादों का निस्तारण कर निरूद्ध बन्दियों को लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान प्रभारी कारापाल सुरेश कुमार, उप कारापाल भोलानाथ अम्बेडकर, चिकित्साधिकारी डा.विजय कुमार द्विवेदी, फार्मासिस्ट कमलदीप, स्टेनो सीजेएम हितेश्वर चन्द्रा, गजनफर हुसैन जैदी, लिपिक सी.जे.एम., जयदेव लिपिक सी.जे.एम., राजीव पटेल, रोहित राठौर एवं संजीव दुबे आदि उपस्थित रहें।

फोटोग्राफर्स एसोशियेशन के जिला प्रभारी बने हरनारायण

ललितपुर। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की कोर कमेटी द्वारा झांसी मंडल प्रभारी अशोक अग्रवाल और जोन प्रभारी सौरभ मिश्र की संस्तुति और प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र सिंह बिष्ट के अनुमोदन एवं प्रदेश अध्यक्ष दिनेश वर्मा की सहमति से हरनारायण विश्वकर्मा को ललितपुर जिला का प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रदेश एसोसिएशन ने आह्वान किया है कि जिले के फोटोग्राफर्स की उन्नति के काम को सफलतापूर्वक करें।

प्रदेश के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद कराती है शोध

उरई जालौन। विकास एक सतत प्रक्रिया है। इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक ढंग से जब प्रौद्योगिकी का विकास किया जाता है, तब विभिन्न क्षेत्रों में विकास की गति तेज हो जाती है। उत्तर प्रदेश के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का निरन्तर समावेश आवश्यक है। कृषि, ऊर्जा, उद्यान, साइंस पार्क, एस्ट्रोनामी, उद्योग आदि विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिक सोच के साथ शोध कर नये-नये प्रौद्योगिकी इकाइयों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किये जा रहे है। प्रदेश सरकार के प्रशासनिक एवं वित्तीय नियन्त्रण में स्वायत्रशासी संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश कार्यरत है। परिषद का मुख्य उद्देश्य है कि प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास प्रोत्साहन एवं उसके उपयोग को बढ़ावा दिया जाय, जिससे प्रदेश में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो रही नवीन प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन के साथ निरन्तरता स्थापित किया जा सके। प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के चयनित क्षेत्रों में परिषद द्वारा शोध कार्य कराया जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक व सामाजिक विकास में उपयोगी शोध प्रायोजनाये प्रदेश स्थित विश्वविद्यालयो, चिकित्सा विश्वविद्यालयों, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयो तकनीकी संस्थानों के माध्यम से क्रियान्वित कराये जाने हेतु वित्त पोषित किया जाता है। शोध प्रयोजनाये सामान्यतः परिषद द्वारा 2 या 3 वर्ष हेतु स्वीकृत की जाती है।

प्रदेश में 200 स्वीकृत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शोध प्रयोजनाये अनुश्रवण व वित्त पोषित करते हुए युवा शोधार्थियो को अवसर प्रदान किया गया। शोध कार्य से प्राप्त परिणामों को सम्बन्धित विभागो को क्रियान्वयन हेतु प्रेषित किया जा रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को प्रदेश एवं देश के प्रतिष्ठित संस्थानो/विश्व-विद्यालयो में ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों/प्रोफेसर्स के साथ 2 माह की अवधि के लिए रिसर्च ट्रेनिंग हेतु अवसर उपलब्ध कराया जाता है जिसमें 25 हजार रूपये मासिक फेलोशिप प्रदान किया जाता है। इसके अन्तर्गत 77 छात्रों को 50 हजार रूपये प्रति छात्र देते हुए मानव संसाधन विकास/प्रतिभा प्रोत्साहन किया गया है। प्रदेश में प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण एवं राज्य की आवश्यकतानुसार विकास के लिए प्रौद्योगिकी प्रवर्तन के अन्तर्गत ऐसी परियोजनायें ली जाती है, जिनके कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी विकास उन्नयन व हस्तान्तरण निहित हो। इसके अन्तर्गत इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के विभिन्न विषयों, क्षेत्रो में व्यावहारिक एवं उपयोगी 14 शोध परियोजनाओं को परिषद द्वारा वित्तपोषित किया गया है। जिसमें सिविल, इलेक्ट्रीकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर, केमिकल, प्लास्टिक टेक्नालॉजी, आयल व पेन्ट, फूड आदि क्षेत्र के है। परिषद द्वारा अभियांत्रिकी विद्यार्थी परियोजना कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष 40 प्रोजेक्ट को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए 400 अभियांत्रिकी विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च तकनीकि के साथ आर्थिक रूप से लाभान्वित करते हुए रूपये 20 हजार की धनराशि प्रति प्रोजेक्ट उपलब्ध कराते हुए मानव संसाधन विकास/प्रतिभा प्रोत्साहन का अवसर प्रदान किया गया है। प्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विकास के विभिन्न आयामों को चिन्हित करते हुए शोध कराकर क्रियान्वयन हेतु सम्बन्धित विभागों को भिजवाती है जिससे सम्बन्धित क्षेत्र में प्रदेश का विकास हो, और प्रदेश आत्मनिर्भर बने।

औधौगिक मिशन के तहत कृषको को दी गयी संरक्षित खेती की विस्तृत जानकारी

उरई जालौन। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग जनपद जालौन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र रूरामल्लू जालौन में आयोजित जिला औधानिक मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2020-21 में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डॉ0 राजीव कुमार सिंह अध्यक्ष के0वी0के0 की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें उद्यान अधिकारी जालौन स्थान उरई के द्वारा जिला औधानिक मिशन योजनान्तर्गत नवीन उद्यान रोपण, पुष्प क्षेत्र विचार कार्यक्रम, सब्जी उत्पादन, मसाला उत्पादन कार्यक्रम, पोस्ट हार्वेस्ट कार्यक्रम एवं संरक्षित खेती के बारे में कृषकों विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी, इसके उपरान्त डॉ0 राजीव कुमार द्वारा कृषकों को ऊसर भूमि सुधार के विषय में विस्तार से चर्चा की।

डॉ0 अमित कनौजिया ने जनपद की जलवायु के अनुरूप कृषकों का अमरूद की विभिन्न प्रजाति के उद्यान रोपण की तकनीकी जानकारी प्रदान की। डॉ0 विस्टर जोशी वैज्ञनिक कृषि प्रसार के द्वारा कृषकों को एफ0पी0ओ0 गठित करने एवं आय को बढ़ाने के विषय में विस्तृत से चर्चा की गयी। कृषक रिशेन्द्र कुमार ग्राम बागी द्वारा अमरूद के उद्यानों के प्रबन्धन के विषय में चर्चा की जिसमें वैज्ञानिक केवी के के द्वारा उक्त कृषक की समस्या का निराकरण कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार, योजना प्रभारी श्रीमती रीता सिंह सहित अन्य प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

घटता लिंगानुपात सामाजिक चिंता का बिषय-राधेकृष्ण

कोंच। समर्पण जन कल्याण समिति कोंच, वात्सल्य लखनऊ, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला कल्याण विभाग उरई के संयुक्त तत्वाधान में मिशन शक्ति के अंतर्गत कन्या भ्रूण हत्या विषयक पीसीपीएनडीटी कार्यशाला का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडारी में आयोजित किया गया।

कार्यशाला में समर्पण जन कल्याण समिति के संयोजक राधेकृष्ण ने कहा लिंग भेदभाव एवं घटता शिशु लिंगानुपात एक सामाजिक समस्या है, इसके लिए सामुदायिक जागरूकता एवं सभी के सम्मिलित प्रयासों से लोगों की सोच में बदलाव संभव है। कहा कि 1000 लड़कों पर 881 बालिकाएं जनपद जालौन के लिए चिंता का विषय है। इसके लिए पीसीपीएनडीटी अधिनियम को लागू करवाने में आम लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका अनिवार्य है। महिला कल्याण अधिकारी अलक्मा अख्तर ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना की बिंदुवार विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, सुमंगला योजना का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करना, समलैंगिक अनुपात स्थापित करना, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को प्रोत्साहन देना है। योजना में दी जाने बाली धनराशि, पात्रता व शर्तों की भी जानकारी उन्होंने दी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिला कल्याण विभाग से संबंधित योजनाएं तथा दहेज से पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता, कानूनी सहायता व अन्य जानकारी दी।

कोंच। मिशन शक्ति के तहत पिंडारी में आयोजित कार्यक्रम

महिला कल्याण विभाग की नीतू सिंह यादव ने उपस्थित आंगनबाड़ी व आशा वर्कर बीएचडबल्यू के साथ जानकारी के आदान प्रदान की प्रक्रिया चलाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. कमलेश कुमार राजपूत ने सभी को पीसीपीएनडीटी के बारे व्यापक जानकारी देते हुए बताया, मुख्य रूप से यह अधिनियम चिकित्सा व्यवसायियों के लिए ही है। पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 के अंतर्गत दंड प्रावधान लिंग जांच करने पर 50000 रुपए तक जुर्माना तथा 3 से 5 वर्ष तक सजा व दोष सिद्ध होने पर केंद्र व चिकित्सक का पंजीकरण रद्द होगा। कार्यशाला मे 70 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। संस्था के अवधेश कुमार प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

घर मे सोये रहे परिजन,चोरों ने उड़ाई लाखो की नगदी गहने

आये दिन हो रही है चोरी, नही पकड़े जा रहे है चोर

घटना ग्राम मदनेपुर की है

कुठौंद जालौन। थाना कुठौंद के अंतर्गत आने वाले ग्राम मदनेपुर में दिनांक 27 जनवरी की रात को दो सगे भाईयो सन्तोष सिंह व गिरधारी सिंह पुत्र बब्बू सिंह के घरो मे चोरों ने देर रात ताला तोड़ बक्से मे रखे लाखो की नगदी ओर जेबर चोरी कर लिये ।

चोरो ने दोनो घरो का ताला तोड़ कर लाखो के जेबर ओर नगदी चुराकर कर एक दो ग्यारह हो गये। सुबह जेसे ही घर के सदस्यो की आख खुली तो देखा घर का सारा समान फैला पड़ा है बक्से के ताले टूटे पड़े है ओर पूरा कीमती समान व जेबर तथा पैसे चोरी हो चुके है ।चोरी की सूचना परिजनों के द्वारा थाने मे दी गयी सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जाँच की तथा परिवार को धीरज बधाया, कि परेशान होने की जरुरत नही है पुलिस अपनी पूरी कोशिस करेगी ओर जल्द से जल्द चोरो को पकड़ा जायेगा ओर उन पर कार्यवाही होगी।

बताते चले अभी कुछ महीने पहले ही गिरधारी ने कर्जे की बजह से फांसी लगाकर अपनी जान गवां दी थी,अभी उस मुसीवत से परिवार बाहर नही निकल पाया था। इस चोरी ने फिर पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया है।

जिस रात चोर चोरी कर रहे थे,उस रात संतोष सिंह ड्यूटी पर थे । सन्तोष के घर मे केबल सन्तोष की पत्नी थी । तथा गिरधारी के यहाँ गिरधारी के बूढ़े माँ बाप तथा गिरधारी के बच्चे थे । अत्यधिक सर्दी होने के बजह से परिजन रजाई मे अंदर गहरी नीद मे सोते रहे ओर

टीबी हारेगा-देश जीतेगा अभियान में खोजे 147 नये रोगी

उरई जालौन। टीबी हारेगा-देश जीतेगा अभियान के तहत सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान के तीनों चरण पूरे हो गए हैं। इस अभियान में कुल 147 नए टीबी रोगियों की पहचान हुई है। सभी रोगियों का निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण करने के बाद उनका उपचार भी शुरू कर दिया गया है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ सुग्रीव बाबू ने बताया टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान 26 दिसंबर से तीन चरणों में शुरु हुआ था। इसमें पहले चरण में 26 दिसंबर से एक जनवरी तक मदरसा, वृद्धाश्रम, शेल्टर होम, जिला कारागार आदि में अभियान चलाया गया था। इसमें 1152 लोगों की स्क्रीनिंग की गयी, जिसमें 48 संभावित क्षय रोगियों की जांच की गई। इसमें एक व्यक्ति क्षय रोगी पाया गया। जबकि दूसरे चरण में 2 जनवरी से 12 जनवरी तक चले अभियान में जिले की कुल 20 फीसदी आबादी की स्क्रीनिंग की गई। कुल 325788 लोगों की स्क्रीनिंग कर 1335 लोगों की बलगम व एक्सरे की जाँच कराई गई, इसमें 89 नए क्षय रोगी खोजे गए, जबकि तीसरा चरण 13 जनवरी से 25 जनवरी तक चला। इसमें प्राइवेट चिकित्सकों, मेडिकल स्टोरों के माध्यम से रोगी खोजने का काम किया गया। जिसमें स्क्रीनिंग के बाद 57 नए रोगी खोजे गए। तीनों चरणों में चले अभियान के बाद कुल 147 नए टीबी रोगियों की पहचान की गई है।

डॉ सुग्रीव बाबू ने बताया कि जो भी नए रोगी मिले है, उनका निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण कर दिया गया है। साथ ही उनका इलाज शुरू कर उनके खाते में प्रोत्साहन राशि के रुप में पांच सौ रुपये हर माह भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान सफल रहा है। टीमों ने सभी ब्लाकों के चिह्नित क्षेत्रों में जाकर क्षय रोगी खोजे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में इस समय 2484 मरीजों का इलाज चल रहा है। जिसमें 1682 का सरकारी अस्पतालों और 802 का प्राइवेट चिकित्सकों के माध्यम से इलाज हो रहा है। उन्होंने बताया कि टीबी को लेकर घबराएं नहीं, समय से इलाज कराए और टीबी से मुक्ति पाएं। टीबी हारेगा-देश जीतेगा अभियान सफल होगा।

एएसपी ने थाना चुर्खी का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

थाना प्रभारी से क्षेत्र में आगामी चुनावों को लेकर की समीक्षा

चुर्खी जलौन। अपर पुलिस अधीक्षक डा. अवधेश सिंह ने आज शुक्रवार को थाना चुर्खी का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। कार्यालय के अपराध रजिस्टर का अवलोकन कर रजिस्टर में दर्ज अपराधों की समीक्षा की। कोविड-19 केयर हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, महिला बंदी गृह, महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, महिला आरक्षी बैरक, मेस व परिसर को भी देखा। शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभारी निरीक्षक चुर्खी मनोज मिश्रा को निर्देशित किया। महिला पुलिसकर्मियों को मास्क व सैनिटाइजर का प्रयोग करते हुए ड्यूटी करने एवं कोरोना वायरस से बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र में स्थित बैंकों में पहुंचकर सीसीटीवी, सायरन व आस-पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों को चेक करें।

आपे चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोंच। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तीतरा खलीलपुर निवासी सुमित मिश्रा पुत्र बृजकिशोर ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसके चाचा शशिकांत 22 जनवरी को जालौन से गांव आ रहे थे तभी तीतरा के पास तेज रफ्तार आपे यूपी 93 एटी 3906 के अज्ञात चालक ने लापरवाही से चला कर जोरदार टक्कर मार दी जिससे शशिकांत को गंभीर चोटें आई और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने सुमित की तहरीर पर आईपीसी की धारा 279, 338, 427 में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सामाजिक दृष्टिकोण के बदलाव ने बेटियों को दिया नई सोच का सम्मान

उरई अब बेटियों के जन्म पर लोगों में दिखता बेटों से अधिक उत्साह

उरई(जालौन)। 21 वी सदी में यूं तो तमाम बदलाव सामाजिक स्तर पर देखने को मिल रहे हैं लेकिन स्त्री और पुरुष के संतुलन से निर्मित समाज में एक नई सोच और बदलाव ने भविष्य के लिए बेहतर संभावनाएं तैयार कर दी हैं यहां हम बात कर रहे हैं बेटियों के जन्म पर सामाजिक दृष्टिकोण के बदलाव की जो अब नई सोच और सम्मान को लेकर देखी जा रही है अब लोग बेटियों के जन्म पर बेटों के जन्म से कहीं अधिक उत्साहित नजर आते हैं जो कि सामाजिक तौर पर भविष्य को लेकर बेहतर समाज की एक खूबसूरत तस्वीर मैं रंग भरने जैसा उपक्रम दिखाई देने लगा है.

गौरतलब हो कि कुछ दशक पहले तक सामाजिक रूढ़ियों के तहत बेटियों को बेटों के सापेक्ष अधिक सम्मान हासिल नहीं हो पाता था फिर चाहे वह मध्यम वर्गीय समाज हो या फिर उच्च वर्ग बेटे और बेटियों में अंतर स्पष्ट रूप से दिखलाई देता था प्रायः लोग बेटे की चाह रखते थे अब यह दिगर बातें की उन्हें कभी-कभी अपनी एक मुराद के पूरे ना होने पर मलाल होने लग जाता था लेकिन देखा जा रहा है कि अब तस्वीर इसके ठीक विपरीत नजर आ रही है जब लोगों में सामाजिक स्तर पर बेटियों के जन्म को लेकर धारणा बदलने लगी है और लोग बेटियों के जन्म पर पूरे उत्साह और खुशी के साथ उनका स्वागत करते हैं आज यंग भारत ने स्थानीय एक नर्सिंग होम में जन्म लेने वाली कुछ बेटियों के अभिभावकों से बात की तो यह जानकर बेहद अच्छा लगा कि वह अपने घर में जन्मी बेटी को लेकर बेहद उत्साहित और आनंदित हैं ग्राम जगम्मनपुर से आए डॉ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि आज उनकी बेटी पूजा ने एक बेटी को जन्म दिया है वह और उनके परिवार के सभी लोग बिटिया के जन्म पर बेहद खुश हैं तो वही नगर के पत्रकार राजेश द्विवेदी ने बताया कि उनके पुत्र नितिन द्विवेदी को पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई है जोकि उनके परिवार के लिए बड़ी खुशी की बात है उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिए कि वह बेटियों को स्नेह और सम्मान के साथ उनका स्वागत करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं

वह हाल जिस तरह से बेटियों के जन्म को लेकर सामाजिक स्तर पर लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव देखने को मिल रहा है वह है निश्चित रूप से समाज के लिए एक बड़ा उपहार साबित होगा।

राज्य महिला आयोग की उपस्थिति में महिला जनसुनवाई/समीक्षा बैठक 3 फरवरी को

उरई जालौन। नगर मजिस्ट्रेट उरई प्रभारी अधिकारी ने अवगत कराते हुये कहा कि महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के जनपदों में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा/महिला जनसुनवाई का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत जनपद जालौन में दिनांक 03 फरवरी 2021 को पूर्वान्ह 11.00 बजे महिला जनसुनवाई/समीक्षा बैठक सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग डॉ. कंचन जायसवाल मो नं 9415505935 द्वारा की जानी नियत की गयी है तथा इसमें यह अपेक्षा की गयी है कि जनपद के प्रोबेशन अधिकारी को उल्लिखित कार्यक्रम में सदस्यों के साथ सहयोगार्थ उपस्थित रहने निरीक्षण गृह पर व्यवस्था कराने तथा नोडल अधिकारी का नाम व मोबाइल नम्बर आयोग को यथाशीघ्र अवगत करायें। जिससे उक्त समीक्षा/महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नामित किया जा सके इसी के साथ सभी से यह अपेक्षा की गयी कि दिनांक 03 फरवरी 2021 को पूर्वान्ह 11.00 बजे बैठक का आयोजन विकास भवन पर कराने हेतु स्थल को नियत कर उक्त महिला उत्पीड़न की घटनाओं समीक्षा/ महिला जनसुनवाई हेतु सभी संबंधित अधिकारियों महिला कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग व अन्य स्वयं सेवी संगठनों द्वारा बालिका एवं महिलाओं हेतु संस्थाये संचालित है की भी सुनवाई की जायेगी।

भीषण ठंड से कांपे आदमी और मवेशी

*** कोहरे की चादर में समाई कायनात, घरों में सिमटे लोगों के दैनंदिन कार्य हुए प्रभावित**

पुरुषोत्तमदास रिछारिया/ राहुल राठौर

कोंच। पिछले तीन दिन से लगातार गिर रहे पारे के कारण ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। हाड़कंपाऊ सर्दी के कारण लोग घरों के भीतर सिमट कर रह गए हैं और उनकी दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है। नौकरीपेशा लोगों और दुकानदारों को अपने कामों पर जाना हिमालय की चढाई जैसा दुर्गम लग रहा है। सरकारी और निजी तौर पर लगने बाले अलावों के गिर्द सिमटे लोगों के साथ ही मवेशी भी अपने को ठंड से बचाने की कोशिशें करते देखे जा रहे हैं। हर रोज आसमान पर छाने बाला कोहरा कोढ में खाज की स्थिति पैदा कर रहा है। कोहरे के कारण विजिविलिटी बमुश्किल चालीस से पचास मीटर रह गई है जिसके चलते वाहनों का आवागमन भी प्रभावित हुआ है।

पिछले तीन दिन से बैरोमीटर का पारा लगातार लुढक रहा है और न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। सूर्यास्त के बाद जैसे ही शाम घिरती है कोहरा डेरा डाल लेता है जिसके चलते ठंड और भी जोर पकड़ जाती है। ऐसी स्थिति में शरीर को गर्माए रखने का एक ही तरीका बचता है अलाव। नगर पालिका द्वारा शाम के वक्त कस्बे में दो दर्जन स्थानों पर लगवाए जा रहे अलाव इतने बड़े कस्बे के लिए नाकाफी है सो लोग निजी तौर पर

कोंच। कोहरे में समाईं रेल पटरियां, एक ही अलाव में अपने को गर्माते मनुष्य और मवेशी

अलावों की व्यवस्था कर किसी तरह सर्दी से लडने का प्रयास करते देखे जा रहे हैं। पिछले बर्षों तक तहसील प्रशासन भी अलावों की व्यवस्था कमोवेश दर्जन भर प्रमुख स्थानों और चौराहों पर करता रहा है लेकिन अबकी दफा उसने अपने हाथ खींचे हुए हैं जिससे लोगों की मुश्किलें बढी हुई हैं। शाम को छाने बाला कोहरा दूसरे दिन दोपहर बाद तक छाया रहता है जिससे लोग काफी परेशान रहते हैं। हर रोज सूरज दो से तीन घंटे तक ही अपनी ऊर्जा देकर लोगों को थोड़ी बहुत राहत पहुंचा पा रहा है। नागरिकों अशाह्वेक गुप्ता, पवन कुशवाहा, भागीरथ आदि ने पालिका और तहसील प्रशासन से अलाव बढवाने और सुबह के समय भी अलाव लगवाने की मांग की है।

कुछ करेंगे तभी तो पेट भरेंगे-समीर

फल के ठेले पर हाथ सेंकता फल विक्रेता

कोंच। कुछ दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। लोग किसी तरह अपने रोज के काम काज कर रहे हैं। आजाद नगर के निवासी समीर सब्जी और फल का हाथ ठेला लगा कर अपना व अपने परिवार का पेट भरता है। उसका कहना है कि कड़ाके की ठंठ में लोग अपने घरों से निकलने का मन नहीं कर पा रहे हैं लेकिन सुबह से शाम तक ठंड में भी फल सब्जी बेचना ही है क्योंकि अगर कुछ

क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

कोंच। दाता क्रिकेट क्लब द्वारा किष्किंधा के मैदान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सभासद विशाल गिरवासिया, रामानंद कुशवाहा, युवा समाजसेवी माधव यादव ने फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। अतिथियों ने न केवल क्रिकेट बल्कि अन्य परंपरागत खेलों को बढावा दिए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा, जीवन के अन्य कामों के अलावा खेल भी जरूरी हैं, इनसे स्वास्थ्य संबद्घन भी होता है और आत्मविश्वास भी बढता है। संचालन रोहित बरार ने किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्वागत नदीम एवं कलीम ने किया। कमेटी के सदस्य अंकित, साबिर पठान, साहिल पठान, आदिल खान, अरबाज पठान, प्रदीप प्रजापति, आदिल राईन, कादिर, मुन्ना, शहीद ठाकरे, अरबाज राईन, बापू राईन, नदीम, बाबा, रोहित नेता, छोटू आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट का फीता काट कर शुभारंभ कराते अतिथिगण

राम शोभायात्रा 31 को

कोंच। विहिप नगर अध्यक्ष साकेत शांडिल्य ने एक विज्ञप्ति में बताया है कि 31 जनवरी को दोपहर 12 बजे से प्रभु श्री राम की भव्य शोभायात्रा का आयोजन होने जा रहा है। शोभायात्रा एसआरपी इंटर कॉलेज परिसर से प्रारंभ होगी। उन्होंने शोभायात्रा में सभी राम भक्त नगरवासियों का आह्वांन किया है कि शोभायात्रा में शामिल होकर उसे सफल बनाएं। उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण के संदर्भ में जन जागरण अभियान के तहत शोभायात्रा निकाली जा रही है जिसमें भाजपा, विहिप, आरएसएस, बजरंग दल आदि तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से गुजरेगी और इसका समापन पहाड़गांव चुंगी के पास होगा।

हवन और विशाल भंडारे के साथ हुआ धार्मिक अनुष्ठानों का समापन

कोंच। ब्राह्मांण महासभा परिसर और भगवान परशुराम के सानिध्य में सप्ताह भर धार्मिक अनुष्ठानों शत्चंडी व श्रीमद् भागवत कथा के समापन के बाद विशाल हवन और भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्घालुओं ने प्रसाद छका।

नगर के विद्वान और कर्मकांडी ब्राह्मांणों द्वारा प्रति बर्ष व्यापक लोक कल्याणार्थ धार्मिक अनुष्ठान संपादित किए जाने की परंपरा को आगे बढाते हुए ब्राह्मांण महासभा के तत्वाधान में आयोजित अनुष्ठानों की श्रृंखला में क्षेत्र के दर्जनों ब्राह्मांणों द्वारा कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। पं. ज्वालाप्रसाद दीक्षित के प्रधान आचार्यत्व और पं. विनोद दुवे दरोगाजी के संयोजकत्व व पं. ब्रजकिशोर पिपरैया व पं. आनंद दुवे के सह संयोजकत्व में यह अनुष्ठान किए गए। अनुष्ठानों के अवसान के

कोंच। शतचंडी और भागवत के समापन पर हवन कराते ब्राह्मण

बाद विशाल हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्घालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान महासभा अध्यक्ष देवीदयाल रावत, महामंत्री अनुरुद्घ मिश्रा द्वारा सहयोग किया गया। सर्वाचरण वाजपेयी, पद्मनाभ मिश्रा, कमलेश पटैरया, संजय रावत, मुकेश तिवारी, अनुज मिश्रा, संदीप शांडिल्य, नवनीत मिश्रा, राहुल तिवारी, रूपेश शास्त्री, कन्हैया शास्त्री, लल्लूराम मिश्रा, गंगाचरण वाजपेयी, नवनीत मिश्रा, अनिल वैद, विनोद पांडे, विजय रावत, अखिलेश बबेले, प्रमोदकुमार शुक्ला, राघवेन्द्र तिवारी, राजेन्द्र भारद्वाज, राघवेन्द्र तिवारी, धर्मेन्द्र बबेले, सुशील दूरवार, पवन गौतम, शिवांग दुवे, अमरेन्द्र दुवे, दिनेश दुवे, रवि दीक्षित आदि मौजूद रहे।

मकान निर्माण के विवाद में एफआईआर

कोंच। कस्बे की गोखले नगर निवासी एक महिला ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पड़ोस के रहने बाले कुछ लोग उसके मकान के निर्माण में विवाद कर रहे थे, मना किया तो मारपीट कर दी।

ब्रजरानी पत्नी रामचरन ने कोतवाली पुलिस को बताया कि पड़ोस के रहने वाले घनाराम कुशवाहा पुत्र नन्दकिशोर, राजेश पुत्र रामप्रकाश, सुंदर पुत्र परमाई व बॉबी गुरुवार की सुबह घर के बाहर आ गए और मकान निर्माण को लेकर विवाद करने लगे मना किया तो ब्रजरानी व उसके ससुर की मारपीट करने लगे और तोडफ़ोड़ कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने ब्रजरानी की तहरीर पर चारों लोगों के खिलाफ भादंवि की धारा 323, 504, 427 में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीजे गाड़ी की टक्कर से मासूम घायल

कोंच। शुक्रवार की सुबह अपनी दादी के साथ पैदल जा रहे एक चार साल के मासूम को डीजे गाड़ी टक्कर मार कर मौके से भाग गई। गाड़ी के चालक ने यह भी जानने की कोशिश नहीं की कि जिस मासूम को उसने टक्कर मारी है उसकी हालत कैसी है। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां दो घंटे तक मासूम की हालत खराब रही। बाद में उसकी हालत में जब सुधार हुआ तो उसकी दादी उसे लेकर कोतवाली पहुंची और डीजे चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसके पोते को टक्कर मार कर घायल कर देने की शिकायत की। जानकारी के मुताबिक मामला रेलवे स्टेशन के पास साइडिंग मोड़ का है। शमीउन्निशा निवासी खागा फतेहपुर हाल निवास रेलवे स्टेशन जो काफी गरीब है और इधर उधर से खाने का जुगाड़ करके अपने परिवार का पेट भरती है। शुक्रवार की सुबह वह अपने चार बर्षीय पोते अलीस अहमद के साथ रेलवे स्टेशन से साइडिंग मोड़ की तरफ जा रही थी तभी वहां से गुजर रही तेज रफ्तार डीजे गाड़ी गुजरी और अलीस को टक्कर मारती हुई मौके से भाग गई। शमीउन्निशा ने डीजे संचालक मुकेश राठौर निवासी गांधीनगर के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

घायल पोते को गोद में लिए उसकी दादी

26 जनवरी 2021 को जो कुछ भी राजधानी दिल्ली में हुआ, उसने सिर्फ दिल्लीवासियों या देशवासियों भर को सॉक्ड नहीं किया बल्कि पूरी दुनिया इस घटना से सन्न रह गई है।

संपादकीय

आन्दोलन में बिखराव

गत 26 जनवरी को लालकिले में हुए उपद्रव के लिए कौन जिम्मेदार है। यह एक ऐसा सवाल है, जो अब अनुत्तरित नहीं रह गया है, आधिकारिक रूप से सरकार या संबंधित एजेंसियां इसका खुलासा करें या न करें, लेकिन सब जानते हैं कि किसानों को बदनाम करने के लिए यह खेल किसने और किसके कहने पर किया है। इस सवाल की तहकीकात तो पुलिस और खुफिया एजेंसियां अपने हिसाब से करेंगी ही, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल तो यह पैदा हो गया है कि अब किसान आन्दोलन किस राह पर चलेगा? अतीत के किसान और मजदूर आन्दोलनों का इतिहास तो यही कहता है कि जब - जब किसी आन्दोलन के दौरान इस तरह की अप्रिय घटनाएं हुई हैं तब - तब आन्दोलनों की न केवल धार कमजोर हुई है, बल्कि ऐसे अधिकाँश आन्दोलन अधबीच लड़खड़ाने के बाद सीधे पाँव खड़े नहीं रह सके। कुछ ऐसी ही नियति इस आन्दोलन की भी होती दिख रही है ... नवम्बर के अंतिम साप्ताह से लेकर दिसम्बर के अंतिम सप्ताह तक पूरे दो महीने किसानों का यह आन्दोलन शांतिपूर्वक चलता रहा, किसी तरह की कोई अप्रिय वारदात इस दौरान नहीं हुई, लेकिन जब किसान संगठनों के नेताओं की तरफ से थोड़ी सी भी चूक हुई, तो किसी न किसी तरह इस आन्दोलन को तोड़ देने की फिराक में लगे तत्वों ने यह साबित कर ही दिया कि किसानों का यह आन्दोलन भी अपवाद नहीं है और इस आन्दोलन में भी सेंध लगाईं जा सकती है। दरअसल, अराजक तत्वों ने आखिरकार वह काम करके भी दिखा दिया ... भटकाव के बाद आन्दोलनकारी किसान फिर से आन्दोलन के अपने - अपने ठिकानों पर आ भी गए हैं, लेकिन इनमें से कुछ संगठन आन्दोलन से बाहर भी हो गए हैं। किसान आन्दोलन अभी पूरी तरह टूटा न भी हो, एक दरार तो आन्दोलन में पड़ ही गई है। इस दरार को पूरी तरह से पाट पाना असंभव न सही, पर मुश्किल तो जरूर होगा। दो महीने के दौरान इस आन्दोलन ने जनता का जो विश्वास हासिल कर लिया था, वो लालकिले की शर्मनाक घटना से चाहे पूरी तरह खत्म न भी हुआ हो, लेकिन उस विश्वास को आघात तो अवश्य लगा है। उस आघात से वापस आने में समय तो लगेगा ही और समय के साथ किसानों के संघर्ष की धार भी कुंद हुई है। अब सब कुछ नए सिरे से करना होगा ...

किसान नेताओं को अब इस घटना से सबक लेकर सावधानी से आगे की कार्रवाई का संचालन करना होगा। इस बाबत इस घटना के साथ ही अतीत की कुछ ऐसी ही घटनाओं से भी सबक लेना होगा, जिनके चलते किसान आन्दोलन या तो अधबीच वापस लेने पड़ गए थे, अथवा आन्दोलनकारी संगठनों के बीच इतनी जबरदस्त दरार पड़ गई थी कि उसके बाद आन्दोलन खड़ा ही नहीं रह सका। उत्तर प्रदेश खास कर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ही ऐसे करीब एक दर्जन किसान आन्दोलन अधबीच दिशाहीन होकर बिना किसी नतीजे पर पहुंचे ही समाप्त भी हो गए। इस सम्बन्ध में विशेषकर 1987 के शामली के करमू खेडी आन्दोलन, इसके एक साल बाद 1988 में मेरठ कमिश्नरी के घेराव और उसी साल के रजबपुर गोलीकांड के बाद हुए जेल भरो आन्दोलन, इसी साल दिल्ली के वोट क्लब पर हुए किसान आन्दोलन। 1989 के अलीगढ़ खैर भूमि अधिग्रहण आन्दोलन। 1993 के चिनहट आन्दोलन और 2018 को किसान क्रान्ति यात्रा के रूप में हुए आन्दोलन की असफलताओं को उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। गौरतलब है कि ये सभी आन्दोलन भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले आयोजित किये गए थे और इन्हीं आन्दोलनों से निकल कर आने वाले नेताओं में नरेश टिकैत और राकेश टिकैत जैसे आज के किसान नेताओं के नाम भी शामिल हैं। 1987 - 88 के दौर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान आन्दोलनों की पूरी कमान चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के हाथों में हुआ करती थी। उनके बाद नरेश टिकैत और राकेश टिकैत जैसे किसान नेता आज के किसान आन्दोलनों के अगुआ के रूप में दिखाई देने लगे हैं। इस सम्बन्ध में एक गौर करने लायक तथ्य यह भी है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दो आन्दोलन ऐसे भी हुए हैं, जहां आन्दोलनकारियों को सफलता भी मिली। इनमें 1989 का एक आन्दोलन नइमा काण्ड के नाम से और दूसरा 2010 में अलीगढ़ में हुए टप्पल काण्ड के नाम से मशहूर है।

दरअसल, इन दोनों आन्दोलनों को आज भी सफलता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। गौरतलब है कि साल 1989 में मुजफ्फरनगर के सीकरी गाँव की युवती नइमा के गायब होने पर 2 अगस्त को भारतीय किसान यूनियन नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भोपा में किसान आन्दोलन किया गया था। महेंद्र सिंह टिकैत के प्रभाव के चलते देश के लब्ध - प्रतिष्ठित किसान नेता भोपा पहुँच गए और कई दिन तक ये सभी नेता वहीं डटे रहे। करीब 42 दिन चले इस आन्दोलन का असर यह हुआ कि उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सरकार के कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह ने 10 सितम्बर को किसानों के बीच धरना स्थल पर पहुँच कर उनकी मांगों को मानने की घोषणा भी की। इसका एक असर इस रूप में भी देखने को मिला था कि आन्दोलन के चलते जिन किसानों के ट्रैक्टर पुलिस ने गंग नाहर में डाल दिए थे उनको इसके बदले नए ट्रैक्टर देने की घोषणा भी सरकार ने की और किसानों के बकाया बिजली बिल भी सरकार ने माफ कर दिए थे ... इसी तरह 14 अगस्त 2010 की एक शाम अलीगढ़ के टप्पल काण्ड ने देश और प्रदेश की तत्कालीन सरकारों को हिला कर रख दिया था। नोएडा से आगरा तक बने एक्सप्रेस वे के लिए स्थानीय लोगों की जमीन का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन मुआवजे की उचित राशि का भुगतान किसानों को नहीं किया गया था। इसके विरोध में किसानों ने आन्दोलन किया था आन्दोलन उग्र हो गया था और तीन किसान और पीएसी के एक अधिकारी समेत चार लोग मारे भी गए थे। इस आन्दोलन का परिणाम यह निकला कि इस घटना के तीन साल बाद साल 2013 में संसद से पारित होकर नया भूमि अधिग्रहण कानून वजूद में आया, जिसमें किसी कृषि भूखंड का विकास कार्यों के लिए अधिग्रहण किये जाने पर सर्किल रेट से चार गुना अधिक मुआवजा देने का प्रावधान सुनिश्चित किया गया था। इतिहास की ये घटनाएं सबक लेने के लिए मजबूत आधार प्रदान करती हैं। इसी सन्दर्भ में यह जानकारी भी जरूरी कही जा सकती है कि किसान आन्दोलन से जुड़े किसान नेताओं के खिलाफ सरकार कानूनी कार्रवाई भी करती है। खुद किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के खिलाफ अलग - अलग मामलों में सरकार ने 40 मुकदमे दर्ज किये गए थे .. ये सिलसिला आज भी जारी है।

gpjournalist@gmail.com

लगाई आग फिर घी डाला

गणतंत्र दिवस / बवाल

मीडिया के एक पक्ष के दुष्प्रचार के बावजूद सच्चाई यही है कि तिरंगे को उतारकर केसरिया ध्वज नहीं फहराया गया, तिरंगे की शान उस समय भी बरकरार थी, जब लाल किले में यह दुस्साहस किया गया।

लोकमित्र

26 जनवरी 2021 को राजधानी में जो कुछ हुआ, उसे बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। जो शब्द हैं, वे पूरी तरह से कल की बगावती बेईमानी, बेवकूफी और संवेदनहीनता को व्यक्त नहीं कर सकते, क्योंकि 26 को जो कुछ हुआ, उसकी सौ नहीं, बल्कि दो सौ फीसदी पहले से ही आशंका थी। अफसोस इसी बात का है कि आशंकाओं के बावजूद हर जिम्मेदार पक्ष ने इसकी अनदेखी की। चाहे वह केंद्र सरकार हो, चाहे दिल्ली पुलिस हो और फिर चाहे किसान ही क्यों न हों। भला कौन नहीं जानता कि जब कोई आंदोलन आर पार के मूड में चल रहा हो और दोनों पक्षों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया हो, तो कुछ भी हो सकता है, क्योंकि अपनी प्रतिष्ठा के लिए दोनों ही पक्ष कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

राजधानी दिल्ली में जो कुछ हुआ, उस खौफनाक हादसे को जरा इन तीन तस्वीरों से समझिये। पहली तस्वीर है हमारी स्वतंत्रता और सम्प्रभुता के सबसे बड़े और संवदेनशील प्रतीक लाल किले पर केसरिया झंडे को फहराया जाना। हालांकि मीडिया के एक पक्ष के दुष्प्रचार के बावजूद सच्चाई यही है कि तिरंगे को उतारकर केसरिया ध्वज नहीं फहराया गया, तिरंगे की शान उस समय भी बरकरार थी, जब लाल किले में यह दुस्साहस किया गया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह घटना कम संवेदनशील हो जाती है। उस घटना की दूसरी हृदय विदारक तस्वीर है- राजधानी दिल्ली के आईटीओ चौराहे पर पड़ी 35 वर्षीय किसान नवनीत सिंह की लाश, राष्ट्रीय तिरंगे से ढकी हुई है और मृतक के हाथ इस तरह बांहें पसारे पड़े हैं मानो सो रहा शख्स अभी उठकर बैठ जायेगा। लेकिन सच्चाई यही है कि यह नौजवान किसान अब कभी नहीं उठेगा।

इसी क्रम की तीसरी तस्वीर वह है जिसमें एक फ्लाइओवर के नीचे धुआं ही धुआं, पथराव और हताशा का गुबार छाया हुआ है। इस गुबार में एक तरफ सैकड़ों, हजारों नहीं, लाखों की तादाद में किसान हैं, जिनके हाथों में झंडे भी हैं, डंडे भी हैं, तिरंगा भी है और केसरिया भी है। दूसरी तरफ पुलिस है, जिसके हाथ में भले हथियार हों, लेकिन उनकी आंखों में लाचारी है, बेबसी है। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा कि वे करें क्या? गोली चलाएं, तो किस पर? ये तीनों तस्वीरें बहुत कुछ कहती हैं। इन तीनों तस्वीरों से गहरे सियासी षडयंत्र की बू आती है। इन तस्वीरों से हमारी लाचारी, निराशा और 70 सालों के आजादी और लोकतंत्र के अनुभव से कुछ न सीखने की हकीकत सामने आती है। 26 जनवरी 2021 को जो कुछ भी राजधानी दिल्ली में हुआ, उसमें सिर्फ दिल्लीवासियों या देशवासियों भर को सॉक्ड नहीं किया। पूरी दुनिया कल की घटना से सन्न रह गई है। दोस्त देश ही नहीं, हमारे दुश्मन देशों की भी धड़कनें हैरानी से बेकाबू हो गई हैं कि ये क्या हुआ? लेकिन जिस तरह से ये सब कुछ हुआ, उसमें ऐसी हैरानी के लिए सच बताऊं, तो मुझे कोई जगह नहीं दिखती।

राजनेताओं को माना जाता है कि उन्हें सन्नाटे में भी मौजूद बेचैनी को सूंघना आता है। फिर राजधानी दिल्ली में तो ऐसा कोई सन्नाटा ही नहीं था। 60 दिनों से किसान अपनी मांगों को लेकर राजधानी की सरहद में बैठे हैं। वे गुस्से में हैं। सरकार जानती है कि वह किसी भी तरीके से उनके काबू में नहीं आ रहे। मतलब साफ है कि उनमें अपने संघर्ष के लिए पीछे न हटने की जिद है। पिछले दो महीने के इस संघर्ष में सरकार ने भी एक कदम पीछे नहीं किया। इसके बावजूद अगर सरकार ने यह मान लिया कि किसान आंदोलन कभी भी उग्र नहीं होगा, तो यह भी एक गुस्से को कम करके आंकने की ज्यादती है। लेकिन माना केंद्र सरकार किसानों की अनदेखी कर रही थी तो कम से कम कानून और व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी जिस पुलिस पर थी, उसको तो मैच्योरिटी दिखाना चाहिए था। आखिर पुलिस यह कैसे कह सकती थी कि किसानों को 10:30 या 11 बजे अपनी रैली के लिए निकलना था, मगर वो 9 बजे ही निकल पड़े? तो क्या पुलिस यह मानकर चल रही थी कि किसान रोबोट हैं जिन्हें जैसे फिक्स कर दिया जायेगा, वह वैसे ही हरकत करेंगे?

क्या पुलिस यह मानकर चल रही थी कि किसान रोबोट हैं, जिन्हें जैसे फिक्स कर दिया जायेगा, वह वैसे ही हरकत करेंगे?

क्या कोई भी आंदोलन इतना मशीनी हो सकता है कि आंदोलनकारी जो कुछ कहें, उसे कानून और व्यवस्था को बनाये रखने वाली एजेंसियां ज्यों का त्यों सच मान लें? अगर वाकई दिल्ली पुलिस ऐसा मान रही थी तो उसकी नासमझी पर तरस आना चाहिए। लेकिन यकीन मानिये यह नासमझी कम, किसी षडयंत्र का हिस्सा ज्यादा लगती है। इसे कुछ बातों से बड़े आसानी से समझा जा सकता है। लाल किले में जिस दीप संधू ने फ्लैग पोल पर चढ़कर केसरिया झंडा लगाया, वह दीप संधू न सिर्फ सत्तारूढ़ भाजपा का कार्यकर्ता है, बल्कि भाजपा के गुरुदासपुर पंजाब से सांसद सनी देओल का चुनावी एजेंट रहा है। यही नहीं भाजपा के दूसरे तमाम नेताओं से भी उसके साफ साफ रिश्ते सब कोई जानता है। लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने के समय तक यानी 24 घंटे गुजर जाने के बाद भी इस सिरफिरे पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा नहीं लगाया गया। क्या इससे ऐसा आभास नहीं होता कि जो कुछ हुआ, वह सब कुछ स्क्रिप्टेड था?

यह सब कुछ एक गहरी साजिश की तरफ ही इशारा करता है। लेकिन क्या इससे किसान अपनी जिम्मेदारी से बच सकते हैं? वह भी तब जब उन्हें पहले से इस बात की भनक थी कि ट्रैली रैली में ऐसा कुछ हो सकता है। अभी दो दिन पहले ही किसानों ने मीडिया के सामने एक ऐसे संदिग्ध युवक को पेश किया था, जो देसी, विदेशी मीडियाकर्मियों के सामने यह स्वीकार कर रहा था कि 26 जनवरी वाले दिन उन लोगों का किसानों को सकते में डाल देने का चाकचैबंद प्रोग्राम है। इस जानकारी के बावजूद किसानों ने अतिरिक्त सजगता क्यों नहीं बरती? किसका कितना रोल है, यह तो एक ईमानदार जांच या आने वाला वक्त बतायेगा, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि 26 जनवरी 2021 को जो आग लगी, वह धोखे से नहीं लगी थी, लगायी गई थी, साथ ही उसमें कुछ लोग घी भी डाल रहे थे।

(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

बजट / एक उम्मीद

कोई नया कर न लगायें प्लीज

विजय कपूर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष इस वर्ष बहुत बड़ी चुनौती है। सरकार के राजस्व में कमी है और खर्चा करने के वायदे बड़े बड़े हैं, जैसे नागरिकों के एक बड़े वर्ग को मुफ्त में कोविड-19 वैक्सीन उपलब्ध कराना। ऐसे में आमदनी व खर्च का खाता संतुलन बनाये रखने के लिए यह प्रलोभन स्वाभाविक है कि उच्चतम आयकर-स्लैब में अस्थायी कोविड-19 सेस जोड़ दिया जाये या वेल्थ टैक्स को फिर से लागू कर दिया जाये। इसलिए यह मूल्यांकन कर लेते हैं कि इन दोनों

राजस्व कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने तेल कर बढ़ा दिया है, जिससे आम आदमी निरंतर बढ़ रही महंगाई से भी जूझने लगा है।

व्यवस्थाओं का कर-जीडीपी अनुपात पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसे समझने के लिए थोड़ा इतिहास में जाना पड़ेगा। 1971 में व्यक्तिगत टैक्स सिस्टम में लगभग 12 टैक्स ब्रैकेट्स थे, जिनमें कर दर शून्य से 85 प्रतिशत तक था। सरचार्ज के बाद उच्चतम कर दर 93.5 प्रतिशत हो जाता था। जाहिर है कि इतना अधिक कर सीमित क्षेत्रों पर ही लगाया जा सकता था और इसको वसूल करना भी आसान नहीं था; क्योंकि कर अदा करने से बचने (या कर चोरी करने) के लिए लोग नये-नये रास्ते निकालने का प्रयास करते और ऐसा करने में सफल भी हो जाते। इसलिए बाद के वर्षों में सरकारों को एहसास हुआ कि मध्यम कर दर से करदाताओं की संख्या को बढ़ाया जा सकता है और अधिक लोग कर अदायगी नियमों का पालन करने लगेंगे, जिससे सरकार के पास अधिक राजस्व आने लगेगा।

यही वजह थी कि 1992-93 में कर दरों को बहुत अधिक सरलीकृत किया गया कि उच्चतम कर दर 40 प्रतिशत रह गई। फिर 1997-98 में ड्रीम बजट आया, जिसमें उच्चतम व्यक्तिगत आयकर दर 40 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दी गई और घरेलू फर्मों के लिए कॉर्पोरेट आयकर दर 40 प्रतिशत से 35 प्रतिशत कर दी गई। इस तरह व्यक्तिगत आयकर के लिए जो नई उच्चतम कर दर निर्धारित हुई वह आज तक जारी है, हालांकि अतिरिक्त सरचार्ज के कारण अब उच्चतम कर बोझ 42.74 प्रतिशत हो गया है, जोकि, जैसा कि ऊपर बताया गया, विकासशील देशों में सबसे ज्यादा है। यह सही है कि ड्रीम बजट का तुरंत प्रभाव यह हुआ था कि कर-जीडीपी अनुपात में जबरदस्त गिरावट आ गई थी, लेकिन बेहतर कर अदायगी व कर दाताओं की संख्या में इजाफे के कारण कर-जीडीपी अनुपात में निरंतर सुधार आता चला गया।

एक तार्किक और मध्यम कर दर व्यवस्था हासिल करने में हमें बहुत लम्बा समय लगा है। बेतुके व अधिक कर लगाकर उसे बर्बाद करना कोई अक्लमंदी नहीं होगी, इसलिए जरूरी है कि अब जो सिस्टम विकसित हुआ है उसे ही जारी रखा जाये और 2021 के बजट में नये कर लागू करके करदाताओं पर कोई अतिरिक्त बोझ न डाला जाये। साथ ही वेल्थ टैक्स, एस्टेट ड्यूटी आदि जो पहले इसलिए खत्म कर दिए गये थे, क्योंकि उनसे राजस्व कम आ रहा था और प्रशासनिक खर्च अधिक आ रहा था, उन्हें तो किसी भी स्थिति में पुनः लागू न किया जाये। संक्षेप में बात सिर्फ इतनी सी है कि सीतारमण को बजट 2021 में कोई नया कर नहीं लगाना चाहिए और न ही पुराने करों में कोई वृद्धि करनी चाहिए। आज हर देशवासी कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न संकट से उबरने का प्रयास कर रहा है, ऐसे में उसे सहारे की जरूरत है न कि नये कर के रूप में अतिरिक्त बोझ की।

अति चुनौतीपूर्ण आर्थिक वातावरण में इस साल सीतारमण अपना तीसरा बजट पेश करेंगी। स्थितियां अधिक चिंताजनक इस वजह से भी हो गई हैं, क्योंकि आर्थिक मंदी के साथ सीमा पर चीनी अतिक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे रक्षा उपकरण हासिल करने की आपात आवश्यकता है। राजस्व कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने तेल कर बढ़ा दिया है, जिससे आम आदमी निरंतर बढ़ रही महंगाई से भी जूझने लगा है। जहां तक सीधे कर की बात है तो 2019 के अंत से ही सरकार की कोशिश रही है कि भारत के कॉर्पोरेट टैक्स रेट को पूर्वी एशिया के स्तर तक लाया जाया। यह प्रयास जारी रहना चाहिए।

महामारी के कारण बुरी तरह से टूट चुके नागरिक यही उम्मीद करते हैं कि इस बार के बजट में कोई नया कर न लाया जाये।

लेकिन इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इस कठिन समय में स्टैंडर्ड कटौती को बढ़ाया जाये ताकि करदाताओं को कुछ राहत उपलब्ध हो सके। ऐसा करने से सरकार पर कोई खास नहीं बढ़ेगा, लेकिन लोगों पर कुछ बोझ अवश्य कम हो जायेगा।

(लेखक सम-सामयिक विषयों के विश्लेषक हैं)

विचारों और आदर्शों की हत्या

30 जनवरी विशेष / गांधी

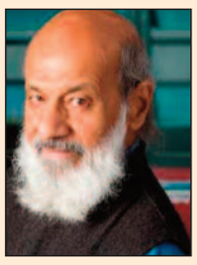

सुधीर चन्द्र

अमेरिका और हिंदुस्तान महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर के कार्यों एवं उनके विचारों के अध्ययन के लिए द्विपक्षीय कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं। अमेरिका और हिंदुस्तान संसार के दो विशालतम जनतंत्र हैं। दोनों ही देशों में अगर कुछ कारगर योजनाएँ चल निकलती हैं, तो जरूर ही न केवल अमेरीकियों और भारतीयों का, बल्कि सारे संसार का कुछ हित ही होगा।

पर होगा क्या? होगा भी कुछ? करेगा कौन? इस अमेरिकी योजना में सरकारों की भूमिका काफी निर्णायक होगी। मेरे लिए वह एक कारण काफी है योजना से कोई उम्मीद न करने का। गांधी की हत्या हुए 72 साल हो गए, और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या को 52। क्या यह सिर्फ इत्तेफाक था कि अहिंसा के दोनों ही पुजारियों का खात्मा हिंसक हुआ? इन 72 सालों में गांधी और 52 सालों में मार्टिन लूथर किंग जूनियर का नाम कितना भी लिया जाता रहा हो, लेकिन सच ये ही है कि हिंदुस्तान और अमेरिका समेत सारी दुनिया उनके सिद्धांतों से निरंतर दूर होती गई है। क्या यह भी इत्तेफाक है? वॉल स्ट्रीट पर लोगों का निकल पड़ना और सिरे से बेअसर रह जाना, ब्लैक लाइव्ज मैटर जैसे उफान के बाद भी व्यवस्था की निर्दयता का यथावत रहना, या 6 जनवरी की करतूत अमेरिकी जीवन के बहाव की जो दिशा बताते हैं उसमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिखायी तो देते हैं, पर खासे कमजोर। हिंदुस्तान की सच्चाई तो और भी निराशाजनक है। बस हम मानने को तैयार नहीं हैं कि हम गांधी से बहुत दूर आ गए हैं।

वैसा मान कर हम अपनी ही नजरों में गिर जाएँगे। हम गांधी को और गांधी के आदर्शों को अपनी नैतिक पूँजी के रूप में देखते हैं। एक ऐसी अनमोल और अनोखी पूँजी, जो समस्त विश्व में किसी और के पास नहीं है। हम गांधी के रहते ही उनको तज बैठे थे। इतना कि अपने आखिरी दिनों में अपार दुःख से गांधी कहने लगे थे कि हमारे देश में कुछ ऐसा हो गया है कि नाम लो राम का और काम करो राक्षस का। हमारे आचरण से गांधी अपने अंत समय में कितने दुखी हो गए थे, इससे हम मुँह चुराये रहते हैं। कर लिया सामना तो अपना सामना नहीं कर पाएँगे। गांधी अपनी जिंदगी के लगभग आखिर तक इच्छा करते रहे 125 साल तक जीते रह कर सेवा करने की, और मानते रहे कि वैसा ही होगा। लेकिन जब आजादी का आना निश्चित हो गया और उसके हासिल होने से पहले ही पूत के पाँव पालने में दिखायी पड़ने लगे, तो गांधी टूट गए। आजादी से चंद हफ्ते पहले ही वह 125 साल तक जीने की इच्छा खो बैठे। इच्छा करने लगे जल्द ऊपर उठा लिए जाने की। हमने कर दी उन की इच्छा पूरी। दोषी ठहराते रहते हैं नाथूराम को। अमेरिकी भी अपने को भुलावा दिए हुए हैं कि एक व्यक्ति-जेम्स अर्ल रे- ने हत्या की थी मार्टिन लूथर किंग जूनियर की। गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे इतिहास पुरुषों की हत्या किसी व्यक्ति की हत्या नहीं होती, और न ही उनका हत्यारा कोई एक व्यक्ति होता है।

गांधी की हत्या हुए 72 साल हो गए और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या को 52। क्या यह सिर्फ इत्तेफाक था कि अहिंसा के दोनों ही पुजारियों का खात्मा हिंसक हुआ?

उनकी हत्या होती है उनके विचारों और आदर्शों के ठुकराये जाने पर। किसी युग-पुरुष का होना उसके पार्थिव अस्तित्व से नहीं होता, उस के विचारों और आदर्शों में लोगों के विश्वास से, और उन विचारों और आदर्शों को व्यवहार में उतारे जाने से होता है। गोडसे की गोलियाँ चल सकें उससे पहले ही अगर गांधी ऊपर उठा लिए जाने की प्रार्थना करने लगे, तो उन का अंत तो 30 जनवरी से पहले ही हो चुका था। अंत के उन दिनों में गांधी बार-बार अपने दुखों की गाथा कहने लगे थे। गांधी बार-बार जिन दुखों का रोना रोते थे, उन में से कुछ थे ... स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अमल में लायी गई अहिंसा का परित्याग, देश का विभाजन और उस के फलःस्वरूप फूट पड़ी अमानवीय साम्प्रदायिक हिंसाय सत्ता पूरी तरह से हाथ में आयी भी नहीं और उस के दुरुपयोग का प्रारंभ, हिंद स्वराज के विकल्प को नकार कर उसी आधुनिक औद्योगिक प्रणाली के अनुसार चलने का फैसला जिस प्रणाली को गांधी ने शैतानी सभ्यता घोषित कर मानव के लिए आत्मघाती बताया था। उस समय गांधी का बोला सिर्फ एक वाक्य-एक प्रश्नवाचक वाक्य - बताता है कि क्या बीत रही थी उन पर ... आज हिंदुस्तान में कौन सी ऐसी चीज हो रही है जिस से मुझे खुशी हो सके? देश में बदबू आने लगी थी उन्हें, और देश के भविष्य की सोच कर काँपने लगे थे वह। कहा तो बहुत जा सकता है इस संदर्भ में। फिलहाल इतना ही कि जिन्हें जानना हो गांधी के त्रासद अंत के बारे में, और समझना हो कि उस त्रासदी का अर्थ क्या है, कि असल में त्रासदी तो वह हमारी है, उन्हें 2 अक्टूबर 1947 के गांधी के प्रार्थना-प्रवचन में से लिए गए इस उद्धरण पर ध्यान देना चाहिए ...

आज तो मेरी जन्मतिथि है। मेरे लिए तो आज यह मातम मनाने का दिन है। मैं आज तक जिंदा पड़ा हूँ, इस पर मुझको खुद आश्चर्य होता है, शर्म लगती है। मैं वही शख्स हूँ कि जिसकी जुबान से एक चीज निकलती थी कि ऐसा करो, तो करोड़ों उसको मानते थे। पर आज तो मेरी कोई सुनता ही नहीं है। मैं कहूँ कि तुम ऐसा करो, नहीं, ऐसा नहीं करेंगे ऐसा कहते हैं।... ऐसी हालत में हिंदुस्तान में मेरे लिए जगह कहाँ है और उस में जिंदा रह कर मैं क्या करूँगा? आज मेरे से 125 वर्ष की बात छूट गई है। 100 वर्ष की भी छूट गई है और 90 वर्ष की भी। आज मैं 79 वर्ष में तो पहुँच जाता हूँ, लेकिन वह भी मुझ को चुभता है।

और यह भी सोचना चाहिए कि क्यों हम भूले रहते हैं कि गांधी के जिंदा रहते आजाद हिंदुस्तान में यह उन का पहला और आखिरी जनमदिन था। ऐसा तो नहीं कि हम इस तथ्य का सामना ही नहीं करना चाहते कि गांधी जिस बलशाली विदेशी हुकूमत के खिलाफ लड़ते रहे उस ने उन्हें 32 साल तक सुरक्षित रखा, किंतु आजाद हिंदुस्तान उन्हें सिर्फ 169 दिन जीवित रख सका?

(प्रो. सुधीर चंद्र प्रसिद्ध इतिहासकार एवं गांधी: एक असंभव संभावना नामक चर्चित पुस्तक के लेखक हैं।)

आज ही के दिन 1649 में इंग्लैंड के सम्राट 'चार्ल्स प्रथम' का सिर कलम किया गया था।

सारसुर्खियां

इस्लामिक स्टेट का कमांडर ढेर किया

बगदाद। इराकी सुरक्षाबलों ने एक अभियान में इस्लामिक स्टेट के कमांडर अबू यासीर अल-इथावी को मार गिराया है। इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काधिमी ने गुरुवार को बताया कि हमने आईएस के आतंकवादी गुटों को कड़ी चेतावनी देते हुए उनके खिलाफ एक विशेष सैन्य अभियान चलाया। सुरक्षाबलों ने उनके एक कमांडर का सफाया कर दिया है। यह कमांडर अबू यासीर अल-इथावी था, जोकि स्वयं को इराक में इस्लामिक स्टेट का नेता कहता था।

लानोयोव का निधन

मॉस्को। पूर्व सोवियत संघ एवं रूस के प्रसिद्ध अभिनेता वैसिली लानोयोव का निधन हो गया है। वह 87 वर्ष के थे और कोरोना से संक्रमित हुए थे। संक्रमित पाए जाने के बाद दिग्गज अभिनेता को पत्नी इरिना कुपचेंको के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इरिना कुपचेंको भी एक दिग्गज कलाकार हैं। मेयर सोबयानिन ने कहा कि उनका साहसी जज्बा, विनम्र स्वभाव और उदार चरित्र लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

फिसला विमान

टोक्यो। जापान के उत्तरी द्वीप के होक्काइडो में न्यू चिटोज हवाई अड्डे पर जापान एयरलाइंस का विमान उतरने के बाद रनवे पर फिसल गया। उत्तर-पूर्व में सेंडाई हवाई अड्डे से विमान ने उड़ान भरी। विमान में सवार 32 यात्रियों और विमान चालक दल के सदस्यों में से किसी को चोट नहीं पहुंची। यह दुर्घटना भारी हिमपात और कम दृश्यता के कारण हुई। हादसे की जांच की जा रही है।

संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिये जाते राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य सांसद। एजेंसी

तालिबान ने नहीं किया समझौतों का सम्मान

● अफगानिस्तान से अभी नहीं हटाए जाएंगे अमेरिका के सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका मई तक अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को नहीं हटाएगा क्योंकि तालिबान अमेरिका के साथ हुए समझौते में की गई प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने में विफल रहा है।

तालिबान ने पिछले साल दोहा में अमेरिका के साथ किये गये समझौते में हिंसा कम करने और आतंकवादी संगठनों के साथ ताल्लुक खत्म करने सहित कई प्रतिबद्धताएं जताई थीं।

पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने गुरुवार को अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि तालिबान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया है। जब तक वह आतंकवाद का साथ छोड़ने और अफगानिस्तानी राष्ट्रीय सुरक्षा बलों पर हिंसक हमले बंद करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी नहीं करता, तब तक समझौता वार्ता के लिए कोई राह निकलना बहुत कठिन है।

अमेरिका मई 2021 तक अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों की वापसी पर सहमत हो गया था। अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के पद छोड़ने के कुछ दिन पहले ही 2,500 पर आ गई थी। किर्बी ने पुष्टि की कि अमेरिका, तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के बीच समझौते की दिशा में काम करना जारी रखेगा। तालिबान को समझौतों का पालन करना होगा।

रिपब्लिक उम्मीदवारों का प्रचार करेंगे ट्रंप

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट के लिए नवंबर 2022 में होने वाले मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने को लेकर प्रतिबद्धता व्यक्त की है। प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के नेता केविन मैकार्थी ने कहा कि हमें अपने देश के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के कट्टरपंथी एजेंडे को रोकना होगा। हाल में हुए कई सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि नवंबर 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बावजूद रिपब्लिकन पार्टी को लोगों का भारी समर्थन है। ट्रंप प्रशासन ने अपने कार्यकाल के दौरान सभी अमेरिकी नागरिकों के लिए ऐतिहासिक काम किया है।

गुटेरेस ने भी लगवाई कोरोना वैक्सीन

दुनिया के देश मिलकर सुनिश्चित करें कि विश्व के प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध हो वैक्सीन

● वैक्सीन लगवाकर खुद को बताया भाग्यशाली

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लगवा ली है।

गुटेरेस ने गुरुवार देर रात ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि आज कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लेने के बाद मैं बेहद भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं और इसके लिए सभी का आभार प्रकट करता हूं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध हो। महामारी के इस दौर में हम में से कोई सुरक्षित नहीं है जब तक कि सभी सुरक्षित नहीं हो जाते।

अफ्रीका में रह सकती है दूसरी लहर: नैरोबी। डब्ल्यूएचओ के एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक अफ्रीका महाद्वीप में कोरोना महामारी की दूसरी लहर लंबे समय तक रह सकती है। इसके कारण अफ्रीकी देशों का पहले से कमजोर जन स्वास्थ्य ढांचा पूरी तरह चरमरा सकता है। कोरोना का नया स्ट्रेन बेहद संक्रामक हैं, जिसके कारण कोविड-19 महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के प्रयास विफल हो सकते हैं।

बोलिविया में भी शुरू हुआ टीकाकरण

ला पाज बोलिविया। बोलिविया के राष्ट्रपति लुईस अर्से ने कहा है कि देश को रूस की कोरोना वायरस वैक्सीन स्पूतनिक वी की पहला खेप प्राप्त हो चुकी है तथा टीकाकरण अभियान शुक्रवार से शुरू किया जाएगा। ब्यूनस आयर्स से वैक्सीन को लेकर गुरुवार देर रात विमान के ला पाज के ईएल अल्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचने पर श्री अर्से स्वागत के लिए खुद वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हम नौ विभागों में शुक्रवार से टीकाकरण शुरू करने जा रहे हैं। निश्चित रूप से इसे एक-एक कदम आगे बढ़ाया जाएगा, जो कोल्ड चेन के साथ प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि बोलिविया ने दिसंबर के आखिर में रूस के साथ वैक्सीन की 52 लाख खुराक की आपूर्ति को लेकर समझौता किया था। वहीं बोलिविया ने छह जनवरी को वैक्सीन की आपातकालीन उपयोग की मंजूरी प्रदान की थी।

यूरोपीय संघ रोक सकता है वैक्सीन निर्यात

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ अपने सदस्य देशों में फाइजर की कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने के लिए इसका ब्रिटेन को किए जाने वाले निर्यात को रोक सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यूरोपीय संघ अपने सदस्य देशों के निवासियों के लिए तत्काल एहतियाती कदम के तौर पर वैक्सीन के प्रभावशाली उत्पादन तथा आपूर्ति को लेकर अध्ययन कर रहा है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने यूरोपीय संघ के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के हवाले से दी है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 10.41 करोड़

● अबतक 5.60 करोड़ से ज्यादा लोग स्वस्थ्य हुए

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना से दुनियाभर में अभी तक 10.14 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं इसे 5.60 करोड़ से ज्यादा मात दे चुके है, जबकि 21.88 लाख से अधिक मरीजों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के अनुसार कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.57 करोड़ के पार हो गयी है, जबकि करीब 4.33 लाख मरीजों की मौत हुई है। भारत में संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ सात लाख 20 हजार से अधिक और मृतकों की संख्या 1,54,010 तक पहुंच गई है।

ब्राजील में संक्रमित होने वालों की संख्या 90.58 लाख से ज्यादा हो गई और करीब 2.21 लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में रूस से आगे निकल गया है और यह संक्रमितों की संख्या 37.54 लाख के पार पहुंच गई है और एक लाख तीन हजार 324 लोगों की मौत हुई है। रूस में संक्रमितों की संख्या 37.52 लाख से अधिक और 70,533 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में 31.66 लाख से अधिक प्रभावित हैं और 74,601 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्पेन में महामारी से 27.05 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 57,806 लोगों की मौत हुई है। इटली में अब तक 25.15 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 87,381 लोगों की मौत हो चुकी है।

मनमानी दरों पर पीएनजी गैस की सप्लाई

● नियामक आयोग के गठन की उठी मांग

गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मिनी मैनचेस्टर के नाम से विख्यात गाजियाबाद औद्योगिक नगरी के फोर्जिंग उद्यमी पीएनजी गैस के दाम में असमानता से बेहद परेशान हैं। देश के अन्य शहरों की अपेक्षा गाजियाबाद में पीएनजी गैस की कीमतों में असमानता होने के कारण उनके उत्पाद की लागत ज्यादा आ रही है, जिस कारण अब वे अपना उत्पाद न केवल देश बल्कि विदेश में भी निर्यात करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं।

पीएनजी गैस के दामों में असमानता से परेशान ऑल इंडिया मेटल फोर्जिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिजेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष आदित्य डंग ने फोर्जिंग सेक्टर से जुडी पीएनजी सप्लाई के रेटो को लेकर केंद्रीय वित्तमंत्री को ज्ञापन भेज पीएनजी गैस को जीएसटी के दायरे में लाने और नियामक आयोग का गठन करने की मांग की है।

दोनों उद्यमियो ने बताया कि गाजियाबाद में फोर्जिंग इंडस्ट्री की संख्या देश के अन्य राज्यो के मुकाबले सबसे ज्यादा है। यहां फोर्जिंग की कुल 45 इंडस्ट्री हैं। ज्यादातर इंडस्ट्री पीएनजी गैस का ईंधन के रूप में इस्तेमाल करती हैं। आरोप लगाया कि आईजीएल कंपनी द्वारा गाजियाबाद में पीएनजी की सप्लाई के मूल्य में अन्य राज्यों के जिले की अपेक्षा ज्यादा वसूल रही है।

अवैध हिरासत पर चौकी प्रभारी और सिपाहियों पर गाज

सहारनपुर। देहात कोतवाली की रामनगर चौकी के प्रभारी परवेज, सिपाही प्रवीण राणा और संदीप को एसएसपी डॉ. एस चनप्पा ने तत्काल प्रभाव से मुअत्तल कर दिया।

आरोप था कि उन्होंने क्षेत्र के दो युवकों को अवैध हिरासत में रखा और झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देकर परिजनों से अवैध वसूली करने का प्रयास किया।

राकेश टिकैट का रोना 'गेम चेंजर' साबित

● गाजीपुर बॉर्डर से पुलिस व प्रशासन ने खींचे कदम

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के नेता और गाजीपुर बॉर्डर पर आंदोलन की अगुवाई कर रहे राकेश टिकैत के आंसू काम कर गए, उनकी अपील के बाद किसानों का हुजूम गाजीपुर पर एक बार फिर जमा हो गया। स्थिति को भाप कर जिला प्रशासन ने पुलिस की संख्या को नियंत्रित कर दिया।

जिला प्रशासन गुरुवार शाम को किसानों को सीमा क्षेत्र खाली करने के लिए नोटिस दिया था, इसके बाद राकेश टिकैत मीडिया के सामने रो पड़े। उसके आंसू ने सारी बाजी पलट दी। टिकैट के आंसू के बाद किसान यूनियन ने आंदोलन समाप्ति की सहमति को वापस लेकर इसे जारी रखने की घोषणा कर दी, रातों रात पश्चिमी उत्तर प्रदेश कई के कई जनपदों से ट्रैक्टरों पर सवार होकर किसान नेता गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंच गए। सुबह होते होते हजारों की संख्या में ट्रैक्टरों का रेला गाजीपुर पर जमा हो गया। आंदोलन स्थल पर मौजूद उन लोगों का कहना है कि उनके नेता के आंसू जाया नहीं जाएंगे। गाजीपुर बॉर्डर पर देर रात पहुंचे किसानों का हुजूम खुले आसमान के नीचे सोने पर विवश रहा। यहां तक की कई किसान नेता मंच के सामने ही बिस्तर लगा कर लेटे हुए नजर आए। अधिकारी अभी कुछ बताने को तैयार नहीं है, उनका कहना है की वह स्थिति का जायजा लेकर सरकार को सूचित करेंगे।

वीरभद्र का चुनाव न लड़ने से यू टर्न

शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल प्रदेश के छह बार के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने राज्य विधानसभा का अगला चुनाव न लड़ने और सक्रिय राजनीति से सन्यास लेने के ऐलान के बाद यू टर्न ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा है कि उन्होंने तो मजाकिय लहजे में चुनाव न लड़ने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि उनका चुनाव लड़ना या न लड़ना भविष्य के गर्भ में है।

प्रभास संग फिल्म बनाएंगे सिद्धार्थ

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक सिद्धार्थ आनंद दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास को लेकर फिल्म बनाना चाहते हैं।

सिद्धार्थ आनंद ने ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर', 'बैंग बैंग' जैसी एक्शन थ्रिलर फिल्में बनाई हैं। सिद्धार्थ आनंद अब प्रभास के साथ भी एक्शन थ्रिलर फिल्म बनाना चाहते हैं।इस फिल्म को लेकर वह हैदराबाद जाकर प्रभास से मुलाकात भी कर चुके हैं। जब उन्होंने अपनी फिल्म को लेकर प्रभास से बातचीत की तो प्रभास को सिद्धार्थ के विचार पसंद आए। साथ ही उन्होंने सिद्धार्थ से पटकथा को अंतिम रूप देने के बाद एक मुलाकात करने की बात कही।

सिद्धार्थ इन दिनों शाहरुख खान के साथ फिल्म 'पठान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की भी मुख्य भूमिका है। फिल्म 'पठान' को खत्म करने के बाद सिद्धार्थ के पास एक और घोषित फिल्म 'फाइटर' मौजूद है जिसकी तैयारी वह इस साल सितंबर के आसपास से शुरू करेंगे। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की जोड़ी होगी। इस फिल्म की शूटिंग सिद्धार्थ दिसंबर के आसपास से शुरू कर देंगे।

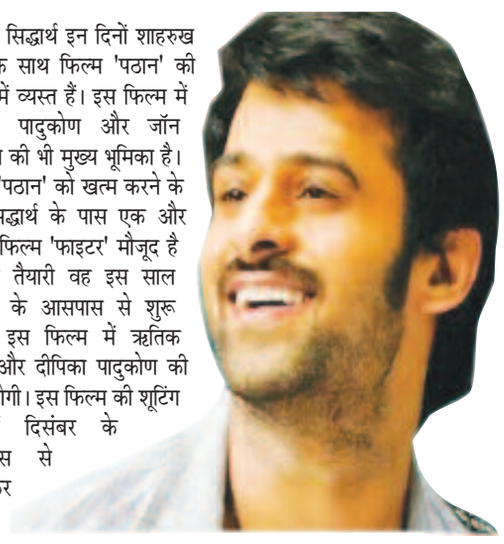

तृतीय जल पुरस्कार को लेकर तेज हुई तैयारियां

● दस फरवरी तक किया जा सकता है आवेदन

गोरखपुर। जल संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से तृतीय राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके लिए 10 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि इस पुरस्कार के अंतर्गत सर्वोत्तम जिला, सर्वोत्तम ग्राम पंचायत, सर्वोत्तम स्थानीय निकाय, सर्वोत्तम स्कूल, सर्वोत्तम मीडिया, औद्योगिक इकाईयों, एनजीओ, धार्मिक संस्थाएं/निवास कल्याण संघ, तथा जल संरक्षण में योगदान करने वाले आम लोगों की श्रेणी में यह पुरस्कार दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए लघु सिंचाई विभाग के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।इसके लिए आवेदन जरूरी है। आवेदन के लिए भी तिथि निर्धारित कर दी गई है। 10 फरवरी के बाद किए गए आवेदनों पर किसी तरह का कोई विचार नहीं जाएगा।

पटना में विधान परिषद के सदस्य की शपथ लेने के बाद भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन को बधाई देते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व मुकेश साहनी। एजेंसी

मयंक और मनोज का जनता दरबार में धमाल

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा जगत के दबंग प्रोड्यूसर ने पवन सिंह को लेकर सरकार राज, वांटेड, जैसे सुपर डुपर हिट फिल्में दीं। वहीं, जसवंत कुमार अपने एक नई योजना के साथ आप सभी के बीच आने वाले हैं। फिल्म का नाम है 'जनता दरबार'। इसका पोस्टर लांच कर दिया गया है।

फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में एक्शन किंग स्टार मनोज आर पांडे का बहुत ही जबरदस्त किरदार नजर आने वाला है और साथ मे युवा अभिनेता मयंक दुबे एक अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। जसवंत की काफी फिल्में बैक टू बैक शूट होनी हैं, जसवंत ने बताया कि जनता दरबार एक्शन तथा राष्ट्र प्रेम से भरपूर है साथ ही इस फिल्म में तीन हीरो के रोमांस देखने को मिलेग। मनोज पांडे, मयंक दुबे, संग्राम सिंह का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।

बॉलीवुड हलचल

सर्कस के लिये रणवीर ने लिये 50 करोड़ रुपये

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म सर्कस के लिये 50 करोड़ की फीस ली है।

रोहित शेट्टी ने रणवीर सिंह को लेकर सुपरहिट फिल्म सिंबा बनायी थी। रोहित अब रणवीर को लेकर फिल्म सर्कस बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि रोहित शेट्टी की यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के प्ले 'द कॉमेडी ऑफ एरर्स' पर आधारित होगी। कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। रणवीर सिंह की 'सर्कस' की शूटिंग लगभग 75 दिनों तक चलने वाली है।

कांग्रेस पार्टी समेत अन्य दलों ने किया संसद में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण का बहिष्कार

राष्ट्रपति के अभिभाषण में कांग्रेस सांसद का हंगामा

● तीनों कृषि कानून को वापस लेने की मांग

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के बहिष्कार के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संसद के केंद्रीय कक्ष में संयुक्त सदन को संबोधित करने के दौरान शुक्रवार को कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रवनीत सिंह बिट्टू ने हंगामा किया और कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लेने की मांग की।

केंद्रीय कक्ष में विपक्षी दलों के अभिभाषण के बहिष्कार के कारण बड़ी संख्या में सीटें खाली रहीं। केंद्रीय कक्ष के पीछे की एक सीट पर बैठे बिट्टू काफी देर तक अभिभाषण सुनते रहे, लेकिन जैसे ही किसानों का मुद्दा आया और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि को लेकर सरकार की उपलब्धियों को गिनाना शुरू किया तो बिट्टू सीट से उठकर 'जय जवान जय किसान' का नारा लगाने लगे। साथ ही कोविंद से आग्रह किया कि किसानों की हालत बहुत खराब है। कृषि संबंधी तीनों कानून किसान विरोधी हैं और उन्हें वापस लिया जाना चाहिए। बिट्टू के अवरोध के बावजूद राष्ट्रपति का अभिभाषण चलता रहा और सदन में बैठे ज्यादातर सदस्यों ने हंगामा कर रहे सदस्य की तरफ देखा तक नहीं। इसी बीच कई सुरक्षा कर्मी उनके नजदीक आ गए लेकिन बिट्टू जय जवान जय किसान का नारा लगाते हुए खुद ही सदन से बाहर चले गए।

इससे पहले केंद्रीय कक्ष के बाहर से भी नारे लगाने की आवाज आई तो सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत गेट को बंद कर दिया, जिसके कारण अंदर यह नहीं सुनाई दिया कि नारे क्या लगाए जा रहे हैं। नारेबाजी काफी देर तक चली, लेकिन उसके कारण अभिभाषण बाधित नहीं हुआ।

किसानों के लिए निराशाजनकः मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण को किसान एवं मजदूरों के लिये निराशाजनक करार देते हुए कहा कि संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति का अभिभाषण खासकर किसानों व गरीबों आदि के लिए घोर निराशाजनक। कृषि के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने वाला किसान तीन कृषि कानूनों की वापसी को लेकर काफी आन्दोलित है व सरकारी प्रताड़ना झेल रहा है जिसपर सरकारी चुप्पी दुःखद। बीएसपी ने केन्द्र सरकार द्वारा काफी अपरिपक्व तरीके से लाए गए नए कृषि कानूनों का संसद में व संसद के बाहर हमेशा विरोध किया है। देश के गरीबों, दलितों व पिछड़ों आदि की तरह किसानों के शोषण व अन्याय के विरूद्ध व इनके हक के लिए भी बीएसपी हमेशा आवाज उठाती रहेगी।

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और
नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
-सत्यसाई बाबा

डीजीपी के आदेश की उड़ाई गई धज्जियां?

कार्यकाल पूर्ण नहीं, फिर भी कुछ सिपाहियों के जबरन तबादले
आखिर 2011 बैंक के सिपाहियों को क्यों चुना, खाकी में आक्रोश

झाँसी। झाँसी पुलिस ने पुलिस महानिदेशक के आदेश की खुलेआम धज्जियां उड़ाकर रख दी है। आदेश के बावजूद जिन सिपाहियों को एक ही जिले में समय पूरा नहीं हुआ तो उनको भी जबरन स्थानांतरित कर दिया गया। इसको लेकर खाकी व उनके परिजनों में काफी आक्रोश व्याप्त है। इस मामले में खाकी के परिजनों ने हाईकोर्ट की शरण ली है।

प्रदेश के जिलों में मुख्य आरक्षी और आरक्षी की संख्या में रिक्तियां चल रही है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक ने समस्त पुलिस महानिरीक्षक/डीआईजी को निर्देश दिए हैं कि जिस जनपद में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। उसी जिले से संबंधित जिलों को मुख्य आरक्षी /आरक्षी स्थानांतरित किए जाए। इन निर्देशों का पालन शुरु हो गया था। बताते हैं कि निर्देशों में कहा कि अधीनस्थ नियुक्त इच्छुक मुख्य आरक्षी, आरक्षी सीमावर्ती जनपद न हो, संबंधित जिले का कार्यकाल पूर्ण न हुआ हो एवं उनका प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण न हुआ हो, ऐसे स्वेच्छा से संबंधित जिले में स्थानांतरण चाहने वाले कर्मियों के प्रार्थनापत्र रेंज/डीआईजी कार्यालय मय सेवा-विवरण के उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीजीपी के निर्देशों को लेकर जिले में 16 साल से जमे सिपाहियों में खलबली मच गई थी मगर रेंज स्तर से 100 सिपाहियों के तबादले जालौन और ललितपुर कर दिए गए हैं। इनमें 2011 बैंच के 70, 2012 के दो, 2006 के सात, 2007 का एक, 2005 का एक, 1997 बैंक का एक, 1991 का एक, 1992 का एक, 1993 का एक, 1994 का दो, 1995 के दो, 1997 के दो, 1998 का एक, 1980 का एक, 1987 का एक, 1988 का एक, 1989 का एक शामिल है। इस सूची को लेकर खाकी के परिजनों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

नाम न छापने की शर्त पर परिजनों का कहना है कि एक जिले में 16 साल तैनात करने का नियम है मगर झाँसी में नियम के विरुद्ध तबादले कर दिए हैं। उनका कहना है कि जिन सिपाहियों को 16 साल की तैनाती हो चुकी हैं, उनका तबादला ठीक हुआ मगर अधिकांश लोगों के तबादले जान बूझकर किए हैं। यही नहीं, जिन सिपाहियों की शिकायत थी, उनके तबादला होना भी ठीक हैं क्योंकि ऐसे सिपाहियों से खाकी बदनाम होती है। सूत्रों का कहना है कि तबादला करने के पहले किसी जनपद से समायोजन की सूची तक नहीं मांगी गई है।

तबादले पर लगाई रोक, सुनाया ये आदेश

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के काल में पुलिस विभाग में हुए स्थानांतरण के क्रियान्वयन आदेश को रद्द कर दिया है।

बताते हैं कि कोरोना काल में यूपी के कई जिलों में दारोगा, सबस इंस्पेक्टर, हेड कांस्टेबल और सिपाहियों के एक जिले से दूसरे जिले में तबादले हुए थे। जिस पर पुलिसकर्मियों ने अलग- अलग याचिकाएं दाखिल करके तबादला आदेश और कार्यमुक्त किए जाने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस पर कोर्ट ने अब अपना फैसला सुनाते हुए उसे रद्द कर दिया है।

कानून के तहत किए जाएं तबादले

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिसकर्मियों को राहत देते हुए तबादले के आदेशों को असंवैधानिक बताया और उसे फिलहाल निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि आगे इन पुलिसकर्मियों का तबादला उनकी सेवाओं की जरुरतों को देखते हुए कानून के तहत नियमानुसार किए जा सकता है।

सार सुर्खियां

जितेंद्र भदोरिया जिला अध्यक्ष एवं राजा खटीक बने जिला महामंत्री

झाँसी। झाँसी व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष साहू ने झाँसी युवा व्यापार मंडल जिला शाखा के जिला अध्यक्ष पद पर जितेंद्र सिंह भदोरिया , महामंत्री पद पर चिरगांव नगर पालिका के पूर्व पार्षद राजा खटीक , कोषाध्यक्ष पद पर बिरजू यादव एवं उपाध्यक्ष पद पर रितेश कोस्टा को मनोनीत किया गया।

इस मौके पर संयोजक राघव वर्मा, संजय अग्रवाल , महामंत्री नीरज स्वामी, कोषाध्यक्ष चौधरी फिरोज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश गुप्ता राजू , उपाध्यक्ष अविनाश माते, महेंद्र साहू, संजय गुप्ता, विनय यादव, शंभू सेन, पुरुषोत्तम यादव, चरण सिंह, शिवा बाल्मीकि, अश्वनी खटीक, भगवान सिंह कुशवाहा, रंजीत यादव, राहुल शिवहरे, बीटू खटीक, रोहित यादव,अनवर भाई ,अभिषेक दिक्षित, भरत व्यास, फैजल भाई , छोटे राजा, सचिन श्रीवास, रतन आदि युवा साथी उपस्थित रहे।

घूमने निकला डॉ. रहस्यमय ढंग से गायब

झाँसी। मॉर्निंग वार्क करने निकला एक डॉक्टर रहस्यमय ढंग से गायब हो गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के संगम बिहार कॉलोनी निवासी डॉ. आर के गुरबख्शानी शुक्रवार की सुबह 4.30 बजे सैर को निकले। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटे। इसकी जानकारी लगते ही परिजनों ने तलाश की मगर अब तक पता नहीं चला है। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली।

वहीं, लापता डॉक्टर, उत्तर प्रदेश व्यापार मण्डल की महानगर अध्यक्ष श्रीमती शालिनी गुरबख्शानी के जेठ व व्यापारी नेता अशोक गुरबख्शानी के बड़ा भाई है। व्यापार मण्डल की महानगर अध्यक्ष श्रीमती शालिनी गुरबख्शानी ने बताया कि वह सफेद फुल टीशर्ट और सफेद ही पेण्ट पहने हुए हैं।

दिल तो बच्चा है जी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झाँसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर गहोई गौरव झांसी द्वारा दिल तो बच्चा है जी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में के के कठैल व विशिष्ट अतिथि के रूप में लखन लाल कुशवाहा, राजेंद्र चेलरा, भरत सेठ मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण मुरारी गुप्ता ने की। अतिथियों द्वारा मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान महिला विंग सचिव श्रद्धा गेंडा और नीता सेठ द्वारा देशभक्ति के गीत गाए गए। रामजी खरया और राजेंद्र पटवारी मैं अतिथियों को तिरंगा बैच लगाकर सम्मानित किया। इसके उपरांत एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष एकादशी एवं सचिव एकादशी के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें सचिव एकादशी 66 रन से विजय हुई। सभी विजेता टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मनमोहन गेंडा, ज्योति, अनुज मिश्रा, विनीता, श्रीमती रेखा, रामकुमार लोहिया, संगीता, राजीव नगरिया, कल्पना, प्रीति, अमित सेठ, अंकिता, पवन सेठ, आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सतीश सेठ व आभार अमित सेठ ने व्यक्त किया।

बड़े वाहनों से परेशान है रसबहार कालोनीवासी

झाँसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के रस बाहर कालोनी निवासी रामेश्वर राय आदि ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि नंदनपुरा सीपरी बाजार झाँसी के बीच 12 से 15 फुट राष्ट्रीय से बालू गिट्टी मोरम घूमने अजी भरे ट्रक एवं डाला डंपर दिन भर आते जाते रहते हैं। कॉलोनी के पीछे बने कांशीराम पार्क के पास अनलोडिंग करते हैं। काशीराम पार्क के सामने एक बहुमंजिला भवनों के निर्माण कार्य स्थल पर भी बिल्डिंग मटेरियल पहुंचाने हेतु इसी कॉलोनी के बीच रास्ते से बड़े बड़े वाहनों का आवागमन रहता है। पार्क के सामने बालू गिट्टी मोरम अधिक अनलोडिंग करने से धूल उड़ती रहती है। मैन रास्ता सीपरी बाजार नाथ की कोटी के पास से होकर है जो रास्ता चौड़ी है वहां से सीधे बहन आराम से निकल जाते हैं। शिकायती पत्र के माध्यम से ऐसे वाहनों पर रोक लगाने की मांग की।

मार्च के फर्स्ट वीक में होगा ग्रांड फिनाले

झाँसी। बिग मॉडल ऑफ बुंदेलखंड मिस्टर, मिस एंड किड्स मॉडलिंग और डांस शो 2021 के लिए ऑडिशन हो चुके हैं। आगामी फरवरी माह में प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले महानगर में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम में बतौर जज मिसेज इंडिया वर्ल्ड फाबिहा खान ने बताया कि विगत 25 जनवरी को एक स्थानीय होटल में एस आर इवेंट द्वारा ऑडिशन लिए गए थे जिसमें मिस्टर मिस एंड किड्स मिलाकर 42 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है । आगामी 25 फरवरी को ग्रुमिंग सेशन की शुरुआत की जाएगी और इसके ठीक 4 दिन बाद ग्रांड फिनाले आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम को अभिषेक रावत ऑर्गेनाइज कर रहे हैं।

जीआरपी प्रतिसार निरीक्षक को मिला सिल्वर मेडल

झाँसी। पुलिस महकमे में उल्लेखनीय और सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को गोल्ड और सिल्वर मेडल के साथ-साथ प्रशस्ति देने के लिए पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से चयन किया गया था। इनमें जीआरपी झाँसी के प्रतिसार निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह का नाम भी शामिल था। गणतंत्र दिवस के अवसर प्रतिसार निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह को पुलिस उपाधीक्षक रेलवे नईम खान ने सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व उनको भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा कई बार प्रशस्ति पत्र मिल चुका है।

पंचायत चुनाव के कारण गांवो में नहीं होने दिया जायेगा जल संकट

झाँसी। जिले में प्रधानो के कार्यकाल समाप्त होने की दशा में पंचायतओ की धनराशि में कमी नहीं आने दी जाएगी, हर हाल में पेयजल स्रोतो कि मरम्मत और रखरखाव के काम प्राथमिकता के आधार पर कराए जायेंगे जहां जरुरत होगी वहां टैंकर सप्लाइ द्वारा पेयजल कि आपूर्ति जाएगी। इस कार्य को करने के लिए आचार संहिता का कोई प्रभाव नहीं होगा। नए ग्राम प्रधान निर्वाचन होने तक सहायक विकास अधिकारी प्रशासक होंगे। यह विचार जिला पंचायत राज अधिकारी जगदीश राम गौतम ने परमार्थ समाज सेवी संस्थान द्वारा आयोजित पेयजल, स्वच्छता, समस्याओ के समाधान की दिशा में जन संवाद कार्यक्रम के दौरान एक होटल में व्यक्त किए।

उन्होंने कहां कि जल ही जीवन है, जल का लोग दुरुपयोग करते है। भविष्य में मुश्किल से पानी मिलेगा इस लिए जल का संचयन करना है, मनरेगा में 242 तालाबो का निर्माण कराया जाएगा, नहरों में पानी टेल तक पहुचांया जएगा, जिससे किसानों और

पशुओं को पानी उपलब्ध होगा। ग्राम पंचायत निधि में आने वाली धनराशि अब सीधा लाभार्थी के खाते में जाएगी। जिससे बीच में धन का दुरुपयोग ना हो। उन्होंने कहां जनपद झांसी में 18442 सर्वे के अनुसार शौचालय निर्माण कि सूची निकलकर आयी थी, जिसके सापेक्ष शासन से प्राप्त धनराशि से शौचालय निर्माण कराया जाएगा । खुले में शौच कि प्रथा बंद करें हर घर में शौचालय निर्माण पर जोर दिया। पंचायत चुनाव में एक तिहाई से अधिक भागीदारी महिलाओ कि होनी चाहिए, जिससे महिलाओ के सम्मान और दर्जे में बढ़ोतरी होगी।

परमार्थ संस्था के परियोजना प्रबंधक सतीश चंद्र ने कहां हर घर में शौचालय के साथ-साथ किचन गार्डन भी बनाए। गांव के विकास में पेयजल एवं स्वच्छता प्राथमिकता में नहीं हैं। आने वाले पंचायत चुनाव में अच्छी छवि वाले लोगों को पंचायत चुनाव में भागीदारी करनी चाहिए, जिससे समाज में अंतिम व्यक्ति तक पेयजल एवं स्वच्छता की सुविधाओ की कमी ना हो। इससे पहले बरगड गांव कि एलेश कुमारी ने पेयजल कि समस्या को रखा, ग्राम लहार की नीतु ने गंदे कुए से पानी पीने कि मजबुरी को रखा। ग्राम बरगड कि सोना देवी ने गांव में शौचालय ना होने की समस्या रखी।

ग्राम केशवपुर की मंजु देवी ने विधवा पेंशन ना मिलने कि समस्या को रखा। कार्यक्रम में जल सहेलियों ने निष्पक्ष पंचायत चुनाव की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन परमार्थ संस्था के सिद्ध गोपाल ने किया एवं आभार व्यक्त सतीश चंद्र ने किया। इस कार्यक्रम में विकासखंड बबीना और बडागांव के कुल 35 गांव के 125 महिला और पुरुष उपस्थित रहें। परमार्थ संस्था से महताब, जितेंद्र यादव, केपेंद्र, राजेश, मनोज, हेमंत आदि मौजुद रहें।

मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना महत्वपूर्ण ताकि निर्वाचन शुद्ध, शांतिपूर्ण व पारदर्शी संपन्न हो

झाँसी। जिलाधिकारी आंद्रा वामसी ने कहा कि विगत दिवसों में ग्रामों के

प्रतिनिधि व अन्य ग्रामवासी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 हेतु बनाई गई मतदाता सूची में अशुद्धियों को विभिन्न साक्ष्यों के साथ संज्ञान में लाते हुए अशुद्धियों को शुद्ध/ निराकरण करा कर प्रकरण का पटा पेक्ष किए जाने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावली में अनेकों ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि पात्र व्यक्तियों का नाम सम्मिलित ना करते हुए अपात्र को शामिल किया गया तथा व्यक्तियों के नामों को विलोपित करते हुए मतदाता सूची बनाई गई। उन्होंने बताया कि ग्राम वासियों ने कहा कि ऐसे व्यक्ति जो सामान्यता निवासी नहीं है या मतदाता बनने के लिए पात्र नहीं है उनके नाम भी मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत मतदाता सूची का शुद्ध होना अति आवश्यक है, तहसील मोठ में मियांपुर, पहाड़ी बुजुर्ग,सिमथरी, नरी, निवी, बेहटासंत, भरतपुरा, देवलदेदर तहसील टहरौली दिनेरी फूलखिरिया, सीकरी खुर्द तहसील मऊरानीपुर ग्राम पठा, चुरारा तथा तहसील झांसी में ग्राम बरूआपूरा, खजराहा खुर्द में मतदाता सूची में अनेकों त्रुटियों की जानकारी प्राप्त हुई हैं, अतः समस्त त्रुटियों का निराकरण तत्काल किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त गांव में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन हेतु बनाई गई मतदाता सूची के संबंध में प्राप्त शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर सम्यक सुनवाई करते हुए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ/ सुपरवाइजर के माध्यम से सत्यापन के उपरांत परीक्षण कर आगामी 10 दिवस में त्रुटि रहित शुद्ध मतदाता सूची दिनांक 9 फरवरी 2021 तक प्रकाशित कराना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में भी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन हेतु बनाई गई मतदाता सूची के संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए और यदि कहीं पर अशुद्ध मतदाता सूची पाई जाती है तो जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ/ सुपरवाइजर के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की विवाद की स्थिति उत्पन्न ना हो पावे।

पनप रहे नित नये भू-माफिया

-नगर निगम ने अब तक घोषित किये 15 भू माफिया
-कुछ के कब्जे से मुक्त कराई नगर निगम की भूमि
- कुछ के खिलाफ कच्छप गति से चल रही कार्यवाही

झाँसी। बीते कुछ वर्षों में जैसे-जैसे महानगर का विकास होता गया वैसे-वैसे जालसाजों द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जे करने की घटनाएं बढ़ीं हैं। सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले गरीब निर्धन से लेकर करोड़पति तक हैं। नगर निगम सिर्फ गरीब व्यक्ति के खिलाफ ही सख्ती से कार्यवाही कर पाता है, असरदार लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती। हां, जिन लोगों के खिलाफ नगर निगम कोई कार्यवाही नहीं कर पाता तो उन्हें भू-माफिया घोषित कर देता है। नगर निगम की इस कार्यवाही से उक्त भू-माफिया का तो कुछ नहीं बिगड़ता बल्कि जमीन कारोबार के क्षेत्र में उसका रुतबा बढ़ जाता और आतंक जरूर पैदा हो जाता है। महानगर के विकास के साथ-साथ यहां जमीन की कमी पड़ती जा रही है। एक ओर गरीब और आश्रयहीन लोगों ने खाली पड़ी सरकारी भूमि पर रहने के लिये झोपड़ियां बना लेते हैं तो दूसरी ओर भूमि का कारोबार करने वाले सरकारी जमीन पर बाकायदा प्लाटिंग करके ऊंची कीमत पर बेच रहे हैं। जब स्थानीय पार्षद सदन में सरकारी जमीन पर कब्जे का मुद्दा उठाते हुए भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग करते हैं तो कार्यवाही उन लोगों पर की जाती है जिन्होंने जालसाजों से जमीन खरीदकर अपने मकान बनाये थे। ऐसे में जालसाज भू कारोबारी तो बच जाते हैं और उन लोगों पर मार पड़ती है जिन्होंने जीवन भर की गाढ़ी कमाई देकर जमीन खरीदी थी। नगर निगम उन भू कारोबारियों के खिलाफ कुछ नहीं कर पाता है, ऐसे में इन लोगों का हौसला बढ़ता जाता है। बीते कुछ वर्ष पूर्व जब नगर निगम में समीपवर्ती गांवों को शामिल किया गया था तब यहां जमीन की कीमत बहुत कम थी, परंतु बाद में यहां जमीन की कीमत बहुत बढ़ गयी। झांसी महानगर के बिजौली, सिगर्रा, करारी, हंसारी गिर्द,सिमरधा,गढ़िया गांव, पिछोर, लहर गिर्द आदि वह क्षेत्र हैं जहां तेजी से विकास हो रहा है। नित नयी कालोनियां बन रहीं हैं। यहीं भू कारोबारी सक्रिय हैं।

नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार इन क्षेत्रों में करीब दर्जनों एकड़ भूमि पर कब्जा हुआ था, जिनमें से कुछ भूमि को तो कब्जामुक्त करा लिया गया। कुछ के खिलाफ कागजी कार्यवाही चल रही है। कुछ कब्जाधारकों ने न्यायालय की शरण ले ली, जिससे फिलहाल कब्जा नहीं हटाया जा सका। बीते दिनों नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में एक सदस्य ने सवाल पूछा कि नगर निगम की कितनी भूमि पर कब्जे हुए हैं। इनमें से बड़े कब्जाधारकों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गयी। इस पर बताया गया कि कब्जाधारकों को भू-माफिया घोषित करके उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी है। पार्षद का सवाल था कि क्या भूमि को कब्जामुक्त कराने की कोई कार्यवाही की गयी। इसकी सवाल का नगर निगम के अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था। वहीं नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार 15 लोगों को भू माफिया घोषित किया गया था। जिनमें से सिमरधा से 0.206 हेक्टेयर, बिजौली से .975 हेक्टेयर, बिजौली से ही .137, हंसारी गिर्द से 2 हेक्टेयर को कब्जामुक्त कराया गया। वहीं सिगर्रा में सरकारी भूमि पर बने सागौन के बगीचे को कब्जामुक्त कराया गया। करारी में सरकारी भूमि पर बनी चाहरदीवारी को ढहाया गया। अब गढ़िया गांव से 6 एकड़ भूमि, लहरगिर्द में 1.914 हेक्टेयर भूमि सहित पिछोर, बिजौली, सिमरधा व लहरगिर्द में कब्जाधारकों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है, परंतु अब तक जमीन को कब्जामुक्त नहीं कराया जा सका है।

कैसे घोषित होते हैं भू-माफिया

नगर निगम के अनुसार सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ भू-माफिया की कार्यवाही की जाती है। इसके लिए कब्जाधारकों की शिकायत जिला प्रशासन से की जाती है। जिला प्रशासन इस शिकायत की जांच कराता है, यदि शिकायत सत्य पायी जाती है तो उक्त कब्जाधारक के खिलाफ भू-माफिया की कार्यवाही का जाती है।

यह है भू-माफिया

सिमरधा से मन्नू पूर्व पार्षद, बिजौली से रतिराम यादव, खलक सिंह, फूल सिंह यादव, हंसारी से रमेश चंद्र राय, सिंगर्रा से अमित साहू, करारी से अज्ञात, गढ़ियागांव से राजकुमार राजपूत, पिछोर से प्रदीप प्रजापति, सिमरधा से दीपू यादव, लहरगिर्द से आचार्य अविनाश व गुलशन यादव भू-माफिया चिन्हित किए गए हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत

झाँसी। अलग- अलग स्थानों पर सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के सत्यम कालोनी निवासी हर्ष गुप्ता बाइक पर सवार होकर बबीना से झाँसी लौट रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। सूचना पुलिस को दी गई। वहीं, मोंठ के ग्राम बरथरी निवासी दिनेश यादव बड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम पचार में रहने वाले रिश्तेदार के यहां गमी में आया था। गमी में शामिल होने के बाद घर वापस लौट रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

मुठभेड़: एनकाउंटर के डर से चार बदमाशों ने झाँसी पुलिस के सामने किया सरेंडर

बदमाशों को पकड़ने ग्वालियर गई थी सीपरी बाजार पुलिस

झाँसी। ग्वालियर के सराफा बाजार में स्थित एक मकान में बड़ी वारदात को अंजाम देने आए बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। झाँसी पुलिस के सहयोग से ग्वालियर पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। ताबड़तोड़ हुई फायरिंग के बाद चार बदमाशों ने पुलिस के सामने ही सरेंडर कर दिया। इन बदमाशों के पास से काफी मात्रा में असलहें व कारतूस बरामद किए हैं। इनमें एक बदमाश झाँसी से बुलेट चोरी करके भागा था। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के एक बुलेट चोरी हो गई थी। सीपरी बाजार थाने की पुलिस को सूचना मिली कि दतिया निवासी सद्दाम हार्ड क्रिमिनल हैं। वह बुलेट चोरी करके ग्वालियर भाग गया है। वह ग्वालियर शहर के बीच में स्थित सराफा बाजार में जमनाबाई के मार्केट के पीछे विष्णु वाल्मीकि नाम व्यक्ति के मकान में अपने साथियों के साथ छिपा हुआ है। इसकी जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी को दी गई। एसएसपी के निर्देशानुसार पर सीपरी बाजार थाना प्रभारी देवेन्द्र

कुमार सिंह के निर्देश पर उपनिरीक्षक देवेश कुमार, उपनिरीक्षक अजय भदौरिया, मुख्य आरक्षी सदानंद व आरक्षी अंकित कुमार ने ग्वालियर पहुंची। वहां झाँसी पुलिस ने ग्वालियर की कोतवाली पुलिस से संपर्क किया। साथ ही घटना के बारे में पूरी जानकारी दी। कोतवाली ग्वालियर पुलिस की मदद से सराफा बाजार के इस मकान की घेराबंदी कर ली गई। एक बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया। जबकि दो बदमाशों ने पुलिस पर हवाई फायरिंग शुरु की। इसके बाद झाँसी पुलिस व बदमाशों के बीच में मुठभेड़ शुरु हो गई। थोड़ी देर बाद तीन थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बदमाश जिस घर में छिपे हुए थे, उसे चारों तरफ से घेर लिया गया था।

जब बदमाश घर से निकल नहीं रहे थे तो पुलिस ने घर में आंसू गैस का गोला फैंक दिया। लेकिन इसके बाद भी वे बदमाश घर से बाहर नहीं आए। बाद में पुलिस ने धमकी दी कि घर में बम फेंकने वाले हैं। जिससे घर के साथ वे भी उड़ जाएंगे। धमकी का असर होते ही बदमाशों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पकड़े गए बदमाशों में सद्दाम निवासी दतिया, पवन निवासी धौलपुर और आजमगढ़ के सिंधारी निवासी लालजी यादव व गोलू शामिल है। इनके पास से भारी मात्रा में कारतूस व कट्टे बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक इम्मू, राजेश, राहुल आदि लोग भागने में सफल हो गए हैं।

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. महेश प्रसाद अग्रवाल: दैनिक भास्कर के स्वत्वाधिकारी एवं सम्पादक संजय कुमार अग्रवाल के लिये प्रकाशक, मुद्रक रमेश चन्द्र तिवारी द्वारा जनहित ऑफसेट प्रिंटर्स 46/5 कृष्णा इन्कलेव शिवपुरी रोड, झांसी (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 31, रानी महल झांसी से प्रकाशित। फोन-2440550 आर.एन. आई. नं. 4645/58, डाक पंजीकरण संख्या-42/09 जनवरी 2013) समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। E-mail: dbjhansi@rediffmail.com, E-paper-dainikbhaskarup.com

महात्मा गांधी

विश्व शांति की एक परिकल्पना

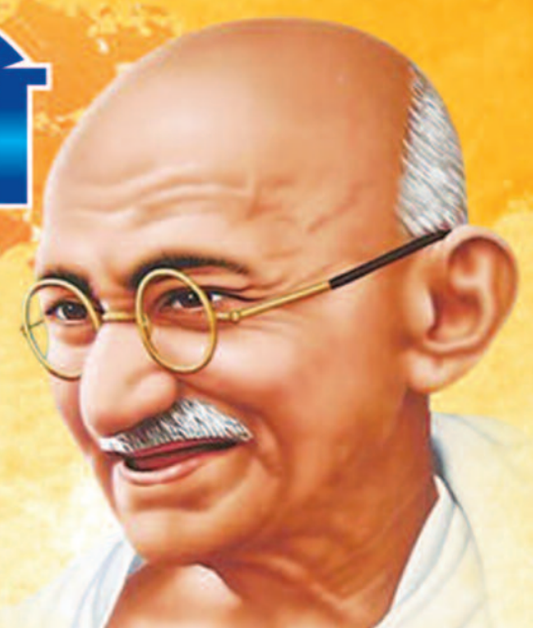

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
सहज योग संस्थापिका एवं
कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्म-साक्षात्कार दात्री

मोहनदास करमचंद गांधी-एक महात्मा

आज संपूर्ण संसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मना रहा है, आइए हम सभी मिलकर 'बापू' को श्रद्धा सुमन अर्पित करें। विश्व के कई प्रख्यात नेता, महान क्रांतिकारी, विचारक, लेखक और वैज्ञानिकों ने महात्मा गांधी के आदर्श से प्रेरणा लेते हुए अपने चारों ओर के समाज को परिवर्तित किया। उनकी शक्ति का स्रोत था-**कमजोरों का सशक्तिकरण,** उनकी धुन थी-**सत्य की खोज,** उनका मुख्य आकर्षण था-**निर्भयता से विश्वास का अनुसरण,** उनकी विश्वसनीयता का प्रमाण था-**जो शिक्षा दी जाए उसका कठोरता से स्वयं पालन** और उनके अदम्य बल का मूल मंत्र-**सेवा और त्याग** था। उन्होंने राजनीति का मानवीकरण किया जो अधिकांश लोगों के लिए सर्वथा असंभव था। गांधी जी ने अपने लिए किसी उपाधि, पद या तोहफे की अपेक्षा किए बिना निःस्वार्थ भाव से ऊंचे आदर्शों के लिए कार्य किया।

महात्मा गांधी के बारे में बात करना ऐसा है, जैसे सूर्य को दीपक दिखाना, क्योंकि वे केवल एक बहुआयामी व्यक्तित्व ही नहीं थे, पर अपने आप में एक पूरी संस्था थे। उनकी सोच दूरदर्शी थी, क्योंकि मानवता को लेकर उनका दर्शन वर्तमान में भी प्रासंगिक है और संभवतः दूर भविष्य में भी रहेगा। श्रद्धांजलि के तौर पर राजनीति और आर्थिक व्यवस्था को लेकर उनके विचारों के अलावा, उनके विश्व शांति के स्वप्न को यहाँ प्रस्तुत किया गया है।

महात्मा गांधी - विश्व के विचारकों ने क्या कहा ?

26 अगस्त, 1947 को लार्ड माउंटबेटन ने गांधीजी को एक पत्र में लिखा, "पंजाब में हमारे पास 55 हजार सैनिक हैं और बड़े पैमाने पर दंगे हो रहे हैं। बंगाल में हमारी सेना में सिर्फ एक व्यक्ति है और वहां कोई दंगे नहीं है। एकल-व्यक्ति सीमा-शक्ति को मेरा सलाम।" ऐसी शक्ति और प्रभाव था एक नेता के तौर पर महात्मा गांधी का!

विश्व प्रसिद्ध है जबकि विंस्टन चर्चिल ने उन्हें 'अर्ध नग्न फकीर' कह कर खारिज कर दिया था, अल्बर्ट आइंस्टीन ने उनके बारे में कहा था, "भविष्य की पीढ़ी के लिए विश्वास करना कठिन होगा कि ऐसा कोई हाड़-मांस का मानव इस धरती पर था।" उन्होंने अपने अहिंसा और सविनय अवज्ञा के सिद्धांतों द्वारा सारे विश्व में करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित किया और अपनी मृत्यु के सत्तर वर्ष बाद आज भी वह करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

नेल्सन मंडेला गांधी जी को अपने महान अध्यापको में से एक मानते थे और कहते थे कि उनकी शिक्षाएं दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद को खत्म करने में सहायक रही हैं। संयुक्त राज्य अमरीका के डॉ मार्टिन लूथर किंग ने कहा, "ईसा मसीह ने हमें लक्ष्य दिए, महात्मा गांधी ने हमें युक्ति बताई।" किंग ने करोड़ों अफ्रीकन-अमेरिकी लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए अहिंसा को एक शस्त्र के तौर पर इस्तेमाल किया। महात्मा गांधी ने म्यांमार, वियतनाम, मैक्सिको और अन्य छोटे या बड़े देशों में नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया है।

यद्यपि करोड़ों लोग उन से प्रेरित हुए, वे स्वयं हेनरी डेविड थोरियो की 'On the Duty of Civil Disobedience' (1849) और लियो टोलस्टोय की 'The Kingdom of God Is Within You' (1894) से प्रेरित थे। महात्मा गांधी और टोलस्टोय ने दो वर्षों तक 'अहिंसा का धार्मिक और व्यवहारिक प्रयोग' के विषय पर पत्राचार किया। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में अपने फार्म का नाम टोलस्टोय फार्म रखा, जहां गांधी जी और हरमन कालनबाक ने लोगों को सत्याग्रह का व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया।

1915 में दक्षिण अफ्रीका से वापिस आने के बाद महात्मा गांधी ने अंग्रेजों की बर्बरता के खिलाफ आजादी की लड़ाई शुरूआत 1917 में चंपारण में नील की खेती विवाद पर किसानों के पक्ष से की, क्योंकि उनका विश्वास था देश की आत्मा गावों में बसती हैं। आने वाले वर्षों में उनका संदेश जन-साधारण में अनपढ़ किसानों से लेकर विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग तक और समाज के सबसे अधिक सुशिक्षित वर्ग तक फैल गया।

महात्मा गाँधी और आज के राजनेता

"जनता के साथ काम करने वाले कार्यकर्ता को धूल से भी ज्यादा विनम्र होना चाहिए। संपूर्ण संसार अपने पैरों तले धूल को रौंदता है, किंतु एक कार्यकर्ता को इतना सरल साधारण होना चाहिए कि धूल भी उसे रौंद सके।" (महात्मा गांधी)

अधिकांश राजनीतिक वैज्ञानिक मानते हैं कि गाँधी जी एक पैगंबर और राजनेता का मिश्रण थे। वे अच्छे से जानते थे कि राजनीति में सक्रिय हुए बिना सामाजिक-आर्थिक शोषण और राजनैतिक दमनीकरण और इनके परिणामस्वरूप भारतीयों के गिरते हुए नैतिक स्तर को दूर करना संभव नहीं है। यदि बिना राजनीति के भारत की बेरोजगार, भूखी जनता को भोजन और रोजगार दिया जा सकता तो गांधीजी सर्वथा राजनीति को नजरअंदाज कर देते। गांधीजी किसी एक राजनीतिक दल या वर्ग के नेता नहीं थे अपितु वे तो निर्विवाद रूप से संपूर्ण जनमानस के नेता थे।

वर्तमान राजनीति, मूल्यों और नैतिकता-विहीन है और विभिन्न नेता येन-केन प्रकारेण सत्ता को हथियाना चाहते हैं, परंतु गांधी जी ने अपने नेतृत्व की आधारशिला मुख्यतः धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र-निर्माण के सिद्धांतों पर रखी, ना कि किसी प्रकार के भौतिक लाभ या व्यक्तिगत प्रशंसा के लिए। वे धर्म के राजनीतिकरण और किसी भी प्रकार के भाई-भतीजावाद के भी विरोध में थे।

आज के राजनेताओं के ठीक विपरीत गांधी जी को एहसास था कि यदि उन्हें जनता की सेवा करनी है तो, निजी संपत्ति, धन, वैभव और आराम को त्याग कर एक स्वैच्छिक सादा और गरीबी से भरा जीवन जीना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका में होने वाले सभी आंदोलनों में गांधी जी ने सार्वजनिक धन को खर्च करने में संवेदनशीलता दिखाई और हमेशा स्वच्छ और पारदर्शी रहे। यह समझना बहुत कठिन है कि कैसे राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी आज सार्वजनिक धन को भ्रष्टाचार में लिप्त होकर लूट रहे हैं।

महात्मा गांधी और आर्थिक-विकास नीति

"आप कभी नहीं जान सकते हैं कि आपके कार्य के क्या परिणाम आएंगे,
लेकिन अगर आप कुछ नहीं करते हैं तो कोई परिणाम नहीं होगा।" (महात्मा गांधी)

आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गाँधी ने 'केवल स्वदेशी' का युद्ध घोष दिया। उन्होंने हमारे देश की जीवन शैली बदल दी। सबको हाथ से बुना हुआ कपड़ा या जो कपड़े भारत में ही बने हैं, केवल वही पहनने होते थे। उन्होंने भारतीयों को ग्रामीण उत्पादों का उपयोग करने की सलाह दी। यह तीन महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करता- पहला, यह अंग्रेजों के आयात को कम करेगा जिससे उनकी अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। दूसरा, अगर हम विदेशों से कुछ नहीं खरीदेंगें तो हमारे उद्योग, हस्तशिल्प बढ़ेंगे और अंत में यह भारतीयों को गावों में ही ज्यादा से ज्यादा रोजगार और आय प्रदान करेगा।

ग्राम स्वराजः- भारत के 70% लोग गाँवों में रहते हैं। इसलिए भारत का विकास, गाँवों के विकास पर निर्भर करता है। तभी महात्मा गाँधी ने पंचायतीराज एवं ग्रामीण उद्योग के विकास जैसे खादी, हथकरघा, रेशम के कीड़ों का पालन, हस्तशिल्प, आदि की जरूरत पर अत्याधिक जोर दिया, क्योंकि इससे कृषि पर बोझ कम होता है। अगर गाँव वालों को रोजगार उन्हीं के गावों में मिले, तो यह शहरी क्षेत्रों में प्रवासन को कम करेगा और यह गरीबों के जीवन में सुधार करेगा।

गांधीजी जमींदारी प्रथा के विरोध में थे। उनके अनुसार मुख्य रूप से किसान के पास उतनी भूमि होनी चाहिए जो उसे फसलें उगाने, अपने उत्पादों से मवेशियों को पालने और खुद को सहारा देने की क्षमता दें। उनका मानना था कि लोगों के पास उतनी ही चीजों का मालिकाना हक होना चाहिए, जो एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक हों और उससे अधिक कुछ भी पूरे समाज का है।

महात्मा गांधी और भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिकता

"यह मेरा दृढ़ मत है कि किसी भी संस्कृति के पास इतनी धरोहर नहीं है, जितनी हमारे पास है। हमने इसे जाना नहीं है। हमें इसके अध्ययन के लिए निरुत्साहित किया गया और इसका मूल्यह्रास करना सिखाया गया। हम इसका अनुसरण करना लगभग बंद ही कर चुके थे।" (महात्मा गांधी)

गांधी जी ने लोगों को सभी धर्मों के वास्तविक तत्वों को खोजने और आध्यात्मिकता की गहराई में उतरने के लिए प्रेरित किया। आध्यात्मिकता का धर्म से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने प्रायः जनता को कुरान और बाईबल का संदर्भ दिया और भगवत गीता के ज्ञान को जीवन में उतारने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उनको विश्वास था कि इससे लोगों को जागृत करने में सहायता मिलेगी और भारत की विविधता पूर्ण संस्कृति को एकीकृत किया जा सकेगा।

किंतु आज के राजनेता गांधी जी और उनकी आध्यात्मिकता को भुला चुके हैं। वे केवल वोट बैंक की राजनीति में विश्वास करते हैं और जनता को धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास करते हैं, जिसका महात्मा गांधी और उनके सिद्धांतों से कोई लेना-देना नहीं है।

गांधी जी के आश्रम में प्रातः काल 4:00 बजे की सामूहिक प्रार्थना में सभी जाति, पंथ, धर्म, अमीर, गरीब, नेता और सर्वसाधारण लोग मिलकर पूजा करते थे और विनम्रता से भजन गाते थे। उनकी भजनावली में प्रथम भजन श्री गणेश को समर्पित था, अगला श्री सरस्वती मां और उसके बाद अन्य देवी-देवताओं के भजन होते थे। लोगों से इसी क्रम में गाने की अपेक्षा की जाती थी। इन सब के उपरांत बाईबल से Lord's Prayer और कुरान की कुछ आयतें भी पढ़ीं जाती थी। इसके अलावा बुद्ध और जैन धर्म का भी उल्लेख होता था। हैरान करने वाली बात है कि विभिन्न देवी-देवताओं के भजनों के क्रम कुंडलिनी और उससे संबंधित चक्रों के क्रमानुसार ही है, जैसा कि सहज योग और अन्य दूसरे विभिन्न प्राचीन धर्मों के ग्रंथों में वर्णन किया गया है।

महात्मा गांधी और श्रीमाताजी निर्मला देवी

श्रीमाताजी निर्मला देवी सहज योग की संस्थापक हैं। श्रीमाताजी के पिता श्री प्रसाद राव साल्वे, महात्मा गांधी के निकट सहयोगी और भारतीय संविधान सभा के सदस्य थे। जब उनके माता-पिता भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे, तब 7 वर्ष की उम्र से ही श्रीमाताजी कई बार महात्मा गांधी के आश्रम में उनकी अभिभावकता में रहीं। श्रीमाताजी पर महात्मा गांधी का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। श्री माताजी ने कई बार याद किया कि किस प्रकार गांधी जी उनसे विभिन्न विषयों पर बातचीत करते थे और कहते थे कि बड़ों की अपेक्षा बच्चे कई बार अधिक अच्छा मार्गदर्शन कर सकते हैं।

गांधी जी कठिन कार्य पालक थे और उनका विश्वास था कि जब देश में आजादी के लिए गतिशीलता तेजी से बढ़ रही थी, कठोर अनुशासन का होना आवश्यक था। इस पर श्रीमाताजी ने उनसे कहा कि अनुशासन अंदर से होना चाहिए जिसके के लिए आंतरिक परिवर्तन ही एकमात्र रास्ता है। गांधी जी आक्रामकता में विश्वास नहीं रखते थे, जबकि हमारा मस्तिष्क चौबीसों घंटे केवल आक्रामकता और हिंसा के बारे में सोचता है। हम अपनी आंखों, वाणी और विचारों से हिंसा करते हैं। हम चाहे कितना भी प्रयास करें अपने चेतन मन को स्वच्छ करने की, परंतु वे हमारी 24 घंटे की क्रियाओं को शुद्ध करने के लिए काफी नहीं है। फिर हम अपने अवचेतन मन से विचारों की लगातार बमबारी से कैसे मुक्त होंगे? इसलिए गांधी जी ने भी माना कि संभवतः आंतरिक परिवर्तन से विश्व शांति भी पाई जा सकती है।

श्रीमाताजी का मानना है कि जिस प्रकार उस समय हम गुलामी की बेड़ियों से देश की स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों से लड़े थे, उसी प्रकार आज हमें अपने झूठे आदर्शों, उद्देश्यों, भौतिक बेड़ियों से स्वतंत्र होने के लिये अपने आप से लड़ना है। इसके लिए हमें अपने 'स्व के तंत्र' अर्थात सूक्ष्म तंत्र को जानना होगा और आत्मासाक्षात्कार प्राप्त करना होगा।

सहज योग ध्यान

सहज योग ध्यान, परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित, एक अनोखी ध्यान विधि है जिसके द्वारा सारे विश्व में, 100 से अधिक देशों में सभी धर्मों के लोग ध्यान करते हैं। हमारे शरीर में उत्थान और आध्यात्मिक विकास के लिए, हमारी रीढ़ की हड्डी में कुंडलिनी शक्ति और सात चक्र स्थित हैं। ये चक्र हमारी शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए उत्तरदायी हैं। जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है तो वह हमारे हमारे चक्रों का पोषण करती हुई हमारे अंतर को सर्वव्यापी परमात्मा के प्रेम की शक्ति से जोड़ती है। इसे बाइबिल में 'The Cool Breeze of Holy Ghost', कुरान में 'रूह' और भारतीय पौराणिक ग्रंथों में इसे 'परम चैतन्य' कहा जाता है। पतंजलि ने इसे 'ऋतंभरा प्रज्ञा' कहा है।

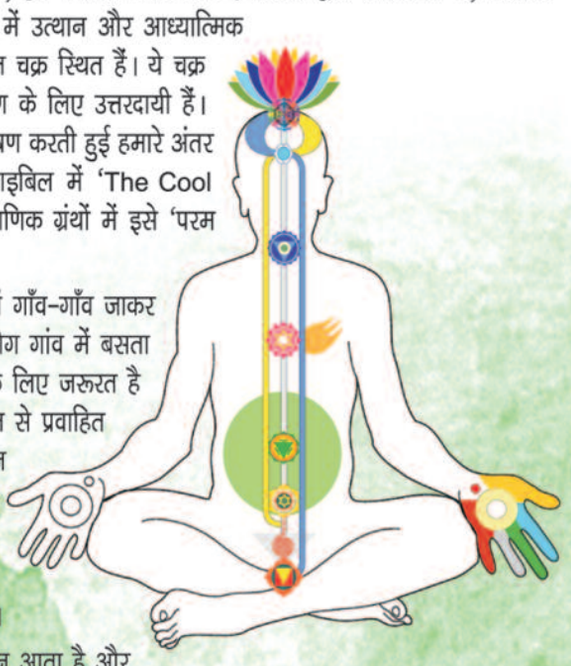

गांव के लोग पवित्र व अबोध होते हैं इसलिये श्रीमाताजी ने स्वयं गाँव-गाँव जाकर सहज योग का प्रचार-प्रसार किया। उनका कहना था कि सहज योग गांव में बसता है। सहज योग में फसल की पैदावार बढ़ाने की क्षमता है, जिसके लिए जरूरत है केवल कुंडलिनी जागृति और उसके द्वारा साधक के नियमित ध्यान से प्रवाहित होने वाली दिव्य ऊर्जा का उपयोग करना। ऐसे दस्तावेज हैं कि सहज योग से फसल की उपज 30% तक भी बढ़ सकती है। पूरे भारत में 3000 से भी अधिक सहज योग ध्यान केंद्र हैं, जहां हम अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर सकते हैं या फिर इंटरनेट पर भी निम्नलिखित दी गई वेबसाईट पर भी यह प्राप्त किया जा सकता है।

सहज योग में कुंडलिनी जागरण के द्वारा हमारे अंदर एक परिवर्तन आता है और हम चिंता, क्रोध, ईर्ष्या, कलह, विवाद, अनैतिकता, असुरक्षा आदि से मुक्त हो कर नैतिक, रचनात्मक, शांत, आत्मविश्वासी, क्षमाशील और एक संतुलित व्यक्तित्व बन जाते हैं। जब कुंडलिनी का जागरण होता है तब हम निर्विचार समाधि में चले जाते और अंदर से एकदम शांत हो जाते हैं। अन्तः शांति प्राप्त करने के बाद हम, शांति प्रसारित करने लगते हैं और अपने चारों ओर एक शांतिपूर्ण वातावरण का निर्माण करते हैं।

आईए हम अपने स्वयं के भले के लिए और मानवता के उत्थान हेतु अपने आंतरिक परिवर्तन की आकांक्षा करें और बापू के सार्वभौमिक शांति के सपने को पूरा करने में अपने तरीके से योगदान दें।

"वह परिवर्तन बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।" (महात्मा गांधी)

आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त करने के लिये नीचे दी गयी वेबसाईट पर जायें

https://www.nirmaldham.org/experience-peace-within/ • https://www.youtube.com/c/EMeditateEverydaywithSahajaYoga

सहज दर्शन प्रचार और प्रसार समिति
sahajayoga.org.in • nirmaldham.org • sahajayogamumbai.org • atmajagrati@gmail.com
Toll Free 1800-2-700-800 • NCR - 93101 77207 • Mumbai - 98203 15343 • Jhansi - 98891 58145 • Dehradun - 94120 47547